THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 343 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.7 2081 गुरुवार, 6 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'पाकिस्तान की जेल में बंद हैं गुजरात के 144 मछुआरे'

गांधीनगर, 5 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान की जेल में बंद मछुआरों को लेकर गुजरात सरकार ने विधानसभा में बड़ी जानकारी दी। सरकार ने कहा कि गुजरात के 144 मछुआरे पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। इसमें से 22 को बीते दो साल में पकड़ा गया है। कांग्रेस के विधायक दल के नेता अमित चावड़ा द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में राज्य के मत्स्य पालन मंत्री राघवजी पटेल ने विधानसभा में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुल 144 मछुआरों में से 22 को बीते दो साल में पाकिस्तान ने पकड़ा है। इसमें 2023 में नौ और 2023 में 13 मछुआरे पकड़े गए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने पिछले दो साल में 432 भारतीय मछुआरों को रिहा भी किया है। जनवरी 2025 तक 144 मछुआरे पाकिस्तान कर हिरासत में हैं।

'10 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटों की घोषणा'

प्रतिभा को बढ़ावा देने, कौशल विकास और नवाचार जैसे क्षेत्रों में अधिक निवेश की जरूरत : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बजट के बाद रोजगार पर वेब गोष्ठी को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोगों में और नवाचार आधारित विषयों में निवेश करना विकसित भारत की रूपरेखा को दर्शाता है। बजट 2025-26 में विकसित भारत का खाका सामने आया है। इसमें बुनियादी ढांचे और कौशल विकास को समान महत्व दिया गया है। पर्यटन युवाओं के लिए रोजगार पैदा कर सकता है। इस क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा मिलने से जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी बढ़ेगी।

बजट के बाद वेबिनार में पीएम मोदी ने कहा कि हमें प्रतिभा को बढ़ावा देने, कौशल विकास और नवाचार जैसे क्षेत्रों में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। रोजगार सृजन को महत्व देते हुए सरकार ने 2014 से अब तक तीन करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया। भारत एआई शोध के लिए एक राष्ट्रीय लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) स्थापित करेगा और इस क्षेत्र में निवेश के लिए कहा जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि लोगों में निवेश का विजन 3 स्तंभों पर पर खड़ा होता है- शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य देखभाल। आज आप देख रहे हैं कि भारत का शिक्षा तंत्र कई दशक के बाद कितने बड़े बदलाव से गुजर रहा है। सरकार ने 2014 से अब तक 3 करोड़ से ज्यादा युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दी है। हमने 1 हजार आईसीआई संस्थानों को अपग्रेड करने और 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने का एलान किया है। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य है

कि युवाओं की ट्रेनिंग ऐसी होनी चाहिए कि वो हमारी इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा कर सकें। हमने युवाओं को नए अवसर और व्यावहारिक कौशल देने के लिए पीएम इंटर्नशिप योजना शुरू की है। इस योजना में हर स्तर पर ज्यादा से ज्यादा उद्योगों की भागीदारी हो, हमें ये सुनिश्चित करना ही है।'

पीएम मोदी ने कहा, 'हमने इस बजट में 10 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटों की घोषणा की है। हम अगले 5 सालों में मेडिकल लाइन में 75 हजार सीटें जोड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टेली-मेडिसिन सुविधा का विस्तार हो रहा है। डे-केयर कैंसर सेंटर और डिजिटल स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना के जरिए हम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को लास्ट माइल तक पहुंचाना चाहते हैं।'

> पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई फैसले लिए गए

उन्होंने कहा कि इस बजट में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। देश भर में 50 गंतव्यों को पर्यटन पर फोकस करते हुए विकसित किया जाएगा। इन गंतव्यों में होटलों को आधारभूत संरचना का दर्जा दिए जाने से पर्यटन में आसानी बढ़ेगी, स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

> राष्ट्रीय वृहद भाषा मॉडल की स्थापना होगी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत एआई की क्षमताओं को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय वृहद भाषा मॉडल की स्थापना भी करेगा। इस दिशा में हमारे प्राइवेट सेक्टर को भी दुनिया से एक कदम आगे रहने की जरूरत है। एक विश्वसनीय, सुरक्षित और लोकतांत्रिक देश, जो एआई में किफायती समाधान दे सके, विश्व को उसका इंतजार है।

> पांडुलिपियों को डिजिटल फॉर्म में बदला जाएगा

उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन के माध्यम से भारत की समृद्ध पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करने की घोषणा बहुत ही अहम है। इस मिशन के माध्यम से एक करोड़ से अधिक हस्तलिपि यानी पांडुलिपियों को डिजिटल फॉर्म में बदला जाएगा। पीएम मोदी ने कहा, 'फरवरी में ही भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आईएमएफ के शानदार अनुमान हम सबके सामने हैं।

2 अप्रैल से भारत पर 100% टैरिफ लगाएंगे : ट्रम्प

> अमेरिकी संसद में दिए पहले भाषण में ऐलान

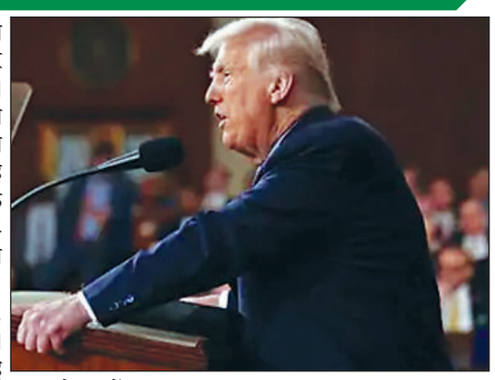

वॉशिंगटन, 5 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल से भारत पर जैसा को तैसा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि भारत हमसे 100% से ज्यादा टैरिफ वसूलता है, हम भी अगले महीने से ऐसा ही करने जा रहे हैं। ये ऐलान उन्होंने बुधवार सुबह (भारतीय समय के मुताबिक) अमेरिकी संसद के जॉइंट सेशन में किया। उन्होंने रिकॉर्ड 1 घंटा 44 मिनट का भाषण दिया। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने सिर्फ 1 घंटे का भाषण दिया था।

ट्रम्प ने भाषण की शुरुआत अमेरिका इज बैक, यानी 'अमेरिका का दौर लौट आया है' से की। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने 43 दिन में जो किया है वह कई सरकारें अपने 4 या 8 साल के कार्यकाल में नहीं कर पाईं। ट्रम्प ने कहा कि 2021 में अफगानिस्तान में आतंकियों ने 13 अमेरिकी सैनिकों की हत्या कर दी थी। उन्हें पकड़ने में पाकिस्तान सरकार ने मदद की।

राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले भाषण की अहम बातें

जैसे को तैसा टैरिफ : 2 अप्रैल से जैसे को तैसा टैरिफ लागू होगा। दूसरे देश हम पर भारी टैरिफ और टैक्स लगाते हैं, अब हमारी बारी है। अगर कोई कंपनी अमेरिका में प्रोडक्ट नहीं बना रही है तो उसे टैरिफ देना होगा।

यूक्रेन जंग : जेलेंस्की जल्द से जल्द यूक्रेन जंग खत्म करने को लेकर बातचीत के लिए आने को तैयार हैं। हमने रूस के साथ गंभीर बातचीत की है। हमें मॉस्को से मजबूत संकेत मिले हैं कि वे शांति के लिए तैयार हैं।

अप्रवासी मुद्दा : पिछले चार साल में 2.1 करोड़ लोग अवैध रूप से अमेरिका में घुसे हैं। हमारी सरकार ने अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा बॉर्डर और इमिग्रेशन क्रैकडाउन शुरू किया है।

जो बाइडेन : बाइडेन अमेरिकी इतिहास के सबसे खराब राष्ट्रपति हैं। उनके कार्यकाल में हर महीने लाखों अवैध लोग देश में दाखिल हुए। उनकी नीतियों के चलते देश में महंगाई बढ़ी।

पनामा नहर और ग्रीनलैंड : हम किसी भी तरह पनामा नहर पर कंट्रोल हासिल करेंगे। इसके साथ ही हम किसी भी तरह ग्रीनलैंड को अपने में शामिल करेंगे। हम वहां के लोगों की हिफाजत करेंगे।

'लोकसभा सीटों में बदलाव की जरूरत नहीं'

चेन्नई, 5 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अध्यक्षता में परिसीमन मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक में शामिल के बाद अभिनेता और मक्कल निधि मैयम प्रमुख कमल हसन रवाना ने कहा, 'मेरी राय है कि इन सीटों में बदलाव की जरूरत नहीं है'। उन्होंने आगे कहा-'जब देश की जनसंख्या 145 करोड़ थी, तब भी इन सदस्यों ने देश को आज इस स्थिति तक पहुंचाया ये पर्याप्त हैं।

अगर उन्हें सीटों की संख्या बढ़ानी ही है, तो केंद्र में लिए गए सभी सरकारी फैसले राज्यों द्वारा निष्पादित किए जाते हैं। अगर वे जनप्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाना ही चाहते हैं, तो विधानसभा की सीटें बढ़ाई जानी चाहिए'। राज्य में परिसीमन को लेकर जारी विवाद पर अब फिल्म अभिनेता और तमिल वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय दलपति ने भी टिप्पणी की हैं। विजय दलपति ने सोशल मीडिया पर इसे लेकर बयान जारी किया है। इस बयान में विजय ने लिखा है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो ये दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक अहमियत कम करने की कोशिश होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पटाखा फैक्ट्री विस्फोट मामले में एनजीटी का आदेश किया रद्द

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें भागलपुर के जिलाधिकारी (डीएम) को पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों को 20 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था। इस मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय ओका और जस्टिस एन कोटिस्वर सिंह की पीठ ने कहा कि एनजीटी ने यह आदेश जारी करने से पहले न तो दोषियों को कोई नोटिस दिया और न ही मरने वालों और घायलों के परिवारों से कोई जवाब मांगा।

फिर से एनजीटी के पास भेजा गया मामला

अब यह मामला फिर से विचार करने के लिए 28 मार्च को एनजीटी के पास भेजा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने एनजीटी को निर्देश दिया है कि वह भागलपुर जिलाधिकारी को नोटिस जारी करे और मृतकों व घायलों के परिवारों का पता लगाए।

जनसेना से पवन कल्याण ने की बड़े भाई नागा बाबू की उम्मीदवारी का एलान, 20 मार्च को मतदान

अमरावती, 5 मार्च (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने बुधवार को अपने बड़े भाई के. नागा बाबू को आगामी एमएलसी चुनावों के लिए पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने यह जानकारी दी। जनसेना के महासचिव नागा बाबू एक अभिनेता भी हैं। जनसेना दक्षिणी राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा है, जिसमें तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी शामिल हैं। जनसेना की एक विज्ञप्ति में कहा गया, विधायकों के कोटे के तहत एमएलसी चुनावों के लिए पार्टी अध्यक्ष पवन कल्याण ने एनडी की ओर से के. नागा बाबू के नाम की पुष्टि की है। चुनाव आयोग ने हाल ही में आंध्र प्रदेश की विधान परिषद (एमएलसी) के पांच सदस्यों के चुनाव की घोषणा की है। इसके लिए अधिसूचना जारी की गई। इन सदस्यों का चुनाव विधायक करेंगे और मतदान की तारीख 20 मार्च तय की गई है।

राहुल गांधी पर 200 रुपए जुर्माना

> लखनऊ कोर्ट बोली-14 अप्रैल को पेश हों > सावरकर को अंग्रेजों से पेंशन लेने वाला कहा था

लखनऊ, 5 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ की कोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 200 रुपए का जुर्माना लगाया है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) कोर्ट ने लगातार पेशी से गायब रहने पर जुर्माना लगाया। साथ ही चेतावनी दी कि 14 अप्रैल 2025 को अदालत में हाजिर हों, यदि वे इस तारीख को भी पेश नहीं होते हैं तो कठोर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

शिकायतकर्ता नृपेंद्र पांडेय के अनुसार, राहुल गांधी ने 17 दिसंबर 2022 को महाराष्ट्र के अकोला में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर पर विवादित बयान दिया था। उन्होंने सावरकर को 'अंग्रेजों का नौकर' और 'पेंशन लेने वाला' कहा था। शिकायतकर्ता ने कहा-यह बयान समाज में वैमनस्य और घृणा फैलाने की मंशा से दिया गया था। इतना ही नहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहले से तैयार पर्चे भी पत्रकारों के बीच वितरित किए गए थे। इस बयान को लेकर भारतीय दंड संहिता की धारा 153(ए) और 505 के तहत मामला दर्ज करने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की ओर से वकील प्राशु अग्रवाल ने अदालत में पेशी से छूट की अर्जी दाखिल की। इसमें उन्होंने दलील दी कि राहुल गांधी इस समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। आज (5 मार्च) उनकी मुलाकात एक विदेशी गणमान्य व्यक्ति से पूर्व निर्धारित थी। अन्य आधिकारिक कार्यों में व्यस्त होने के कारण वे अदालत में उपस्थित नहीं हो सके। वे अदालत के आदेशों का सम्मान करते हैं और जानबूझकर पेशी से बचने का प्रयास नहीं कर रहे। अदालत ने राहुल गांधी की अनुपस्थिति को हल्के में न लेते हुए 200 रुपए का जुर्माना लगाया और 14 अप्रैल 2025 को अनिवार्य रूप से पेश होने का आदेश दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि राहुल गांधी अगली सुनवाई में भी अनुपस्थित रहते हैं तो गैर-जमानती वारंट जारी किया जा सकता है।

राहुल गांधी के वकील प्रियांशु अग्रवाल और यासीर अब्बासी लखनऊ कोर्ट से निकलकर बरेली पहुंचे। लखनऊ हाईकोर्ट के दोनों वकीलों ने बरेली में वकालतनामा दाखिल किया। राहुल गांधी का आधार कार्ड भी जमा किया गया। सरकारी वकील अचिन द्विवेदी ने इसकी पुष्टि की है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 2 अप्रैल को तय की है। इस दिन राहुल गांधी के कोर्ट में पेश हो सकते हैं। मामला लोकसभा चुनाव के दौरान का है, जब राहुल गांधी ने आर्थिक सर्वेक्षण कर संपत्ति के वितरण संबंधी टिप्पणी की थी।

राहुल गांधी ने बताया कुलियों का दर्द

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने बुधवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुलियों से हुई मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने कहा कि पिछले महीने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ के दौरान कुलियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की मदद की, लेकिन उनकी आवाज सुनने वाला कोई नहीं है। वे आर्थिक समस्या से जूझ रहे हैं। हम उनके अधिकारों के लिए लड़ेंगे। अपने यूट्यूब चैनल पर कुलियों से बातचीत का वीडियो साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कुछ दिन पहले मैं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां कुली भाइयों से मिला। उन्होंने मुझे बताया कि कैसे सभी ने मिलकर भगदड़ वाले दिन लोगों की जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया।

अबू आजमी को यूपी बुलाइए, इलाज कर देंगे : योगी

लखनऊ, 5 मार्च (एजेंसियां)। यूपी बजट सत्र के आखिरी दिन सीएम योगी ने विधान परिषद में कहा-ये लोग (सपा) औरंगजेब को अपना आदर्श मान रहे हैं। भारत की आस्था को रौंदने वाले का महिमामंडन करने वाले सदस्य को सपा को बाहर निकाल देना चाहिए। उसे (अबू आजमी) यहां बुलाइए। उत्तर प्रदेश ऐसे लोगों का उपचार करने में देर नहीं करता।

योगी ने कहा कि उसका पिता शाहजहां अपनी जीवनी में लिखता है-खुदा करे कि ऐसा कमबख्त किसी को पैदा न हो। उसने शाहजहां को आगरा के किले में कैद कर रखा था। एक-एक बूंद पानी के लिए तरसाया। कोई मुसलमान भी अपने बेटे का नाम औरंगजेब नहीं रखता। शाहजहां ने अपनी जीवनी में औरंगजेब को कोसते हुए लिखा-तुमसे अच्छे तो ये हिंदू हैं, जो जीते जी अपने मां-बाप की सेवा करते हैं। मरने के बाद भी साल में एक बार तर्पण करते हुए उन्हें पानी अर्पित करते हैं।

डीआरडीओ को बड़ी सफलता

तेजस लड़ाकू विमानों के पायलटों के लिए लाइफ सपोर्ट सिस्टम का सफल परीक्षण

बंगलूरू, 5 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दरअसल डीआरडीओ ने तेजस लड़ाकू विमान में उड़ान के दौरान पायलटों के लिए इंटीग्रेटेड लाइफ सपोर्ट सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह युद्ध के दौरान पायलट्स को बेहतर तरीके से सांस लेने में मदद करेगा। इसकी मदद से पारंपरिक सिलेंडर आधारित ऑक्सीजन पर निर्भरता खत्म हो जाएगी। मंगलवार को इस लाइफ सपोर्ट सिस्टम का सफल परीक्षण किया गया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उचित संशोधनों के साथ, इस लाइफ सपोर्ट सिस्टम को मिग-29के और अन्य लड़ाकू विमानों में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। डीआरडीओ की बंगलूरू स्थित प्रयोगशाला, रक्षा जैव-इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रो मेडिकल प्रयोगशाला ने मिलकर 4 मार्च को एलसीए तेजस विमान के लिए स्वदेशी ऑन-बोर्ड ऑक्सीजन जनरेटिंग सिस्टम (ओबीओजीएस) तकनीक पर आधारित एकीकृत जीवन रक्षक प्रणाली (आईएलएसएस) का ऊंचाई में सफलतापूर्वक परीक्षण किया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के एलसीए-प्रोटोटाइप वाहन-3 विमान पर आईएलएसएस का परीक्षण किया गया। परीक्षण के वक्त विमान समुद्र तल से 50,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भर रहा था। मंत्रालय ने कहा कि सिस्टम ने सभी तय मापदंडों को सफलतापूर्वक पूरा किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सफल परीक्षण पर डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और भागीदारी उद्योगों को उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि यह विकास अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

केंद्र ने केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोप-वे को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र ने केदारनाथ धाम और हेमकुंड साहिब के लिए रोप-वे प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, 'अभी जो यात्रा 8-9 घंटे में पूरी होती है, वह घटकर 36 मिनट की हो जाएगी। इसमें 36 लोगों के बैठने की क्षमता होगी।' राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ तक (12.9 किमी) और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब जी तक (12.4 किमी) का रोपवे बनेगा। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट इसे बनाएगा। भगवान शिव का मंदिर केदारनाथ में है। यह समुद्र तल से 3,584 मीटर की ऊंचाई पर है। यहां मंदाकिनी नदी है। केदारनाथ धाम भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। केदारनाथ में बनने वाला रोपवे सबसे एडवांस्ड ट्राई केबल डिटेचेबल गोंडोला टैक्निक वाला होगा। इससे हर घंटे 1800 और हर दिन 18 हजार तीर्थ यात्रियों को पहुंचाया जाएगा।

'मियां लोगों को दुकानें मत दो हिंदू त्योहारों में क्यों आएंगे'

असम में मंत्री के बयान पर बवाल, बदरुद्दीन अजमल की पार्टी ने मांगा इस्तीफा

गुवाहाटी, 5 मार्च (एजेंसियां)। असम के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल के मुस्लिम समुदाय पर कथित बयान ने राज्य विधानसभा में भारी हंगामा खड़ा कर दिया। बदरुद्दीन अजमल की अगुवाई वाली एआईयूडीएफ ने सिंघल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की मांग की। पार्टी ने मंत्री पर सांप्रदायिक विभाजन और नफरत फैलाने का आरोप लगाया। असम में 'मियां' शब्द आमतौर पर बंगाली भाषी प्रवासी मुस्लिम समुदाय के लिए अपमानजनक रूप से इस्तेमाल किया जाता है, जिनकी संख्या राज्य में एक करोड़ से ज्यादा बताई जाती है। ये समुदाय 1980 के दशक में असम के विदेशी विरोधी आंदोलन के केंद्र में था। मंत्री अशोक सिंघल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र ढेकियाजुली में एक बैठक के दौरान कथित रूप से कहा कि मियां समुदाय को हिंदू त्योहारों के दौरान दुकानें संचालित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे इस समुदाय के प्रति जीरो समर्थन रखते हैं और लोगों से अपील की कि वे उनके साथ रहें, लेकिन इस समुदाय के लोगों से दूरी बनाकर रखें। वायरल हो रहे एक वीडियो में मंत्री को ये कहते हुए सुना जा सकता है मियां लोगों को दुकानें मत दो, इन्हें हमारे युवाओं को दो। मियां हमारे त्योहारों में क्यों आएंगे? हमारे युवा ईद पर नहीं जाते।।। मैं उनके साथ नहीं हूं। अगर आप उनके साथ घुलते-मिलते हैं तो मैं आपके साथ नहीं हूं। एआईयूडी के विधायक रफीकुल इस्लाम ने विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने का प्रयास किया और मंत्री पर अपने पद की शपथ का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। इस्लाम ने सवाल उठाया कि क्या सिंघल मियां समुदाय वाले इलाकों में सरकारी योजनाओं को भी रोक देंगे।

नई दिल्ली भगदड़ मामले में आया नया मोड़

हाई कोर्ट पहुंचे यात्री; जज के सामने रखी ये डिमांड

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर दायर लंबित जनहित याचिका में हस्तक्षेप की मांग करने वाले विभिन्न यात्रियों की द्वारा दायर एक आवेदन पर विचार करने से दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि सार्वजनिक कर्तव्य निभाने में विफलता हुई है, लेकिन इसके लिए याचिका दायर करके नुकसान का दावा नहीं कर सकता है। अदालत ने कहा कि इसके लिए आवेदनकर्ता उचित मंच के समक्ष मांग कर सकते हैं। अदालत ने कहा कि आवेदनकर्ता अपने व्यक्तिगत कारण का समर्थन करते हुए अलग-अलग याचिकाएं दायर कर सकते हैं। यह आवेदन कुछ व्यक्तियों द्वारा किया गया था, जो घटना की तारीख पर ट्रेन में चढ़ने वाले थे लेकिन भगदड़ के कारण नहीं चढ़ सके। यात्रियों का तर्क था कि उन्हें टिकट का पैसा नहीं मिला।

भगदड़ मामले में कई अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ मामले में रेलवे प्रशासन ने दिल्ली के मंडल रेलवे प्रबंधक सुखविंदर सिंह सहित चार अधिकारियों को पद से हटा दिया है। अभी कई अन्य अधिकारियों व रेलकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही जा रही है। इस मामले की जांच रिपोर्ट भी जल्द आने की उम्मीद है।

भगदड़ से 18 यात्रियों की हुई थी मौत

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी की रात भगदड़ के कारण 18 यात्रियों की मौत हो गई थी। भगदड़ के कारण की जांच के लिए रेलवे ने दो सदस्यीय समिति गठित की है। समिति की रिपोर्ट अभी नहीं आई है।

जांच रिपोर्ट से पहले ही 4 अफसरों पर गिरी गाज

जांच रिपोर्ट आने से पहले ही मंगलवार को रेलवे प्रशासन ने डीआरएए, एडीआरएम सहित चार अधिकारियों को पद से हटाकर स्पष्ट कर दिया है कि इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को किसी प्रकार की राहत नहीं दी जाएगी। अभी इस मामले में बड़े अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई हुई है। सीधे तौर पर जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। भीड़ प्रबंधन संभालने में नाकाम रहे रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों और स्थिति का सही तरह से आकलन नहीं करने वाले रेलवे कर्मचारियों पर कार्रवाई होने की बात कही जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है उसके बाद उचित कदम उठाए जाएंगे।

हिंदी विरोध की शपथ के बीच महिला के हाथ से कंगन निकाल रहे डीएमके नेता

करतूत पर भड़की बीजेपी

चेन्नई, 5 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु से डीएमके नेता की एक हैरान करने वाली हरकत सामने आई है। उनकी इस हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल डीएमके के कार्यकर्ता हिंदी भाषा के विरोध में शपथ ले रहे थे। शपथ के दौरान एक नेता को महिला के कंगन चुराते हुए देखा जा सकता है। यह डीएमके पार्षद जाकिर हुसैन हैं। प्रतिज्ञा लेते समय जाकिर हुसैन बगल में खड़ी एक महिला नेता के हाथ से कंगन उतारते हुए दिखे। इस वीडियो के सामने आने के बाद से तमिलनाडु की राजनीति गरमा गई है। ये वीडियो कुन्नूर का बताया जा रहा है। वीडियो शेयर करके बीजेपी नेताओं ने भी जाकिर हुसैन पर निशाना साधा है। बीजेपी के तमिलनाडु अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भी वीडियो शेयर करके जाकिर हुसैन पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, डीएमके पार्षद वार्ड नं। 25, कुन्नूर, जो हिंदी विरोधी विरोध की आड़ में एक कंगन चुरा रहे हैं। चोरी और डीएमके को कभी अलग नहीं किया जा सकता है।हालांकि इस वीडियो को लेकर डीएमके की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि जाकिर हुसैन महिला का हाथ बार-बार छू रहे हैं और वह महिला के हाथ का कंगन निकालने लगते हैं। तभी उनके बगल में खड़ी एक दूसरी महिला जाकिर के हाथों पर मारती है और हाथ हटाती है। लेकिन जाकिर हुसैन ऐसा बार-बार करते हैं।

बोफोर्स घोटाला: सीबीआई ने अमेरिका को भेजा पत्र

इस निजी जासूस को खोजने और पूछताछ करने को कहा

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। बोफोर्स घोटाला मामले से जुड़ी जांच में बड़ा अपडेट सामने आया है। भारत की केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई ने अमेरिका को अनुरोध पत्र भेजा है। सीबीआई ने अमेरिका से जासूस माइकल हर्शमैन को ढूंढने और उनसे पूछताछ की प्रक्रिया शुरू करने की अपील की है। आइए जानते हैं कि ये मामला क्यों सामने आया है और ये निजी जासूस कौन है जिससे पूछताछ करने की बात कही जा रही है।

दरअसल, सीबीआई ने अमेरिका को अनुरोध पत्र भेजकर निजी जासूस माइकल हर्शमैन को ढूंढने और उससे पूछताछ की प्रक्रिया शुरू करने की अपील की है। माइकल हर्शमैन ने दावा किया था कि वे बोफोर्स तोप घोटाले की जांच में मदद कर सकता हैं। ब भारत में बोफोर्स घोटाला 1980 के दशक के सामने आया था। इस दौरान तत्कालीन राजीव गांधी सरकार पर घोटाले के आरोप लगे थे। दिल्ली की अदालत के आदेश पर अक्टूबर 2024 में अमेरिका को पत्र रोगेटरी भेजने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसमें अमेरिकी नागरिक के टीवी इंटरव्यू को जांच का आधार बनाया गया है। आपको बता दें कि प्रशासनिक स्वीकृतियों के कारण इसे पूरा होने में 90 दिन लग सकते हैं। भारत के एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में बोफोर्स घोटाले पर अनियमितताओं का दावा किया गया था। इन दावों की सत्यता की जांच के लिए अमेरिका में जांच जरूरी मानी गई है। दिल्ली की अदालत ने सीबीआई के आवेदन को स्वीकार किया है। इसके बाद अमेरिका की न्यायिक प्राधिकरण को पत्र भेजा गया है। अमेरिका से दस्तावेज, गवाहों के बयान और अन्य जरूरी सबूत जुटाने का अनुरोध किया जाएगा।

'मैं 10 साल से कह रहा हूं कि उन्हें सत्ता का लालच है'

अरविंद केजरीवाल के काफिले पर संदीप दीक्षित का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में मिली हार के बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंगलवार को अपने परिवार के साथ पंजाब के होशियारपुर पहुंचे हैं। यहां केजरीवाल होशियारपुर से लगभग 11 किलोमीटर दूर आनंदगढ़ स्थित विपश्यना मेडिटेशन सेंटर में 10 दिनों तक रहेंगे। इस बीच पंजाब पहुंचने पर अरविंद केजरीवाल के काफिले का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जिसपर अब कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने निशाना साधा है। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने एएनआई से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के काफिले को लेकर कहा, उन्हें दिखावटी और शान-शौकत वाली जीवनशैली की आदत हो गई है। मैं 10 साल से कह रहा हूं कि उन्हें सत्ता का लालच है। जब उन्हें सादगी के आधार पर वोट मिलते थे, तब भी हम कहते थे कि उनकी सादगी दिखावा है। उन्हें सत्ता के साथ मिलने वाली शान-शौकत की इतनी आदत हो गई है कि विपश्यना में भी उनके काफिले में 100 गाड़ियां होती हैं। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, किसानों की समस्या भारत सरकार ने पिछले कई सालों से बिल्कुल नहीं देखी और अब तो ये बात भी स्पष्ट हो रही है कि पंजाब सरकार भी उस तरीके से संवेदनशील नहीं है। ये बात तो स्पष्ट हो गई कि चाहे बीजेपी हो आम आदमी पार्टी की सरकार हो, इनमें से कोई भी पंजाब में किसानों के साथ खड़ा नहीं है।

महाराष्ट्र विधानसभा से सस्पेंड किए जाने पर बोले अबू आजमी

'कानून का दरवाजा खटखटाऊंगा'

मुंबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित किए जाने पर अबू आजमी की प्रतिक्रिया सामने आई है। खुद के निलंबन पर उन्होंने नाराजगी जताई है। आजमी ने मैंने असेंबली में भी ऐसी कोई बात नहीं की वहां से क्यों निलंबित किया गया। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने कहा, मैं कानून का दरवाज खटखटाऊंगा, मुझे ऐसे कैसे हटा सकते हैं। रमजान का महीना चल रहा है, रोजा है मेरी तबियत भी ठीक नहीं है। जल्द ही कानूनी सलाह लूंगा। अबू आजमी ने आगे कहा, कई लोग शिवाजी महाराज के बारे में क्या क्या बोल गए उन पर कोई करवाई नहीं हुई।

'मैंने किसी के बारे में गलत नहीं कहा'

अबू आजमी ने वीडियो जारी करते हुए कहा, मैंने विधानसभा के अंदर तो कुछ कहा ही नहीं, बाहर भी मैंने किसी महापुरुष के बारे में अपमानित बात नहीं की। किसी के बारे में गलत नहीं कहा। तो फिर मुझे क्यों सस्पेंड कर दिया गया। बाहर भी मैंने औरंगजेब के बारे में वही कहा जो इतिहासकारों ने लिखा है बाकी तो मैंने कुछ कहा ही नहीं, मुझे अफसोस है इसके बावजूद भी मुझे सस्पेंड कर दिया, ये नाइंसाफी है।

'प्रशांत कोरटकर-राहुल सोलापुरकर पर एक्शन क्यों नहीं'

उन्होंने वीडियो मैसेज में आगे कहा, एक प्रशांत कोरटकर हैं और राहुल सोलापुरकर हैं, जिन्होंने छत्रपति शिवाजी को कितना अपमानित किया, क्या-क्या अलफाज बोले वो मैं बोल भी नहीं सकता लेकिन उन पर आजतक कोई कार्रवाई नहीं हुई, आज कानून है या नहीं। अबू आजमी ने कहा, मैं अपने इलाके के लोगों की समस्याएं लेकर इस बजट सेशन में उठाने वाला था, बहुत से मुद्दे थे, लेकिन सब खत्म कर दिया। मैं स्पीकर साहब से पूछूंगा कि किस लिए मुझे सस्पेंड किया, ये किस कानून के तहत आता है।

बारामूला में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से अटैक, इलाके की घेराबंदी

सुरक्षाबलों ने चलाया सर्च ऑपरेशन

जम्मू, 5 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर के बारामूला में आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया है। यह हमला बुधवार की रात ओल्ड टाउन पुलिस चौकी पर किया गया था, जिसकी वजह से लोगों के मन में डर हो गया। इस ब्लास्ट में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इस ब्लास्ट की आवाज जैसे ही पुलिसकर्मियों ने सुनी, उन्होंने पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली। सर्च ऑपरेशन के बाद रात में करीब 10 बजकर 40 मिनट बजे पुलिस चौकी की दीवार के बाहर एक ग्रेनेड पिन बरामद किया गया, जिससे पुलिस को शक हुआ कि ये ग्रेनेड हमला था। ग्रेनेड पुलिस चौकी के अंदर ऐसी जगह पर ब्लास्ट हुआ, जहां कोई घायल नहीं हुआ। हालांकि अबतक पुलिस ने किसी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया है, लेकिन इलाके के लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस हमले के बाद बारामूला पुलिस ने कहा कि वो जनता की सुरक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस की ओर से कहा गया है कि इलाके के लोगों से भी अपील है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस को इसकी जानकारी दें।

26 फरवरी को सेना की गाड़ी पर फायरिंग

बीती 26 फरवरी को राजौरी के सुंदरबनी इलाके में सेना की गाड़ी पर आतंकी हमला हुआ था। दोपहर करीब एक बजे आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर 4-5 राउंड फायरिंग की थी और फरार हो गए। हमले के समय सेना का वाहन गश्ती कर रहा था। राहत की बात ये रही कि इस हमले में कोई जवान घायल नहीं हुआ। गाड़ी पर हमला कर आतंकी फरार हो गए थे। सेना की ओर से बताया गया कि आतंकियों की गोलीबारी से किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ और हमारे सैनिकों ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया।

मां-बेटी चला रही थी ड्रग रैकेट: 2.5 किलो हेरोइन 2 पिस्टल, जेवरात, एक लाख ड्रग मनी मिली

मोगा, 5 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में नशा तस्करों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश सरकार की हिदायतों के तहत नशे के सौदागरों के घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार नशे के खिलाफ पूरी तरह एक्शन मोड में है और किसी भी सूरत पर नशा तस्करों को सलाखों के पीछे पहुंचाने में लगी है। इसी सिलसिले में मोगा में पुलिस के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। मोगा के थाना कोटिसेखा पुलिस टीम ने दो नशा तस्कर महिलाओं को गिरफ्तार किया है। थाने की महिला एसएचओ ने नशा तस्करों पर बड़ी करवाई करते हुए एक जगह पर रेड की है। छापामारी के दौरान पुलिस ने मुमताज कौर और किरण कौर को नशे की बड़ी खेप के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी महिलाओं को 2 किलो 500 ग्राम हेरोइन, 2 देसी पिस्टल, सोना-चांदी और एक लाख रुपये ड्रग मनी के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

मंत्री ने महिला को भेजी आपत्तिजनक फोटो, सांसद संजय राउत ने इसे आपत्तिजनक कृत्य बताया

मुंबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री और बीजेपी नेता जयकुमार गोरे पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं। दावा किया जा रहा है कि जयकुमार गोरे ने पीड़िता को न्यूड तस्वीरें भेजीं। जयकुमार गोरे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी नेता माने जाते हैं। उन पर इतने गंभीर आरोप लगने से महायुति सरकार में दागी नेताओं की सूची में एक और नाम जुड़ गया है। इस बारे में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कुछ कहने से इनकार कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक बावनकुले ने कहा कि मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है। वह इस बारे में पता करके बताएंगे। जयकुमार गोरे पर महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की सटीक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हालांकि, जयकुमार गोरे पर लगे आरोपों पर ठाकरे समूह के सांसद संजय राउत और विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने टिप्पणी की।

कैबिनेट में फेरबदल करें सीएम फडणवीस- राउत

संजय राउत ने कहा कि हंबीरराव मोहिते के परिवार की एक महिला को इस मंत्री ने किस तरह प्रताड़ित किया है, इसकी जानकारी सामने आ चुकी है और वह महिला अगले कुछ दिनों में विधान भवन के सामने अनशन पर बैठने वाली है। संजय राठौड़ आपके मंत्रिमंडल में हैं, अब एक नया किरदार बन गया है। देवेंद्र फडणवीस को मंत्रिमंडल में फेरबदल करना चाहिए। उन्हें एक बार फिर सभी मंत्रियों को बर्खास्त कर देना चाहिए।

जयकुमार पर लगे आरोप गंभीर- राउत

संजय राउत ने कहा कि जयकुमार गोरे के बारे में जो जानकारी सामने आई है वह बेहद चौंकाने वाली है। यह मामला गंभीर है और महाराष्ट्र पर कलंक लगाता है। अगर हंबीरराव मोहिते के परिवार की एक महिला के साथ छेड़छाड़ हुई और वह मंत्री आपके मंत्रिमंडल में है, तो यह महाराष्ट्र को कलंकित करता है।

विधान भवन के बाहर अनशन करेगी महिला

बताया जा रहा है कि महिला ने तंग आकर सतारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और मामला दर्ज किया गया है। लेकिन गोरे ने गिरफ्तारी से बचने के लिए सतारा जिला न्यायालय और बॉम्बे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। महिला ने महायुति सरकार द्वारा इस संबंध में उचित कार्रवाई नहीं करने पर 17 मार्च से विधान भवन के सामने आमरण अनशन करने की चेतावनी दी है।

सूने घर को चोरों ने बनाया निशाना, लाखों के जेवरात लेकर चोर फरार

शहडोल, 5 मार्च (एजेंसियां)। शहडोल जिले में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही हैं, लेकिन पुलिस इन पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। ताजा मामला अमलाई थाना क्षेत्र का है, जहां एक सूने घर का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों की चोरी को अंजाम दिया। चोर 8 तोला सोना, 1 किलो चांदी और 50 हजार रुपये नगद लेकर फरार हो गए। घटना रावल मार्केट, अमलाई थाना क्षेत्र की है। रंगलाल नापित अपने परिवार के साथ गोरखपुर में एक विवाह समारोह में गए थे। इस दौरान चोरों ने घर को सूना पाकर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा और अंदर घुस गए। इसके बाद अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर और नगद रकम चोरी कर ली। जब पड़ोसियों ने घर का दरवाजा खुला देखा, तो उन्होंने परिवार को सूचना दी। घर लौटने के बाद परिवार ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पीएमओ से लेकर संसद भवन में लगेगी ये वैदिक घड़ी 189 भाषाओं में समय बताएगी, क्या है खास?

उज्जैन, 5 मार्च (एजेंसियां)। पिछले साल फरवरी में 29 तारीख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का लोकार्पण किया था। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी विश्व की पहली ऐसी घड़ी है, जो भारतीय काल गणना पर आधारित है। इस घड़ी के लोकार्पण के एक साल बाद 30 मार्च 2025 को विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के ऐप की शुरुआत होने वाली है। साथ ही वैदिक घड़ी के छोटे स्वरूप की लगभग 100 से ज्यादा घड़ियों का भी निर्माण किया जा रहा है, जो देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी ऐसे प्रमुख स्थानों पर लगाई जाएंगी, जिससे हमारे देश का मान बढ़ेगा। विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्री राम तिवारी ने बताया कि यह वैदिक घड़ियां विशेष तरीके से तैयार की जा रही हैं, जिसमें हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही लगभग 189 भाषाएं रहेंगी। घड़ी की खासियत की बात की जाए तो इसे खास चिप के जरिए तैयार किया जा रहा है, जिससे बिजली चले जाने पर भी यह घड़ी बंद नहीं होगी और इसका समय अपने आप चलता रहेगा। कुछ दिनों पहले भोपाल में आयोजित ग्लोबल समिति के दौरान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस वैदिक घड़ी का छोटा स्वरूप भेंट किया था, जिसे प्रधानमंत्री ने सराहा भी था। वर्तमान में इस तरह की वैदिक घड़ी विक्रमादित्य शोधपीठ कार्यालय में लगी हुई हैं, लेकिन जल्द ही इस तरह की 100 से ज्यादा वैदिक घड़ियां अब देश-विदेश में भी भेजी जाएंगी। शुरुआत में प्रधानमंत्री कार्यालय और नए संसद भवन में इसे लगाया जाएगा। विक्रम यूनिवर्सिटी के आर्कियोलॉजिस्ट रमण सोलंकी ने बताया कि विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का ऐप तैयार किया जा चुका है। यह ऐप जीपीएस से संचालित है, जिससे यह किसी भी स्थान पर सूर्योदय के समय को सटीकता से जान पाता है और उसके अनुसार वैदिक समय की गणना करता है। यह ऐप 189 से ज्यादा भारतीय और वैश्विक भाषाओं में देखा जा सकता है। यह घड़ी सूर्योदय से प्रचलित है। जिस स्थान पर जो सूर्योदय का समय होगा। उस स्थान की काल गणना के मुताबिक होगी। स्टैंडर्ड टाइम भी उसी से जुड़ा रहेगा। इस ऐप के जरिए से वैदिक समय, लोकेशन, भारतीय स्टैंडर्ड टाइम, ग्रीनविच मीन टाइम, तापमान, वायु गति, आर्द्रता, भारतीय पंचांग, विक्रम संवत, मास, ग्रह स्थिति, योग, भद्रा स्थिति, चंद्र स्थिति, पर्व, शुभाशुभ मुहूर्त, घटी, नक्षत्र, जयंती, व्रत, त्यौहार, चौघड़िया, सूर्य ग्रहण, चंद्र ग्रहण, आकाशस्था, ग्रह, नक्षत्र, ग्रहों का परिभ्रमण आदि की जानकारी शामिल हैं।

'औरंगजेब की कब्र भी उखाड़कर फेंको'

अबू आजमी पर एक्शन के बाद नवनीत राणा की मांग

मुंबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सपा विधायक अबू आजमी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक बयान के बाद उन पर पहले मामला दर्ज किया गया तो वहीं दूसरी ओर सदन से निलंबित कर दिया गया। आजमी पर हुई कार्रवाई पर अखिलेश यादव ने नाराजगी जाहिर की है, तो वहीं दूसरी तरफ कई लोग इस कार्रवाई की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। अमरावती की पूर्व सांसद नवनीत राणा कार्रवाई को सही बताते हुए सरकार से एक और मांग कर दी है। पूर्व सांसद नवनीत राणा ने कहा कि आज जिस तरीके से अबू आजमी को सरकार ने विधानसभा के अधिवेशन से सस्पेंड किया है। बहुत अच्छा किया है। मैं महाराष्ट्र की सरकार से एक विनती और करती हूं, जिस तरीके से आजमी को सस्पेंड किया उसी तरीके से संभाजीनगर में जो आज भी औरंगजेब की कब्र है, उसी तरीके से उसे उखाड़ कर महाराष्ट्र से बाहर फेंक दीजिए। उन्होंने कहा कि जो औरंगजेब

की बातें करते हैं, औरंगजेब को अपना सो कॉल्ड फादर बुलाते हैं, उनको भी सबक सीखना चाहिए। कि महाराष्ट्र में औरंगजेब के नहीं छत्रपति शिवाजी महाराज के विचार चलेंगे। जिसे वह कब्र प्यारी हो, वह अपने घर में सजा ले।

लगातार हमलावर हैं राणा

नवनीत राणा ने एक दिन पहले कहा था कि 'कल एक विधायक ने महाराष्ट्र में स्टेटमेंट दिया, औरंगजेब ने राजा होने के नाते बहुत अच्छी सेवा की, अच्छे से प्रशासन दिया, उनको याद दिलाना चाहती हूं जिस महाराष्ट्र में आप विधायक हैं, विधायक बनकर विधि मंडल में जाकर 5 /5साल बैठते हैं, उस महाराष्ट्र के राजा, सिर्फ छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज थे। तुम्हारे बाप औरंगजेब ने हमारे संभाजी महाराज पर अत्याचार किया। हम लोगों ने तो इतिहास पढ़ा है लेकिन जिन्होंने नहीं पढ़ा, उन लोगों को थिएटर में जाकर छावा पिक्चर देखना चाहिए।

आजमी पर देशद्रोह का मामला चलना चाहिए-एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने बयान का विरोध करते हुए कहा था कि अबू आजमी पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। उन्होंने उस औरंगजेब की तारीफ की, जिसने छत्रपति संभाजी महाराज को 40 दिनों तक प्रताड़ित किया। ऐसे व्यक्ति को अच्छा कहना महापाप और अपराध है। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: जीवन में एक छोटा सा फ़ैसला भी आपको बहुत आगे या पीछे ला सकता है ।

कांग्रेस ने एमएलसी पदों के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू की

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने एमएलए कोटे के तहत एमएलसी पदों के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के साथ बुधवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की और संभावित एमएलसी उम्मीदवारों पर चर्चा की। एक घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में मुख्य रूप से उन प्रोटोकॉल पर ध्यान केंद्रित किया गया जो इन उम्मीदवारों के चयन का मार्गदर्शन करेंगे।

रिपोर्ट बताती है कि उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया को कैसे सुव्यवस्थित किया जाए, इस बारे में चर्चा हुई, खासकर एमएलसी भूमिकाओं के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए, ताकि पार्टी किसी भी चुनौती से बच सके। 29 मार्च को पांच एमएलसी सीटें खाली हो जाएंगी, जिसके लिए चुनाव आयोग को उनके कब्जे के लिए अधिसूचना जारी करनी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 10 मार्च तक बढ़ा दी गई है। इन पांच उपलब्ध एमएलसी सीटों में से एक भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को आवंटित की जाएगी, जबकि शेष चार कांग्रेस पार्टी को मिलेंगी।

टीपीसीसी कोर कमेटी ने इन चार सीटों के लिए उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पहल के तहत मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ बैठक की गई। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि टीपीसीसी एक और बैठक आयोजित करने की योजना बना रही है, संभवतः एमएलसी पदों के लिए प्राप्त आवेदनों की बड़ी मात्रा के कारण।

मीनाक्षी नटराजन ने मेदक और मल्काजगिरी लोकसभा क्षेत्रों के नेताओं के साथ समीक्षा की है और इस समीक्षा से प्राप्त फीडबैक को मुख्यमंत्री के साथ साझा किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि पार्टी केवल उन लोगों को एमएलसी पद देने की संभावना पर विचार कर रही है जो कांग्रेस पार्टी के प्रति वफादारी दिखाते हैं। इसके मद्देनजर, टीसीसीसी द्वारा प्राप्त आवेदनों की बाढ़ को देखते हुए आगामी बैठक महत्वपूर्ण प्रासंगिकता ले चुकी है। वहीं दूसरी ओर गुरुवार को कैबिनेट की बैठक होने वाली है। सूत्रों से पता चला है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कैबिनेट के फैसलों और एमएलसी उम्मीदवारों के चयन को लेकर हाईकमान से चर्चा करने के लिए एक बार फिर दिल्ली जा सकते हैं।

अमेरिका में तेलंगाना के छात्र की गोली मारकर हत्या

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने गए हैदराबाद के 27 वर्षीय युवक की विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में अज्ञात व्यक्तियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, रंगारेड्डी जिले के केशमपेट मंडल का प्रवीण मिल्वौकी के एक विश्वविद्यालय में मास्टर्स की पढ़ाई कर रहा था। दूसरे वर्ष का छात्र, राघवुलू और रमा देवी का बेटा, पढ़ाई के दौरान अपना खर्च चलाने के लिए वहां एक स्टार होटल में पार्ट-टाइम काम कर रहा था।

प्रवीण को कथित तौर पर उनके रहने के स्थान के पास एक समुद्र तट पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोली मार दी गई थी।

गोली लगने से वह बेहोश हो गए और चिकित्सा देखभाल के लिए ले जाए जाने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई। प्रवीण के दोस्तों ने उसके परिवार को घटना की जानकारी दी और उसके गांव में मातम छा गया।

'विविधता का अमृत उत्सव' में फैला तेलंगाना का सांस्कृतिक सौंदर्य

नई दिल्ली, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल और उपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति भवन में "विविधता का अमृत महोत्सव" के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया। बुधवार को राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान में आयोजित "विविधता का अमृत उत्सव" के उद्घाटन कार्यक्रम में भारत की राष्ट्रपति "श्रीमती द्रौपदी मुर्मू" के मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सरकार की ओर से राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने भाग लिया। मुख्य कार्यक्रम से पहले, राष्ट्रपति ने सभी राज्यों के स्टालों का दौरा किया, राज्यपाल और उपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को सौहार्दपूर्वक आमंत्रित किया, जिन्होंने तेलंगाना मंडप का दौरा किया और व्यक्तिगत रूप से उन्हें तेलंगाना हथकरघा कारीगरों के काम और हस्तशिल्प के महत्व के बारे में बताया। राष्ट्रपति ने सिरिसिला बुनकरों के प्रदर्शन की प्रशंसा की, जिन्होंने आग के बक्से में फिट होने के तरीके से हाथ से साड़ी बुनी और बुनाई की प्रक्रिया के बारे में पूछताछ की। बाद में, उप मुख्यमंत्री ने सभी स्टालों का दौरा किया और आयोजकों को बधाई दी। मुख्य कार्यक्रम के बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में प्रस्तुत "गुस्सादी" नृत्य ने दर्शकों को प्रभावित किया। आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए "आजादी का अमृत महोत्सव" के हिस्से के रूप में, ये विभिन्न अमृत महोत्सव पिछले साल से भारत के राष्ट्रपति कार्यालय के तत्वावधान में मनाए जा रहे हैं। आज से शुरू होने वाले उत्सव में भारत के सभी दक्षिण भारतीय राज्य भाग ले रहे हैं। सभी के लिए निःशुल्क प्रवेश की सुविधा। तेलंगाना सरकार ने इस महीने की 6 से 9 तारीख तक आयोजित होने वाले उत्सव के हिस्से के रूप में एक मंडप भी स्थापित किया है, इस मंडप में राज्य के पद्म श्री पुरस्कार विजेता गजम अंजैया और गजम गोवर्धन सहित 20 प्रसिद्ध हथकरघा श्रमिकों और 20 हस्तशिल्प विशेषज्ञों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। इसके अलावा, तीन हस्तशिल्प विशेषज्ञ खुद मेहमानों को संबंधित आइटम बनाने की विधि बताएंगे। इसी तरह, मेहमानों के मुंह में पानी लाने के लिए तेलंगाना स्वाद वाला एक फूड स्टॉल भी लगाया गया है। इसके अलावा, मेहमानों के मनोरंजन के लिए राज्य संस्कृति विभाग के तत्वावधान में डोलू, पेरिनी और गुसाडी जैसे तेलंगाना कला रूपों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

मेरा निलंबन सुनिश्चित करके सीएम रेवंत ने गलती की: एमएलसी

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के निलंबित एमएलसी तीनमार मल्लन्ना ने आज आरोप लगाया कि सीएम रेवंत रेड्डी ने उन्हें कांग्रेस पार्टी से निलंबित करके बड़ी गलती की है। उन्होंने सीएम को चेतावनी दी कि वह राज्य के पिछड़ा वर्ग को राज्य की शक्ति दिलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया, "सीएम रेवंत को इस भ्रम से बाहर आना चाहिए कि अगर मुझे पार्टी से निलंबित कर दिया गया तो बीसी आंदोलन रुक जाएगा। सीएम रेवंत रेड्डी चाहते हैं कि मेरे जैसे लोग हमेशा उनके साथ रहें।" राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम द्वारा ईडब्ल्यूएस कोटे को बाधित न करने के इरादे से जाति गणना को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा, "90 साल बाद, अगर जाति जनगणना की जाती है, तो कोई भी इसकी प्रशंसा नहीं करता। मैं जाति गणना पर सीएम रेवंत रेड्डी के साथ चर्चा के लिए तैयार हूं। पीसीसी अध्यक्ष पर रेवंत रेड्डी ने मुझे पार्टी से निलंबित करने का दबाव बनाया था। मैं राहुल गांधी के बीसी को 42% आरक्षण देने के वादे के साथ कांग्रेस में शामिल हुआ था।

सीपी ने पहाड़ी शरीफ पुलिस स्टेशन का दौरा किया

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त सुधीर बाबू ने राचकोंडा आयुक्तालय में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के हिस्से के रूप में विभिन्न पुलिस स्टेशनों में अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रदर्शन और आम लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की समीक्षा करने के लिए आज पहाड़ी शरीफ पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इस मौके पर स्टेशन के आसपास का निरीक्षण किया गया. स्टेशन के रिकॉर्ड की जांच करने के अलावा, उन्होंने रिसेप्शन, पेट्रोलिंग स्टाफ और सीसीटीवी के रखरखाव जैसे विभिन्न विभागों के प्रदर्शन की भी समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि समस्याग्रस्त क्षेत्रों के स्टाफ को हमेशा अलर्ट रखें। उन्होंने थाने में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी ली। महिलाओं की सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है।

पुलिस ने वेश्यावृत्ति गिरोह का किया भंडाफोड़

सिद्दीपेट, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट पुलिस ने थ्री टाउन पुलिस सीमा के अंतर्गत एनसनपल्ली गांव में एक वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़ किया और एक महिला आयोजक, एक ग्राहक और एक अन्य महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आयोजक बी यशोदा, ग्राहक मोथे शेखर (21), नांगनूर मंडल के पालमकुला निवासी और गिरोह में कथित तौर पर शामिल एक महिला को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है।

पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक में कई निर्णय

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग की एक बैठक खैरताबाद स्थित आयोग के कार्यालय में अध्यक्ष जी. निरंजन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आयोग के सदस्य रापोलू जयप्रकाश, तिरुमालागिरी सुरेंद्र और बाला लक्ष्मी रंगू तथा सदस्य सचिव श्रीमती बाला माया देवी आईएएस उपस्थित थे। आयोग ने 50 दिनों तक प्रत्येक घर में गणनाकार भेजकर जाति जनगणना कराने तथा 16 से 28 फरवरी तक छूटे हुए लोगों को पंजीकरण कराने का अवसर प्रदान करने के आयोग के सुझाव को स्वीकार करने के लिए राज्य सरकार का स्वागत किया। आयोग ने 5 फरवरी, 2025 को आयोजित पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन में प्रगति की समीक्षा की। स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से विधान परिषद के चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण, क्षेत्र भ्रमण योजना के अनुसार नहीं किए जा सके। इसलिए, मार्च के अंत तक क्षेत्र भ्रमण करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद कुछ जातियों के नाम बदलने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

आयोग ने राज्य के सभी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों का जातिवार ब्यौरा एकत्र करने के लिए कदम उठाए हैं। इसी तरह स्कूली शिक्षा, इंटरमीडिएट शिक्षा, उच्च शिक्षा विभाग और कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का जातिवार ब्यौरा एकत्र करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

समकालीन व्यावसायिक प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानू) का प्रबंधन और वाणिज्य विभाग दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "विकसित भारत और सतत विकास लक्ष्यों के संदर्भ में समकालीन व्यावसायिक प्रथाएँ" का आयोजन कर रहा है। उद्घाटन सत्र 6 मार्च को सुबह 10.30 बजे होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. मोहम्मद अब्दुल अज़ीम के अनुसार, डॉ. मोहम्मद अब्दुल खुद्दुस, पूर्व केंद्रीय सिविल सेवक, पूर्व निदेशक, राज्य एमएसएमई, भारत सरकार उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि होंगे और प्रो. एस श्रीनिवास मूर्ति, निदेशक, सार्वजनिक उद्यम संस्थान मुख्य अतिथि होंगे। प्रो. सैयद ऐनुल हसन, कुलपति, मानू मुख्य संरक्षक हैं और प्रो. इश्तियाक अहमद, रजिस्ट्रार संरक्षक हैं। ओयू के बिजनेस मैनेजमेंट संकाय के पूर्व डीन प्रोफेसर ए विद्याधर रेड्डी समापन सत्र के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता हैं, जबकि आईकैपकार्बन के संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी श्रीफनी विस्सम राजू और एमएएनयूयू के दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के निदेशक प्रोफेसर मोहम्मद रजाउल्लाह खान मुख्य अतिथि हैं।

नगर निगम कर्मचारी ने किया आत्महत्या का प्रयास

खम्मम, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम नगर निगम में कार्यरत एक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता डी. माधवी ने बुधवार को निगम कार्यालय में कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी कारण के निलंबित कर दिया गया। उन्होंने अपने निलंबन के लिए राजस्व निरीक्षक सुधाकर को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उन्होंने उनका यौन उत्पीड़न किया, जिसके बारे में उन्होंने 2019 में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने माधवी को इलाज के लिए सरकारी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, , Ex No: 15332685-H, Rank: L-NK Name. Venkataiah Goud, S/o S. Narayana Goud, R/o. H.No. 2-74, Metlakunta (Vill &Post) Bomraspet, Vikarabad, T.G-509338. my mother name incorrect in my service records as Anganamma & icorrect DOB 01/09/1961 correct name is ANJILAMMA & correct DOB is 16/06/1960 vide Affidavit dt.21-02-2025

I, Pandharinath S/o Laxman, R/o H.No.8-7-9, Momin gally, Old Tandur, Near Hanuman Temple, Tandur, K.V. Ranga Reddy Dist. Changed my Name As POTHAN PANDARINATH

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

गांजा तस्करी और सेवन के आरोप में 8 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर की टास्क फोर्स (पश्चिम) की टीम ने मंगलवार रात जुबली हिल्स में गांजा बेचने और सेवन करने के आरोप में आठ लोगों को पकड़ा। पुलिस ने उनके पास से दो किलोग्राम गांजा जब्त किया।

गिरफ्तार किए गए लोगों में ए शिवाजी (26), एक पेडलर, के नागराजू (22), पेडलर, साई तेजा (20) सब पेडलर, हेमा वामशी (20), सब पेडलर, पी श्रीकांत (27), सब पेडलर, जहांगीर (21), उपभोक्ता, के उदय वेंकट (23) उपभोक्ता और डोमा राकेश (25) उपभोक्ता शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, शिवाजी महाराष्ट्र के अमजद नामक व्यक्ति से गांजा खरीदता था और तेजा, वामशी, श्रीकांत और नागराजू के माध्यम से इसे ग्राहकों को बेचता था।

महिला ने जालसाज के हाथों 1 लाख 23 हजार रुपए गंवाए

सस्ती साड़ी खरीदने के चक्कर में हुई ठगी का शिकार

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इंस्टाग्राम पर ब्राउज़ करते समय 52 वर्षीय गृहिणी को एक पेज मिला, जो साड़ियाँ बेच रहा था। उसने 1,799 रुपए की कीमत वाली एक साड़ी का विज्ञापन देखा, जो उसे पसंद आ गई। इसे खरीदने के लिए, पीड़िता ने व्हाट्सएप के ज़रिए विक्रेता से संपर्क किया और उसे राशि ट्रांसफर करने के लिए कहा गया। उसने जालसाज द्वारा दिए गए नंबर पर गूगल पे के ज़रिए भुगतान किया। कुछ ही समय बाद, जालसाज (विक्रेता) ने उसे शिपिंग शुल्क के लिए कुछ पैसे भेजने के लिए कहा, और भुगतान के लिए एक क्यूआर कोड साझा किया, यह आश्वासन देते हुए कि पहला भुगतान वापस कर दिया जाएगा।जालसाज पर भरोसा करते हुए, पीड़िता ने राशि ट्रांसफर कर दी और विक्रेता ने पुष्टि के तौर पर भुगतान रसीद साझा की। हालांकि, भुगतान प्राप्त करने के बाद, जालसाज ने पीड़िता को व्हाट्सएप के ज़रिए कॉल किया और उसे अपनी स्क्रीन साझा करने का अनुरोध किया, यह दावा करते हुए कि रिफंड लेनदेन को पूरा करना आवश्यक है। जालसाज पर भरोसा करके पीड़िता ने उसके निर्देशों का पालन किया। जालसाज ने फिर गूगल पे के माध्यम से कई भुगतान अनुरोध भेजे और उसके निर्देश पर पीड़िता ने अनजाने में इन लेन-देन को अधिकृत कर दिया। नतीजतन, उसे कई लेन-देन में कुल 1,23,796 रुपये का नुकसान हुआ। भुगतान हो जाने के बाद जालसाज ने पीड़िता के कॉल और मैसेज का जवाब देना बंद कर दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उसे फर्जी विज्ञापन की आड़ में ठगा गया है।

मायावती के एक्शन पर एक्शन

भतीजे के बाद भाई से भी वापस लिया पद, रणधीर बेनीवाल को दी जिम्मेदारी

लखनऊ, 5 मार्च (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती इन दिनों एक्शन मोड में नजर आ रही हैं। पहले उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को सभी पदों से मुक्त किया तो उसके दूसरे दिन पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। भतीजे के बाद अब मायावती की गाज अपने भाई पर गिरी हैं। उन्होंने आनंद कुमार को राष्ट्रीय संयोजक के पद से हटा दिया है। अब वे केवल उपाध्यक्ष रहेंगे। नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी रणधीर बेनीवाल को सौंपी गई है।

मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी देते हुए लिखा कि आनंद कुमार ने पार्टी और मूवमेंट के हित में एक पद पर कार्य करने की इच्छा जताई थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। अब वह पहले की तरह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए मायावती के निर्देशन में काम करेंगे। उन्होंने आगे लिखा इसके साथ ही, सहारनपुर के रहने वाले रणधीर बेनीवाल को नया नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। मायावती ने कहा कि अब बसपा के राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और रणधीर बेनीवाल, दोनों पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर के रूप में उनके निर्देशन में विभिन्न राज्यों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

मायावती ने इससे पहले बड़ा फैसला लेते हुए भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। मायावती ने आकाश को सभी पदों से मुक्त कर दिया था। मायावती इन दिनों फुल एक्शन मोड में नजर आ रही हैं। बीते दिनों उन्होंने योगी सरकार पर मुसलमानों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप भी लगाया था।

72 घंटों में बदला मायावती ने अपना फैसला

मायावती ने रविवार को ही अपने भाई आनंद कुमार को नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया था। उस दौरान उन्होंने कहा था कि वे पार्टी के लिए बेहतर काम करेंगे। महज 3 दिन यानी कि 72 घंटों के भीतर बीएसपी सुप्रीमो ने अपना फैसला पलट दिया है। ऐसे में कई तरह के सवाल खड़े किए जा रहे हैं। मायावती इन दिनों अपने फैसलों के कारण सुर्खियों में बनी हुई हैं।

पत्नी जौनपुर में ग्राम प्रधान, पति चोर

कानपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में एक ऐसा चोर पकड़ा गया है, जिसकी पत्नी जौनपुर में ग्राम प्रधान है। वह अपने दो साथियों के साथ मुंबई से फ्लाइट से कानपुर पहुंचा। यहां लग्जरी होटल में रुका और कारोबारी बनकर रेकी की। रात तीनों कलक्टरगंज इलाके में ज्वेलरी की दुकान पर चोरी करने पहुंचे। दुकान का शटर काट रहे थे, तभी आवाज सुनकर आसपास के लोग जाग गए। लोगों ने शोर मचाया तो तीनों भागने लगे। भीड़ ने एक चोर चंद्रभान पटेल को दौड़ाकर पकड़ लिया। जबकि चंद्रभान के दो साथी मुरलीधर शर्मा और उदयराज सिंह मौके से भाग गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की।

शिवपाल यादव बोले- भाजपा के लोग कहीं मेरा नाम न बदल दें, सदन में 'चच्चू-चच्चू' कहते हैं

लखनऊ, 5 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव ने आज कहा कि भाजपा सरकार कहीं उनका नाम न बदल दे। रोज सदन में हमारा नाम 'चच्चू चच्चू' कहते हैं। दरअसल यूपी विधानसभा में आज भाजपा के एमएलसी मोहित बेनीवाल ने मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर लक्ष्मी नगर किए जाने की मांग की है। मोहित बेनीवाल ने कहा कि हमारी परंपराओं के प्रति सम्मान के लिए जरूरी है कि हमारी भूमि व नगरों का नाम भी उसी के अनुरूप हो। ऐसे में महाभारत काल से जुड़े इस जिले का नाम बदला जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह केवल नाम बदलने का प्रश्न नहीं है, बल्कि हमारे सांस्कृतिक गौरव, सभ्यता के पुनर्जागरण व ऐतिहासिक सत्य की पुनर्स्थापना का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर कोई साधारण भूमि नहीं है, महाभारत काल से जुड़े हुए इसी जनपद के शुक्रताल में राजा परीक्षित ने ऋषि शुकदेव से भागवत पुराण का ज्ञान प्राप्त किया था। नाम बदलने के नाम पर समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव ने कहा, भाजपा सिर्फ नाम बदलने का काम करती है। देखना कहीं हमारा तुम्हारा नाम न बदल दें। वहीं मुजफ्फरनगर का नाम बदलने की मांग पर कांग्रेस विधानसभा दल की नेता अराधना मिश्रा मोना ने कहा कि भाजपा के नाम बदलने से प्रदेश का मुकद्दर नहीं बदलेगा। इसी मामले पर चुटकी लेते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि कहीं ये हमारा नाम न बदल दें।

समस्तीपुर जंक्शन पर पिता से बिछड़ी बच्ची

आरपीएफ ने हाजीपुर से किया रेस्क्यू

समस्तीपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। दरभंगा से अयोध्या जा रही 4 साल की बच्ची कामिनी कुमारी मंगलवार को ट्रेन में ही छूट गई। हालांकि बच्ची को रेल पुलिस की टीम में हाजीपुर से रेस्क्यू कर लिया। बताया कि बच्ची कामिनी कुमारी अपने पिता राम मिलन के साथ सरयू यमुना एक्सप्रेस से यात्रा कर रही थी। समस्तीपुर जंक्शन पर उसके पिता सामान लेने के लिए ट्रेन से उतरे, इसी बीच ट्रेन खुल गई और बच्ची ट्रेन में ही रह गई। इस दौरान बच्चों के पिता ने दौड़कर ट्रेन पकड़ना चाहा, लेकिन वह ट्रेन पर चढ़ नहीं पाए। घबराए पिता ने तुरंत रेलवे सुरक्षा बल समस्तीपुर से संपर्क किया। आरपीएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हाजीपुर कंट्रोल को सूचना दी। हाजीपुर कंट्रोल के निर्देश पर ट्रेन में सघन तलाशी अभियान चलाया गया और बच्ची को सुरक्षित खोज लिया गया। आरपीएफ समस्तीपुर के उपनिरीक्षक पी.के. चौधरी ने बताया कि बच्ची को उचित प्रक्रिया के तहत उसके स्वजनों को सौंप दिया गया। आरपीएफ की इस तत्परता और संवेदनशीलता की यात्रियों ने भी सराहना की। बताया गया है कि दरभंगा जिले की रहने वाली बच्ची अपने पिता के साथ अकेले ही अयोध्या जा रही थी। पिता-बेटी अयोध्या में रामलला का दर्शन करने वाली थी।

अखिलेश यादव के करीबी रहे हैं वासुदेव यादव

सरकार बनते ही माध्यमिक शिक्षा के बन गए थे निदेशक; अब होगी कार्रवाई !

प्रयागराज, 5 मार्च (एजेंसियां)। आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तार पूर्व एमएलसी वासुदेव यादव समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के करीबी रहे हैं। पार्टी में उनकी अच्छी पैठ भी है। यही वजह रही कि वर्ष 2012 में जब सपा की सरकार बनी तो कुछ ही दिन बाद उन्हें माध्यमिक शिक्षा निदेशक बना दिया गया था। यही नहीं 2014 में सेवानिवृत्त के बाद सपा ने उन्हें एमएलसी का टिकट दिया और वह विजयी होकर विधान परिषद में पहुंच गए। वासुदेव यादव सिर्फ सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के ही करीबी नहीं रहे, बल्कि पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव के भी बेहद नजदीकी हैं। पार्टी में वासुदेव यादव की अपनी अलग पहचान है। यही वजह है कि उनकी बात को कभी अनसुना नहीं किया जाता।

बेटी ने 2017 में लड़ा था विधानसभा चुनाव

वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने अपनी पुत्री निधि यादव के लिए टिकट मांगा। निधि लंबे समय से पार्टी से जुड़ी भी थीं और उनकी मेहनत को देखते हुए पार्टी ने उन पर विश्वास जताते हुए हंडिया विधानसभा सीट से मैदान में उतारा था। हालांकि, वह चुनाव हार गईं थीं, लेकिन सपा के वोट प्रतिशत को बढ़ा दिया था। इसके बाद निधि के साथ ही वासुदेव यादव का पार्टी में कद और बढ़ गया था। उनकी पुत्री को पार्टी ने कई पदों पर नियुक्त किया और वर्तमान में वह राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं।

सपा ने एमएलसी चुनाव में मैदान में उतारा था

वहीं, वासुदेव यादव को वर्ष 2022 में सपा ने एक बार फिर एमएलसी चुनाव में मैदान में उतारा, लेकिन इस बार भाजपा उम्मीदवार डॉ। केपी श्रीवास्तव से वह पराजित हो गए। जबकि इसके पहले उन्होंने भाजपा प्रत्याशी रईश चंद्र शुक्ला को हराकर एमएलसी का चुनाव जीता था। आय से अधिक संपत्ति के दर्ज मामले को लेकर वह हमेशा यही कहते हैं कि उनके ऊपर गलत आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को नहीं लगी भनक

वासुदेव यादव की गिरफ्तारी की जानकारी पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को करीब एक घंटे बाद मिली। किसी की समझ में नहीं आया कि आखिर अचानक उनकी गिरफ्तारी कैसे हो गई, लेकिन कुछ ही देर बाद पूरा मामला सामने आ गया। बता दें, आय से अधिक संपत्ति मामले में यूपी बोर्ड के पूर्व निदेशक और पूर्व एमएलसी वासुदेव यादव को पुलिस ने प्रयागराज से गिरफ्तार कर वाराणसी में एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश किया था। मुकदमे की तय तिथि पर उपस्थित होने के लिए अदालत ने वासुदेव यादव को कई बार समन जारी किया था।

चुनाव लड़ेंगे भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह, क्या बीजेपी से मिलेगा टिकट ?

भोजपुरी, 5 मार्च (एजेंसियां)। भोजपुरी के पावरस्टार कहे जाने वाले पवन सिंह एक बार फिर चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। 2024 में हुए लोकसभा के चुनाव में वो काराकाट सीट से निर्दलीय लड़े थे लेकिन हार गए थे। अब वे विधानसभा चुनाव में नजर आ सकते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने यह ऐलान किया था कि वे बिहार विधानसभा का चुनाव जरूर लड़ेंगे। उनसे पूछा गया था कि बीजेपी के टिकट से चुनाव लड़ेंगे? इस पर पवन सिंह ने मुस्कुराते हुए कहा था कि समय नजदीक आने दीजिए, सब कुछ पता चल जाएगा। अब इस पर बीजेपी की ओर से बयान आया है। बुधवार (05 मार्च, 2025) को विधानसभा परिसर में बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचोल से सवाल किया गया कि पवन सिंह ने कहा है कि वो विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इस पर बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि भारत में किसी को कहीं से भी चुनाव लड़ने का पूरा अधिकार है। पार्टी टिकट देगी कि नहीं देगी यह भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व तय करता है। पवन सिंह पर उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से वह गायक हैं तो पार्टी में आते हैं और पहले से भी थे तो उन्हें जरूर प्राथमिकता मिलेगी। पवन सिंह ने कई बार आरोप लगाया है कि बीजेपी के लोगों ने ही उन्हें हराया था। इस पर हरिभूषण ठाकुर बचौल ने सवालिया लहजे में कहा कि यह तो कहने की बात है। इतने लोग खड़े थे तो क्या बीजेपी के लोगों ने ही सबको हराया हैं? लोकतंत्र में सबको चुनाव लड़ने का अधिकार है अगर वह दिवालिया या मानसिक विक्षिप्त नहीं है।

लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सीएम नीतीश कुमार पर किया बड़ा हमला; आरोपों की झड़ी लगाई

पटना, 5 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार दोपहर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को 'बच्चा 'कह दिया था। सीएम के इस बयान के बाद अब अब बिहार में सियासत गरमा गई है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोल रहे हैं। आज राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर सीएम नीतीश कुमार की तीखी आलोचना की। राजद नेत्री ने लिखा कि चाचा जी (सीएम नीतीश कुमार) सच में आपकी उम्र के मुकाबले तेजस्वी बच्चा है। लेकिन, तेजस्वी की जानकारी की फेरहिस्त बहुत लम्बी है। अपनी तमाम जानकारियों की चर्चा अगर उसने कर दी तो आप (सीएम नीतीश कुमार) बगले झांकने लगेंगे।

डीएनए में खोट बताने वालों से समझौता कर लिया

रोहिणी ने आगे लिखा कि चाचा जी, निःसंदेह तेजस्वी आपके सामने बच्चा है, पर बहुत कुछ जानता है। यह भी भली-भांति जानता है कि हत्या के मामले में अभियुक्त कौन था व थीसिस चोरी के मामले में न्यायालय द्वारा किसे दोषी ठहराया गया था। तेजस्वी यहभी जानता है कि किसने अपने डीएनए में खोट बताने वालों के साथ कुर्सी लोभ में समझौता कर लिया? किसने न्योता दे कर किसकी थाली खींच ली थी? किसने मर जाऊंगा मगर उनके (एनडीए) साथ नहीं जाऊंगा कह कर भी कई दफा उनके (पीएम नरेंद्र मोदी) ही पैर छूए, जिनके साथ नहीं जाने की बात कही थी।

किसके शासनकाल में सृजन घोटाला हुआ

राजद नेत्री ने आगे लिखा कि चाचा जी, तेजस्वी आपके बच्चे के समान ही है। लेकिन, यह भी जानता है कि किसके शासनकाल में, किसके संरक्षण में देश का सबसे बड़ा ट्रेजरी घोटाला 'सृजन घोटाला' हुआ। कौन 'मुज़फ्फरपुर महापाप' के मुख्य-आरोपी के यहां दावत पर गया। रोहिणी के इस बयान से पहले तेजस्वी यादव ने भी कहा था कि 2005 के बाद वाली सरकार में एक बरसात में कई पुल गिर गए। बालिका गृह और सृजन घोटला को 2005 के बाद ही हुआ। इतना ही नहीं 1400 लीटर शराब चूहा पी जाता है। तेजस्वी ने और भी कई आरोप लगाए थे। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार ने उनकी बातों का जवाब दिया।

चाचा जी का ब्लड प्रेशर हाई हो जाता है

रोहिणी आचार्या ने सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि तेजस्वी जब भी चाचा जी को उनके शासनकाल के वीभत्स चेहरे को देखने-दिखाने के लिए आईना दिखाता है, तो तिलमिलाहट में चाचा जी चीखने-चिल्लाने लगते हैं, उसे (तेजस्वी को) बच्चा बताने लगते हैं, चाचा जी का ब्लड प्रेशर हाई हो जाता है, चाचा जी के पास तर्कों-तथ्यों का टोंटा पड़ जाता है। चाचा जी को चीखते-चिल्लाते देख बड़ी चिंता होती है, उम्र के इस पड़ाव पर आंखें तरेर चीखना-चिल्लाना सेहत के लिए नुकसानदेह होता है। मगर यह समझने को खुद को समझदार कहने - बताने वाले चाचा जी तैयार ही नहीं हैं।

राहुल गांधी के मामले में लखनऊ से बरेली पहुंचे वकील, कोर्ट में दाखिल किया वकालतनामा

बरेली, 5 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर वाद के मामले में उनके वकील प्रियांशु अग्रवाल और यासीर अब्बासी बुधवार को बरेली पहुंचे। लखनऊ से आए वकीलों ने कोर्ट में वकालतनामा दाखिल किया। राहुल गांधी का आधार कार्ड भी जमा किया गया है। स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए के विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वकीलों ने जवाब देने के लिए पांच सप्ताह का समय मांगा था। इस पर कोर्ट ने दो अप्रैल की तारीख दी है। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर बयान दिया गया था। हिंदूवादी संगठनों की ओर से इसका तीखा विरोध हुआ था। इसी मामले में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक की ओर से जून 2024 में निजी कोर्ट में अर्जी दी गई थी, जिसमें राहुल गांधी के बयान से भावनाएं आहत होने का आरोप लगाकर मुकदमा कायम करने की अपील की गई थी। उस वक्त अर्जी को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के संबंध में पंकज पाठक ने रिवीजन याचिका दाखिल की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इसकी निगरानी स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए में चल रही है। मामले में राहुल गांधी के खिलाफ कई समन जारी हो चुके हैं। विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि समन पर राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए। पिछली तारीख पर उनके वकील द्वारा यह दलील दी गई कि राहुल गांधी के खिलाफ जो समन भेजे गए हैं, वो तामील हो गए हैं। डाक से स्पीड पोस्ट की ट्रैकिंग रिपोर्ट दाखिल की गई थी। बुधवार को राहुल गांधी के वकीलों ने वकालतनामा दाखिल किया है।

जिसका किया दुष्कर्म अब उसी युवती से शादी

तीन महीने में मैरिज करने के अल्टीमेटम पर कोर्ट ने दी जमानत

आगरा, 5 मार्च (एजेंसियां)। कोचिंग में साथ पढ़ने वाली युवती को पुलिस में भर्ती करवाने का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपित को छह माह बाद हाईकोर्ट ने सशर्त जमानत दे दी। आरोपित ने अपने वकील के माध्यम से कहा था कि दोनों सहमति से शादी करने के लिए तैयार हैं। कोर्ट ने कहा है कि रिहाई के तीन महीने के अंदर शादी करनी होगी। राजस्थान के सीकर के नरेश मीणा के खिलाफ युवती ने 21 सितंबर 2024 को खंदौली थाने में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। युवती का आरोप था कि नरेश ने यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा में पास कराने का झांसा दिया। नौ लाख रुपये में बात तय कर 17 फरवरी, 2024 को परीक्षा दिलाने के लिए आगरा लाया था। मेडिकल पास कराने की बोलकर होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया। वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। विरोध करने पर वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित कर दिया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जिला जज विवेक संगल ने तीन अक्टूबर, 2024 को आरोपित का कृत्य गंभीर और घृणित मानते हुए जमानत का प्रार्थना पत्र अस्वीकृत कर दिया था। इसके बाद आरोपित ने अधिवक्ता नीरज पाठक के माध्यम से इलाहाबाद हाईकोर्ट में जमानत की अपील की थी। इसमें दोनों पक्ष की ओर से शादी करने पर सहमति दी थी। हाईकोर्ट ने जेल से रिहाई के तीन माह के अंदर पीड़िता से विवाह करने की शर्त पर जमानत याचिका स्वीकृत की है। सैंया में सात वर्षीय बालक का अपहरण कर हत्या के मुकदमा में न्यायालय ने इरादतनगर के अनिल सिंह को दोषी माना है। जिला जज विवेक संगल ने आजीवन कारावास और 30 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। वादी गांव रजपुरा के लोकेंद्र सिंह ने सैंया थाना में एक सितंबर, 2019 को अपने पुत्र धनराज की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने अनिल सिंह को हिरासत में लिया था।

बीपीएससी शिक्षिका ने स्कूल से भागकर प्रेमी संग रचाई शादी, अब सुरक्षा की लगा रही गुहार

सुपौल, 5 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के सुपौल जिले के एक सरकारी स्कूल में कार्यरत शिक्षिका खुशी कुमारी ने प्रेमी गौतम सिंह के साथ भागकर शादी कर ली। शादी के बाद परिजनों के दबाव और धमकियों के बीच शिक्षिका ने एक वीडियो जारी कर अपनी और पति की सुरक्षा की अपील की है। इस वीडियो के वायरल होते ही मामला चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो में खुशी कुमारी ने बताया कि वह दरभंगा जिले की रहने वाली हैं और सुपौल के छातापुर प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय कामत किसनगंज में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने 28 फरवरी को अपनी मर्जी से प्रेमी गौतम सिंह से शादी कर ली। लेकिन अब कुछ लोग उनके माता-पिता को भड़का रहे हैं और उनके पति व ससुरालवालों पर अपहरण का झूठा आरोप लगाने की साजिश कर रहे हैं। खुशी कुमारी ने प्रशासन से अपील की है कि उनके और उनके पति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

यूपी में विधायक निधि में दो करोड़ रुपये बढ़ाने की मांग

आराधना मिश्रा बोलीं- 'महंगाई बढ़ रही है'

लखनऊ, 5 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने सरकार से विधायकों के वेतन को महंगाई सूचकांक से जोड़ने और उनकी निधि में दो करोड़ रुपये का इजाफा करने की मांग की। बजट पर चर्चा के दौरान यह मांग रखते हुए उन्होंने कहा, "सदन में 80 फीसदी विधायक ऐसे हैं, जो अपनी जिम्मेदारियां पूरी करने में सक्षम नहीं हैं। उन्हें अपने क्षेत्र के लोगों का काम करने के लिए 40-50 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय जाकर पैरवी करनी होती है।" आराधना मिश्रा ने कहा, "विधायकों को जो वेतन मिलता है, उसे या तो पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए या फिर उसे कम से कम महंगाई सूचकांक से जोड़ दिया जाए, ताकि उन्हें बार-बार वित्तीय परेशानियों का सामना न करना पड़े।" उन्होंने कहा, "महंगाई बढ़ रही है। विधायक निधि से जो एक किलोमीटर लंबी सड़क 20 या 30 लाख रुपये में बनती थी, अब वह 40 या 50 लाख रुपये में बन रही है। तो विधायक निधि कम से कम दो करोड़ रुपये बढ़ाकर सात करोड़ कर दी जाए। साथ ही प्रत्येक विधायक को 200 हैंडपंप आवंटित किए जाएं।"

बजट में कुछ भी नया और तर्कपूर्ण नहीं- विधायक

मिश्रा ने बजट को लेकर सरकार पर तंज कसते हुए कहा, "वर्तमान बजट हाथी के दांत की तरह है। यह मात्र दिखाने के लिए है, बाकी इस बजट में कुछ भी नया और तर्कपूर्ण नहीं है। वित्तीय वर्ष 2024-25 का यह आखिरी महीना चल रहा है, लेकिन अभी तक पिछले बजट का मात्र 55 प्रतिशत ही खर्च हुआ है। चिकित्सा विभाग में 54 प्रतिशत, ऊर्जा विभाग में 60 प्रतिशत, लोक निर्माण विभाग में 50 प्रतिशत, कृषि विभाग में 50 प्रतिशत और शिक्षा विभाग में मात्र 60 प्रतिशत बजट ही खर्च हुआ है।"

कांग्रेस नेता ने कहा, "राजस्व अधिशेष की बात हमारे वित्त मंत्री जी हमेशा कहते हैं, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जो आंकड़े हैं, उनके अनुसार वह यह बताना भूल जाते हैं कि देश का दूसरे नंबर का सबसे ज्यादा कर्जदार प्रदेश अगर कोई है, तो वह उत्तर प्रदेश है। इस राज्य पर 7.7 लाख करोड़ की देनदारी है और इस बजट में भी 51 हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेने की बात है। यानी प्रदेश में प्रति व्यक्ति 34,000 रुपये से अधिक का कर्ज है।

डिवाइडर पर सो रहे 4 लोगों को कार ने रौंदा: 2 की मौत

लखनऊ, 5 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ में टाटा सूमो ने डिवाइडर पर सो रहे 4 लोगों को कुचल दिया। 2 लोगों की मौत हो गई। 2 गंभीर हैं। टायर फटने पर एसयूवी टाटा सूमो बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे के वक्त स्पीड 100 से अधिक थी। आखिरी में लोहे के पोल से टकराने पर रुकी। हादसा देर रात 1 बजे हसनगंज इलाके के नदवा रोड पर हुआ। हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। गाड़ी के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया था। घटना के बाद सबसे पहले रिक्शा चलाने वाले आशीष टंडन पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायलों को अस्पताल भेजने में मदद की। घटना देखने वाले दूसरे व्यक्ति राजू का कहना है कि गाड़ी में चार युवक थे। एक्सीडेंट के बाद गाड़ी रुकी तो चारों उतर कर भाग गए। गाड़ी सवार एक युवक को रात में क्रिकेट खेल रहे लड़कों ने पकड़ा, लेकिन भीड़ का फायदा उठाकर वह भी भाग गया। मारने वालों में दो नेपाली हैं।

सुहागरात पर दूल्हे को पिला दी नशीली चाय फिर दुल्हन ने दोस्तों को बुला लिया अंदर

अलीगढ़, 5 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक दुल्हन ऐसा कारनामा कर गई, जिसके बाद दूल्हे ने थाने में उसके खिलाफ तहरीर दी। सुहागरात पर उसने दूल्हे को चाय पीने को दी। साथ ही दूल्हे के परिवार को भी यही चाय दी। लेकिन कोई नहीं जानता था कि चाय में क्या मिला हुआ है। दरअसल, इसमें नशीला पदार्थ मिलाया गया था। दूल्हे ने जैसे ही चाय पी वो बेहोश हो गया। दुल्हन ने फिर अपने साथियों के कमरे में बुलाया। कमरे से वो सारे गहने और 25 हजार रुपये कैश लेकर वहां से फरार हो गई। इस बात का खुलासा तब हुआ जब अगले दिन दूल्हा और उसके घरवालों को होश आया। मामला गौंडा थाना क्षेत्र के गांव बासौली का है। पुलिस ने तहरीर लेकर छानबीन शुरू कर दी है।

महाराष्ट्र के एकमात्र मुस्लिम मंत्री हसन मुश्रीफ ने छोड़ा पालकमंत्री का पद, यात्रा संबंधी कठिनाइयों का दिया हवाला

मुंबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों काफी उथल-पुथल देखने को मिल रहा है। धनंजय मुंडे के इस्तीफे का शोर अभी खत्म भी नहीं हुआ था कि एक और मंत्री ने पालकमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। महाराष्ट्र के मंत्री हसन मुश्रीफ ने कोल्हापुर, मुंबई और वाशिम के बीच यात्रा संबंधी कठिनाइयों का हवाला देते हुए वाशिम के संरक्षक मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पहले छोटे जिले की जिम्मेदारी को लेकर नाराजगी जताई थी। मुश्रीफ अजित गुट से आते हैं। महाराष्ट्र के वैद्यकीय शिक्षण मंत्री और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता हसन मुश्रीफ ने वाशिम जिले के पालक मंत्री (संरक्षक मंत्री) पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे का मुख्य कारण कोल्हापुर, मुंबई और वाशिम के बीच लगभग 800 किलोमीटर की निरंतर यात्रा की कठिनाई बताई गई है, लेकिन इससे पहले वाशिम में आए पालकमंत्री मुश्रीफ ने वाशिम को छोटा जिला बताते हुए अपनी नाराजगी भी दिखाई थी। इस फैसले के बाद, राज्य सरकार जल्द ही वाशिम जिले के लिए नए पालकमंत्री की नियुक्ति करेगी। इस बीच, अन्य जिलों में भी पालकमंत्री पदों को लेकर बदलाव की संभावना है। आने वाले दिनों में नासिक और रायगढ़ जिलों में भी बदलाव देखने को मिल सकता है।

मुश्रीफ अकेले मुस्लिम मंत्री

कागल सीट से विधायक हसन मुश्रीफ को महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। वे अकेले मुस्लिम विधायक थे जो फडणीस सरकार में मंत्री बने। देश के जिन 13 राज्यों में बीजेपी के सीएम हैं, उसमें उत्तर प्रदेश में दानिश अंसारी एकमात्र मुस्लिम सदस्य हैं। महाराष्ट्र के एकमात्र मुस्लिम कैबिनेट मंत्री हसन मुश्रीफ के नाम से जाने जाते हैं, लेकिन उनका नाम हसन मिया लाल मुश्रीफ है।

गोविंदघाट में अचानक टूटी पहाड़ी, हेमकुंड साहिब को जोड़ने वाला पुल हुआ क्षतिग्रस्त

ज्योतिर्मठ, 5 मार्च (एजेंसियां)। चमोली जिले में आज बुधवार सुबह गोविंदघाट के पास अचानक पहाड़ी टूट गई, जिससे हेमकुंड साहिब को जोड़ने वाला पुल क्षतिग्रस्त हो गया। चमोली के जिला मजिस्ट्रेट संदीप तिवारी ने बताया कि आज सुबह गोविंदघाट क्षेत्र में भूस्खलन हुआ। इससे पीडब्लूडी का पुल क्षतिग्रस्त हो गया और मार्ग कट गया। यात्रा अभी शुरू नहीं हुई है, यह मई में शुरू होगी। लेकिन वहां पुलना गांव है, जिसकी आबादी 200-250 है। प्रशासन की टीम इंजीनियरों और डॉक्टरों के साथ मौके पर पहुंच गई है। प्राथमिकता यह है कि वहां रहने वालों के लिए पैदल चलने का रास्ता बनाया जाए, ताकि उन्हें भोजन, स्वास्थ्य और सैटेलाइट फोन जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बताया कि यात्रा से पहले एक स्थायी पुल बनाने के लिए संबंधित विभाग मौके पर पहुंच गया है।

ब्रह्मपुरी में मस्जिद विस्तार को लेकर विवाद, कई घरों पर लगा 'यह मकान बिकाऊ है' का पोस्टर

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के ब्रह्मपुरी इलाके में मस्जिद के विस्तार को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। गली नंबर 12 के कई निवासियों ने अपने घरों के बाहर यह मकान बिकाऊ है के पोस्टर लगा दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सांप्रदायिक तनाव की आशंका के कारण वे घर छोड़ने का मन बना चुके हैं। गली नंबर 12 की निवासी नीतू का कहना है कि 2020 में यहां दंगे हुए थे, जिससे इलाके में पहले ही कई परिवार पलायन कर चुके हैं। अब मस्जिद का विस्तार किया जा रहा है, जिससे विवाद और बढ़ सकता है। नीतू के अनुसार,मंदिर के सामने मस्जिद बनाने से विवाद होगा। महिलाओं को मंदिर जाने में असहजता होगी। हमें मस्जिद से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन गेट मंदिर के सामने क्यों खोला जा रहा है? कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते 2 मार्च की रात को उनके घरों पर पथराव किया गया और धमकियां दी गईं। एक निवासी ने कहा, रात में शटर पर लात मारी गई, गालियां दी गईं और माहौल खराब करने की कोशिश की गई। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने इन आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि मस्जिद के विस्तार की योजना का उद्देश्य सिर्फ नमाजियों को बेहतर सुविधाएं देना है। मस्जिद के ट्रस्टियों का कहना है कि नया गेट गली नंबर 12 में नहीं खोला जाएगा और इस संबंध में एक बोर्ड भी लगाया गया है ताकि किसी को गलतफहमी न हो। स्थानीय निवासी उस्मान ने कहा, हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि गेट गली नंबर 12 की ओर नहीं खुलेगा। हमें यहां विवाद नहीं चाहिए। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इस मामले की जांच की गई है, लेकिन अब तक किसी भी आरोप की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, गली नंबर 12 में मस्जिद का कोई नया गेट नहीं खोला जा रहा है। हमने इलाके में शांति बनाए रखने के लिए गश्त बढ़ा दी है। पुलिस ने कहा कि 2-3 मार्च की रात पथराव की शिकायत की जांच की गई, लेकिन कोई सबूत नहीं मिला। सीसीटीवी फुटेज में भी ऐसी कोई घटना दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस संबंध में कोई पीसीआर कॉल भी नहीं आई थी।

क्या होगा आगे?

फिलहाल, मस्जिद का विस्तार कार्य रोक दिया गया है और दिल्ली नगर निगम ने निर्माण कार्य पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्क है और लगातार गश्त कर रही है। ब्रह्मपुरी का यह मामला बेहद संवेदनशील है, ऐसे में प्रशासन को निष्पक्ष रूप से काम करते हुए दोनों पक्षों के बीच विश्वास बनाए रखना होगा ताकि इलाके में शांति बनी रहे।

मणिपुर में भूकंप के दो तेज झटके, एक की तीव्रता 5.7 मापी गई; पूरे पूर्वोत्तर में कांपी धरती

इंफाल, 5 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर में बुधवार को लगातार दो भूकंप आए। इनमें से एक की तीव्रता 5.7 थी। भूकंप के झटके पूरे पूर्वोत्तर में महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक, 5.7 तीव्रता का भूकंप सुबह 11.06 बजे आया। शिलांग में क्षेत्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अधिकारियों के मुताबिक इसका केंद्र इंफाल पूर्वी जिले के याइरीपोक से 44 किलोमीटर पूर्व में और 110 किलोमीटर की गहराई पर था। उन्होंने बताया कि भूकंप के झटके असम, मेघालय और क्षेत्र के अन्य हिस्सों में महसूस किए गए। मणिपुर में दोपहर 12.20 बजे 4.1 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया। भूकंप का केंद्र राज्य के कामजोंग जिले में 66 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद मणिपुर में कई इमारतों में दरारें देखी गईं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में थौबल जिले के वांगजिंग लामडिंग में एक स्कूल की इमारत में दरारें दिखाई

दे रही हैं, जहां जातीय संघर्ष से प्रभावित लोगों के लिए एक राहत शिविर चलाया जा रहा था। इंफाल में एक अधिकारी ने कहा कि हम नुकसान की रिपोर्ट की पुष्टि कर रहे हैं। क्षेत्र के अन्य राज्यों में अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है।

चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी

चीन सीमा के पास बसे गावों तक घूम सकेंगे यात्री

केदारनाथ, 5 मार्च (एजेंसियां)। साल 2025 में चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल उत्तराखंड में इस साल गंगोत्री दर्शन को जाने वाले श्रद्धालु और पर्यटक अब चीन सीमा के पास लगे गांवों तक जा सकेंगे। 6 मार्च को पीएम नरेंद्र मोदी देशभर के लोगों को नए पर्यटन स्थल का तोहफा देने जा रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी नेलांग और जादूंग गावों को पर्यटन के लिए खोलने की घोषणा करेंगे। दरअसल ये गांव उत्तरकाशी जिले में 11 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। यह पूरा इलाका लद्दाख की तरह शीत मरुस्थल है, जो हिमालय के पीछे का इलाका है। बता दें कि नेलांग और जादूंग गांव उत्तरकाशी जिले के प्राचीन गावों में से एक हैं, जहां साल 1962 में भारत चीन के बीच युद्ध भी हुआ था।

चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी

युद्ध के बाद इन दोनों गावों को चीन की सेना ने बमबारी से तबाह कर दिया था। इस कारण दोनों ही गावों के लोगों को हर्षिल घाटी के बगोरी, डुंडा और अन्य गांवों में स्थापित किया गया था। उसके बाद खाली से ही यह पूरा इलाका भारतीय सेना के कंट्रोल में था, जहां भारतीय सेना निगरानी बनाए हुए थी। अगर इन गांवों के ऐतिहासिक महत्व की बात करें तो प्रसिद्ध गतांग गली भी इसी इलाके में है जो तिब्बत जाने का रास्ता है। इसके अलावा यहां स्थित जनकताल भी बेहद प्रसिद्ध है। बता दें कि केंद्र सरकार जादुंग गांव को वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत विकसित कर रही है। ऐसे में यहां पर्यटन की दृष्टि से केंद्र सरकार 3.50 करोड़ रुपये खर्च कर होमस्टे बना रही है।

क्या है इसकी खासियत

इसके अलावा मशहूर लेखक राहुल सांकृत्यायन और बाबा नागार्जुन भी इसी दर्रे से होकर तिब्बत तक पहुंचे थे। बता दें कि उत्तरकांशी जिला पुराने समय से ही तिब्बत का साथ पारंपरिक रूप से व्यापार करने का सबसे बड़ा केंद्र रहा है। साथ ही यह रास्ता कैलाश मानसरोवर का भी पारंपरिक मार्ग है। यह इलाका लिपुलेख दर्रे के मुकाबले अधिक आसान है, इस कारण यहां से यात्रा करना काफी आसान है। बता दें कि तिब्बत जाने के लिए उत्तरकाशी में ऐसे कुल 4 दर्रे हैं।

पिछली सरकार में नहीं हुआ कोई काम यमुना की सफाई पर बोले मंत्री प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को यमुना घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पिछली आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार पर हमला। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने कभी यमुना की सफाई को लेकर चिंता नहीं की। पिछली सरकार में कोई काम नहीं हुआ है। उनकी कभी सोच नहीं कि यमुना जी को साफ करना है। उस सरकार के कागजों में भी काम नहीं दिख रहा था। उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार का यमुना की सफाई को लेकर संकल्प है। यमुना में जो बड़े 18 नाले गिर रहे हैं उन्हें साफ करना है। यमुना में केमिलकल वेस्ट है, उस पर काम करेंगे। यमुना फ्रंट रिवर बने इसके लिए लगातार काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मुहिम है कि उस पर लगातार काम किया जाएगा। सरकार के पास पैसा भी है और हम काम भी कर रहे हैं। जल्दी से आपको रोड माप दिखाई देगा। पिछले दिनों से अभी तक कई टन कूड़ा उठा लिया गया। मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि टूरिज्म के लिए फेरी चलने का काम काम चल रहा है, जिसमें एक ही पिक अप और एक ही जगह ड्रॉप होगा। दिल्ली के लोगों से अपील है कि यमुना को साफ करने के लिए साथ दें। यमुना को साफ करने में कई डिपार्टमेंट का साथ रहा है और आगे भी रहेगा। दिल्ली में इसलिए डबल इंजन की सरकार की जरूरत थी। इस बार छठ पर्व बड़ी शानदार मनाया जाएगा।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने आप विधायक मेहराज मलिक को बताया छोटा भाई

मेरा बस चलता तो अपने पास बिठाता

जम्मू, 5 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर के डोडा से आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक को मुख्यमंत्री अमर अब्दुल्ला अपना छोटा भाई कहा है। महाराज मलिक विधानसभा में अपने बैठने के स्थान को बदलने को लेकर नाराज थे। मेहराज मलिक ने बुधवार (5 मार्च) को विधानसभा में अपने बैठने के स्थान के बदलने को लेकर नाराजगी जताई। दरअसल, विधानसभा सत्र की शुरुआत में मेहराज मलिक को सत्ताधारी नेशनल कांफ्रेंस के विधायकों के साथ सीट दी गई थी, लेकिन कुछ दिनों बाद वह सीट बदलकर अब उन्हें बीजेपी के विधायकों के साथ बैठाया दिया गया। डोडा के विधायक की नाराजगी को देखते हुए उमर अब्दुल्ला ने सदन में कहा कि मेहराज मालिक उनके छोटे भाई हैं और दिल के करीब हैं। उन्होंने कहा कि उनका बस चलता तो वह उन्हें अपने पास बैठाते लेकिन विधानसभा में बैठने की सीट बदलने का अधिकार स्पीकर के पास होता है उनके पास नहीं। बता दें कि जम्मू विधानसभा में बीजेपी के विधायक शक्ति राज परिहार द्वारा बिजली पर उठाए सवाल को लेकर जब उमर अब्दुल्ला जवाब दे रहे थे तो मेहराज मलिक ने अपने इलाके की बिजली की समस्या उठानी शुरू कर दी। मलिक ने कहा उनके इलाके में बिजली तो दूर बिजली के खंभे या तारे तक नहीं बिछी है। उन्होंने कहा कि कटौती का आलम यह है कि रमजान में सेहरी और इफ्तार के समय भी लोगों को बिजली नहीं मिलती। उन्होंने सरकार से अपील की की कम से कम रमजान के महीने में बिजली की कटौती को कम कर दिया जाए। हालांकि यह सवाल बीजेपी के विधायक में उठाया था और बार-बार मेहराज मलिक बीच में बोल रहे थे। इस पर नेशनल कांफ्रेंस के विधायक आक्रामक हुए और उन्हें चुप रहने को कहा। इस पर मेहराज मालिक भी भड़क गए और दोनों तरफ से तीखी बहसबाजी और तीखी नोंकझोंक हुई। यह बहसबाजी इतनी बढ़ी कि स्पीकर को यहां तक बोलना पड़ा की मेहराज मलिक को बाहर निकलना पड़ेगा।

सर्राफा व्यापारी संग गुंडों ने की मारपीट, गला काटने की दी धमकी पुलिस को भी नहीं बख्शा

नागपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में सर्राफा व्यापारी संग मारपीट की खबर सामने आई है। दरअसल सड़क पर आपस में झगड़ रहे और गाली गलौच कर रहे लोगों को समझाने गए सर्राफा व्यापारी को यह महंगा पड़ा है। यहां गाली गलौच और झगड़ा कर रहे लोगों ने सर्राफा व्यापारी पर हमला कर दिया और उसके दुकान में जमकर तोड़फोड़ कर दी। वहीं रास्ते से जा रहे पुलिसकर्मी ने जब उन्हें समझाने का प्रयास किया तो आरोपी भी उनसे भिड़ गए। इस घटना की पूरी रिकॉर्डिंग सीसीटीवी में हो गई है। दरअसल होता ये है कि कुछ लोग सर्राफा व्यापारी के दुकान के बाहर लड़ रहे होते हैं और गाली गलौच कर रहे होते हैं। यह सुनकर सर्राफा व्यापारी बाहर आता है और वह लोगों को गाली गलौच न करने की सलाह देता है।

हे भगवान! प्रदीप और मुझे एक कर दो मंदिर में मिला लड़की का लव लेटर, लगाई अनोखी अर्जी

बेंगलूरू, 5 मार्च (एजेंसियां)। कहा जाता है कि अपने प्यार को पाने के लिए लोग हद से गुजर जाते हैं। वो सारे जतन करते हैं, जिससे उनका प्यार कैसे भी उन्हें मिल जाए। इश्क के रोग में डूबे लोग भगवान पर सबसे ज्यादा ट्रस्ट करते हैं। वह प्रार्थनाओं में उन्हें मांगते हैं। कुछ ऐसा ही एक मामला कर्नाटक के एक बेहद प्रसिद्ध मंदिर में देखने को मिला। कोलार जिले के मालूर तालुक में चिक्कथिरुपति मंदिर के दान पात्र में आए खजाने को जब खोला गया तो उसमें नगदी, ज्वेलरी के अलावा एक लव लेटर भी मिला। दान पात्र से मिले लव लेटर किसी युवती ने लिखा था। उसमें उसने भगवान से अपने बॉयफ्रेंड से मिलाने की गुहार लगाई है। जब दान पेटी को खोलकर उसमें रखी रकम को निकाला गया, तो इस दौरान मंदिर प्रशासन के कर्मचारियों को एक युवती द्वारा लिखा गया यह लव लेटर मिला। मंदिर की दान पेटी में 49,09,660 रुपये नकद, 35 ग्राम सोना, 184 ग्राम चांदी और विदेशी करेंसी भी निकली है।

लेटर में लिखा ये बातें

युवती ने लेटर में लिखा, 'मुझे और मेरे प्रेमी को एक कर दो। सुनिश्चित करो कि वह मुझे कभी न छोड़े। यदि मेरी इच्छा पूरी हो गई तो मैं तुम्हारे सामने स्वयं को अर्पित कर दूंगी।' लेटर में आगे लिखा था, 'वेंकटरमण स्वामी, तिरुपति थिम्मप्पा, मैं आपके समक्ष आऊंगी और प्रार्थना करूंगी। कृपया, प्रदीप और मुझे जल्द ही एक हो जाना चाहिए। वह मुझसे बहुत प्यार करता होगा। सुनिश्चित करें कि वह मुझे छोड़ कर न जा सके। वह मुझे ऑफिस और बाहर किसी और से भी अधिक प्यार करता होगा।'

मिले 49 लाख रुपये, सोना और चांदी

लेटर में युवती ने कहा है कि हम दोनों को जल्द से जल्द एक होना होगा। पूरे ऑफिस को मुझसे इस बारे में बात करनी चाहिए। युवती ने लेटर में लिखा, 'जितनी जल्दी हो सके, चाहे मेरी भावनाएं उसके लिए कुछ भी हों, उसे उससे 7 प्रतिशत अधिक भावनाएं मिलनी चाहिए।' युवती ने लेटर के जरिए भगवान के सामने अपने प्रेम का इजहार किया है। इधर, पिछले तीन महीनों में भक्तों ने चिक्कथिरुपति मंदिर के खजाने में 49 लाख रुपये दान किये हैं। इनमें 49,09,660 रुपये नकद, 35 ग्राम सोना, 184 ग्राम चांदी और विदेशी करेंसी जमा हुई है।

क्लास रूम में खड़ी थीं मैडम, तभी छिपा दिखा तेंदुआ, 7 घंटे बाद हुआ रेस्क्यू

रीवा, 5 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा के एक प्राइवेट स्कूल में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब तेंदुआ स्कूल के क्लासरूम तक घुस गया, जिसे एक टीचर ने देखा तो उनके होश उड़ गए। टीचर पर्दे के पीछे खड़ी थी, तभी तेंदुआ दबे पांव स्कूल के अंदर आ गया। टीचर ने तेंदुए को देखकर शोर मचाने या डरने की बजाय समझदारी से काम लिया। वह तेंदुए का ध्यान भटकने तक खामोश बिना किसी हलचल के वहीं खड़ी रहीं और जैसे ही तेंदुआ दूसरी तरफ मुड़ा। वह वहां से भाग निकलीं। इसके बाद टीचर ने बाकी स्कूल स्टाफ को तेंदुए के होने की जानकारी दी, जिससे पूरे स्कूल में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रबंधन की ओर से तुरंत वन विभाग को सूचना दी गई। इसके साथ ही पुलिस को भी मामले की जानकारी दी गई। पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचीं और तेंदुए का

रेस्क्यू शुरू किया गया। वन विभाग के कर्मचारियों ने तेंदुए को स्कूल की एक क्लास में बंद कर दिया।

तेंदुए ने कर्मचारी पर किया हमला

ये मामला रीवा के समान थाना क्षेत्र के गुलाब नगर के एक प्राइवेट स्कूल से सामने आया है। ये स्कूल भीड़भाड़ वाले इलाके में है, जहां तेंदुआ घुसने से लोगों में दहशत का माहौल है। स्कूल प्रबंधन ने आनन-फानन में वन विभाग को उसकी जानकारी दी थी, जिसके बाद तेंदुए का रेस्क्यू किया गया। इस दौरान वन विभाग के एक कर्मचारी पर तेंदुए ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद मुकुंदपुर से डॉक्टरों को बुलाया गया और तेंदुए को ट्रेंकुलाइज कर बेहोश किया गया।

7 घंटे के बाद किया गया रेस्क्यू

हालांकि आखिर में कड़ी मशक्कत से 7 घंटे के बाद तेंदुए को एक कमरे में बंद कर दिया और सभी ने राहत की सांस ली। तेंदुए का रेस्क्यू करने के बाद वन विभाग की टीम ने गोविंदगढ़ के जंगल में ले जाकर छोड़ दिया। गनीमत ये रही कि जिस समय ये तेंदुआ स्कूल में घुसा। तब स्कूल में कोई भी बच्चा नहीं था। क्योंकि स्कूल में परीक्षाएं चल रही हैं और परीक्षा में गैप होने की वजह से बच्चे स्कूल में नहीं थे। सिर्फ स्कूल स्टाफ ही मौजूद था। बच्चे स्कूल में होते तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था।

सरकारी टीचर ने किया 'मौत' का एक्सपेरिमेंट, करना था खुद सुसाइड, चली गई तीन बेगुनाहों की जान

खेड़ा, 5 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के खेड़ा में 9 फरवरी के दिन तीन लोगों की मौत रहस्यमयी तरीके से हो गई थी। पुलिस ने अब इस केस को सुलझा लिया है। यह सारी प्लानिंग एक सरकारी टीचर ने की थी। वो मौत का एक्सपेरिमेंट करना चाहता था। लेकिन उसके इस एक्सपेरिमेंट का शिकार वो तीन लोग हो गए, जो उस टीचर के दोस्त थे। मामला नडियाद इलाके का है। पुलिस ने जब आरोपी टीचर हरिकिशन मकवाना को गिरफ्तार किया तो सारे राज से पर्दा उठ गया। हरिकिशन ने बताया- आत्महत्या के प्रयोग के लिए उसने अपने मूक-बधिर पड़ोसी कनुभाई चौहान को जहर दिया। लेकिन इसकी वजह से दो अन्य निर्दोषों की भी जान चली गई। दरअसल, 9 फरवरी की शाम नडियाद के जवाहरनगर इलाके में कनुभाई धनाभाई चौहान (54), योगेश गंगाराम कुशवाह (40) और रविंद्रभाई जीनाभाई राठौड़ (49) की एक साथ मौत से हड़कंप मच गया था। प्रारंभिक जांच में पुलिस को संदेह हुआ कि जीरा सोडा में नशीला पदार्थ मिलाया गया था। शुरुआत में इसे लठ्ठाकांड माना गया, लेकिन एफएसएल रिपोर्ट में मिथाइल अल्कोहल की गैर मौजूदगी से यह थ्योरी खारिज हो गई। 27 फरवरी को हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच तेज की। इसी बीच, कुछ चश्मदीदों से बातचीत के आधार पर पुलिस ने मृतक कनुभाई के पड़ोसी हरिकिशन मकवाना (44) से पूछताछ की। मकवाना ने कबूल किया कि वह तनाव और अदालती मामलों से परेशान था। वह आत्महत्या करना चाहता था, लेकिन 'कॉज ऑफ डेथ' यानी मृत्यु का कारण सुसाइड न आए, और उसके बीमा की राशि परिवार को मिल जाए, इसलिए उसने एक्सपेरिमेंट की प्लानिंग बनाई। इसके लिए उसने अमेजन ऐप से 'सोडियम नाइट्राइट' मंगवाया, लेकिन पत्नी को पता चलने पर उसने ज्यादातर पाउडर नष्ट कर दिया। फिर भी कुछ पाउडर छिपाकर रख लिया और इसका प्रयोग अपने मूक-बधिर पड़ोसी कनुभाई पर किया,

12.56 करोड़ मूल्य के बिस्किट्स के साथ अभिनेत्री रान्या गिरफ्तार, बंगलूरु हवाई अड्डे पर डीआरआई की कार्रवाई

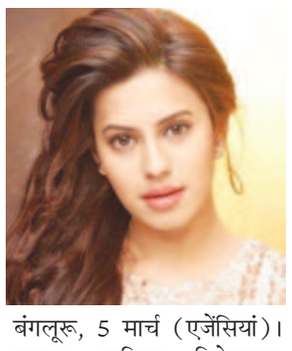

बंगलूरू, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बंगलूरू में बड़ी कार्रवाई की है। डीआरआई ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 12.56 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मूल की सोने की छड़ें ले जा रही एक यात्री को रोका। वह 3 मार्च 2025 को अमीरात की उड़ान से दुबई से बंगलूरू पहुंची थी। जानकारी के मुताबिक, रोकने के बाद डीआरआई अधिकारियों ने लावेल रोड स्थित उसके आवासीय परिसर की तलाशी ली, जहां वह अपने पति के साथ रहती है। बताया गया कि तलाशी के दौरान 2.06 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये की भारतीय मुद्रा जब्त की गई। यात्री को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में कुल जब्ती 17.29 करोड़ रुपये हुई है। 14.2 किलोग्राम की यह खेप हाल के दिनों में बंगलूरू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोने की सबसे बड़ी जब्तियों में से एक है।

वित्त मंत्रालय ने क्या कहा?

वित्त मंत्रालय के मुताबिक, डीआरआई ने सोने की तस्करी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस रैकेट से 12 करोड़ रुपये से अधिक कीमत का 14.2 किलोग्राम सोना जब्त किया गया है। डीआरआई अधिकारियों ने एक महिला यात्री को रोका और उसके पास 12.56 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी सोना जब्त किया। सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत सोना जब्त किया गया। इसके बाद डीआरआई अधिकारियों ने यात्री के आवास की तलाशी ली। यहां वह अपने पति के साथ रहती है। तलाशी के दौरान सोने के आभूषण और नकदी जब्त की गई। महिला यात्री को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार महिला फिल्म अभिनेत्री और पुलिस महानिदेशक की पत्नी

सोने की तस्करी के मामले में जिस महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, वह दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री रान्या राव बताई जा रही हैं। अभिनेत्री पुलिस महानिदेशक (पुलिस आवास निगम) रामचंद्र राव की बेटी भी हैं। हालांकि, रामचंद्र राव की ओर से कहा गया है कि उनका रान्या से अब कोई संबंध नहीं है। शादी के बाद से ही दोनों के बीच कोई रिश्ता नहीं रह गया है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 6 मार्च – 2025

मुंडे के इस्तीफे से महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे का इस्तीफा राजनेताओं और अपराधियों की मिलीभगत का जीवंत व ताजा उदाहरण है। यह सांठगांठ इस हद तक है कि धोखाधड़ी, कमिशनखोरी, रंगदारी वसूली, मारपीट और हत्याओं तक बात पहुंच जाती है। आरोपों से लगता है कि धनंजय शायद इसी जाल में फंसे हैं। बीड़ जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या इसी कड़ी का हिस्सा है। इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड और उनके गिरोह के साथियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। उनसे अपनी करीबी कबूल कर धनंजय भी गिरफ्त में आ गए।धनंजय मुंडे महाराष्ट्र सरकार में खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग संभाल रहे थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्री पद से इस्तीफा देने को कहा था। इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए फडणवीस ने कहा, 'महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने आज अपना इस्तीफा दे दिया है। मैंने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और आगे की कार्रवाई के लिए इसे राज्यपाल के पास भेज दिया है।'

यहां बीड़ जिले में स्थित मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की पिछले साल दिसबंर में बड़ी निर्ममता से हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मुंडे के करीबी वाल्मिक कराड को को गिरफ्तार किया गया है। इस हत्याकांड की कुछ चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें साफ दिखायी दे रहा है कि सरपंच को कैसे पहले निर्वस्त्र किया गया। फिर उन्हें बेरहमी से पाइप और दूसरे हथियारों से पीटा गया।एक तस्वीर में दिख रहा है कि सरपंच देशमुख अधमरी हालत में पड़े हुए, तब उन पर आरोपी सुदर्शन घुले ने पेशाब भी किया गया। इस मामले में मुख्य आरोपी वाल्मीकी कराड एनसीपी नेता और मंत्री धनंजय मुंडे का खास आदमी बोला जाता है।

इस मामले में कांग्रेस विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने हत्याकांड से जुड़ी तस्वीरें शेयर करते हुए महायुति सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि 'बीड कांड में हैवानों की ये तस्वीरें और वीडियो पिछले 2 महीने से राज्य के गृह मंत्री, उपमुख्यमंत्री के पास थीं। और फिर भी आपने धनंजय मुंडे का इस्तीफा न लेकर नैतिकता की हत्या कर दी!'उन्होंने आरोप लगाया कि 'पुलिस स्टेशन में सीसीटीवी बंद करने के बाद वाल्मिक कराड को पुलिस हिरासत में सभी पांच सितारा सुविधाएं दी गईं। ये सब क्यों? जहां महागठबंधन के मंत्री धनंजय मुंडे के खासमखास और उनके बिना इस मंत्री का पन्ना नहीं हिलता, वहीं हैवान वाल्मीक कराड और उनके साथियों पर गृह मंत्री, उपमुख्यमंत्री और पुलिस का लाड़-प्यार था।पूरे महाराष्ट्र को गुस्सा दिलाने वाली संतोष देशमुख की हत्या की तस्वीर अब महाराष्ट्र के सामने आ गई है। लेकिन इस सरकार ने धनंजय मुंडे का इस्तीफा स्वीकार करने की हिम्मत नहीं दिखाई। इस्तीफा देने में बहुत देर हो चुकी है, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को अब इस्तीफा दे देना चाहिए!'

गौरतलब है कि इतने लंबे समय तक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अजीतदादा पवार के वाहन के साथ एकजुट एनसीपी की राजनीतिक चुनौती को कुचलने की कोशिश की। एनसीपी विभाजित थी। भाजपा की रणनीति सफल रही। अब भाजपा अजितदादा और उनकी एनसीपी के अस्तित्व को कुचलने के लिए उसी बर्तन का इस्तेमाल करेगी, जिनके पैर वहां थे। मीडिया ने पहले ही संकेत दिए थे कि धनंजय मुंडे का इस्तीफा ले लिया गया था।पहला संकेत यह है कि मीडिया ने जो भविष्यवाणी की थी वह सच होने लगी है। यह अंतिम नहीं है, बिल्कुल। अब इस सरकार के माणिकराव कोकाटे इसका शिकार होंगे। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के मंत्रियों के कुछ मामले सामने आएं तो चौंकिएगा मत।

यह एक काले पत्थर पर एक रेखा थी जिसे उन्हें उन्हें देना था। मीडिया ने कुछ समय से मुंडे को मंत्रिमंडल से हटाने की आवश्यकता व्यक्त की थी और कहा था कि यदि वह या उनके नेता अजितदादा अपने आप इस्तीफा देने के लिए तैयार नहीं हैं, तो मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा था कि मुंडे को उनका हाथ पकड़कर निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। मुंडे ने स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं दिया है। इसमें महीनों नहीं लगे होंगे। धनंजय मुंडे का इस्तीफा तब लिया गया जब यह महसूस किया गया कि उनका मामला बहुत गंभीर होगा। मुख्यमंत्री फडणवीस मुंडे और अजीतदादा के लिए ऐसा समय लेकर आए। यह मुंडे महाभारत पिछले तीन महीने से चल रही है।

मुख्यमंत्री ने आधिकारिक तौर पर इसे 'अजीतदादा का फैसला' बताया। यानी अजीतदादा को यह तय करना चाहिए कि मुंडे को मंत्रिमंडल में रखना है या नहीं क्योंकि वह अजितदादा की पार्टी के हैं । सिद्धांत रूप में या कागज पर, यह उचित है, लेकिन केवल कागज पर। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्यमंत्री ने 'आप इस्तीफे के बारे में देखते हैं' का रुख अपनाया है, लेकिन साथ ही, उन्होंने भाजपा विधायक सुरेश दास या कथित सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया को चुप करा दिया, जो मुंडे के पीछे हाथ धो रही थीं। नहीं। दमानिया की बात को कुछ समय के लिए छोड़ा जा सकता है। क्योंकि वह भाजपा की आधिकारिक सदस्य नहीं हैं। लेकिन दास के बारे में क्या? मुख्यमंत्री का प्रत्यक्ष हित हो भी सकता है और नहीं भी; लेकिन फडणवीस का आशीर्वाद दास के लिए निश्चित था।

फडणवीस ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में उपस्थिति दर्ज कराई और एक सार्वजनिक बयान दिया और दास को अवाक रखा। यही बात दमानिया के साथ भी है। भले ही वह आधिकारिक तौर पर भाजपा से नहीं हैं, लेकिन उन्हें मुंडे के खिलाफ इतने दस्तावेज और 'अंदरूनी जानकारी' कैसे मिली।दूसरी तरफ पार्टी के बाहर से दमानिया और तीसरी तरफ मीडिया मुंडे के खिलाफ रैली करती रही और यह केवल तभी हुआ जब यह सुनिश्चित हो गया कि यह जारी रहा कि मुंडे को पद छोड़ना पड़ा। यह पढ़कर कोई भी हैरान रह जाएगा कि सीएम फडणवीस ने मुंडे को पहले ही नारियल क्यों नहीं दिया?

इसका सीधा सा जवाब है: मुंडे जितने लंबे समय तक कैबिनेट में रहेंगे, भाजपा के लिए यह उतना ही सुविधाजनक होगा कि वह उन पर और उनके संरक्षक अजितदादा के सफेद कुड़ा पर अधिक से अधिक सींग फेंकते रहें। अगर अजितदादा और उनके सहयोगी खुद कीचड़ उछाल रहे हैं, तो भाजपा उन्हें क्यों रोके? वास्तव में, अगर फडणवीस ने इसे अपने दिमाग में लाया होता, तो मुंडे को घर भेजा जा सकता था और मामला कभी शांत नहीं हो सकता था। लेकिन फिर वह राजनीति क्या है? यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष व्यवस्था करके कि सत्तारूढ़ गठबंधन के महत्वपूर्ण नेता के खिलाफ आग सत्तारूढ़ गठबंधन के महत्वपूर्ण नेता के खिलाफ आग को हवा देना जारी रखेगा, फडणवीस ने एक पार्टी को एक पत्थर में और दूसरे को उड़ाने के लिए अधिक शक्ति दी। जिस पार्टी को चोट लगी थी, वह निश्चित रूप से अजितदादा की राष्ट्रवादी है। और जिस पार्टी में उड़ान भरने की अधिक ताकत है वह विपक्ष है। यह मामला अब मुंडे तक सीमित नहीं रहेगा। धनंजय मुंडे अजीतदादा की ढाल थे। अब जब इसे हटा दिया गया है, तो अजीतदादा विपक्ष के चरण में होंगे। उनका इस्तीफा टालकर उन्होंने एक तरह से उन्हें बचाने की कोशिश की, जिससे विपक्ष के हमले और तेज हो गए। यह एक बाघ की तरह है। एक बार जब यह मानव रक्त का स्वाद लेता है, तो इसे नरभक्षी बनने से रोकना मुश्किल होता है। राजनीति में एक बार सत्ताधारी दल का कोई मोहरा मारा जा सकता है तो नए शिकारी की तलाश में विपक्ष को रोकना मुश्किल होता है।

और यहां, अजितदादा की एनसीपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना संभावित शिकारियों की सेना से लैस हैं। मुंडे के बाद अब नंबर कोकाटे होगा। अदालत ने निस्संदेह उन्हें भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराया है और अगर उनकी सजा पर रोक लगा दी जाती है, तो भी यह उनके खिलाफ दोष नहीं मिटाता है।

इससे पहले जब सुनील केदार व अन्य के लिए समय आया तो सत्ता पक्ष ने उन्हें तत्काल नारियल देने की तत्परता दिखाई थी। इसलिए अब कोकाटे को बचाना मुश्किल है। इसका मतलब है कि पहले छह महीनों के भीतर अपराध और भ्रष्टाचार के कारणों से फडणवीस कैबिनेट के दो सदस्यों को घर भेजने का समय होगा।

मायावती का राजनीतिक भविष्य?

मायावती ने जिस तरह से अपनी ही पार्टी में निर्णय ले रही हैं उसे लेकर उनके राजनीतिक भविष्य ही सवाल उठने लगा है। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या वे अपनी पार्टी को फिर से मजबूत कर पाएंगी? क्या वे पहले की तरह समर्थकों का विश्वास फिर से जीत पाएंगी, या फिर कोई नया दलित नेता उभरकर सामने आएगा। ऐसे अनेक सवाल खडे हो गए हैं जो अब अनुत्तरित हैं। भविष्य ही बताएगा कि दलित राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा। बीते काफी सालों से देखने में आ रहा है कि मायावती अपने राजनीतिक सफर के ढलान पर तेजी से बढ़ रही हैं। एक उनका औरा ऐसा भी देखा गया कि लोग कहने लगे थे कि मायावती देश की पहली दलित प्रधानमंत्री बन सकती हैं। अब लोगों को याद दिलाना पड़ता है कि वे यूपी की पहली ऐसी मुख्यमंत्री थीं जिन्होंने पूरे 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा किया। उस समय यदि उनके बड़े सपने थे, तो उसके पीछे ठोस कारण भी थे। 2014 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने दिखा दिया कि राजनीति की नई लहरें उन्हें दूसरी दिशा में ले जाएंगी। यूपी में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) को 20फीसद वोट तो मिले, लेकिन 80 में से एक भी सीट नहीं मिली। 2024 में तो वोट शेयर भी गिरकर 10फीसद ही रह गया। वही मायावती अब अपने घर की सफाई को लेकर चर्चा में हैं। लेकिन बीएसपी के शुभचिंतकों को उनका कडा कदम रास नहीं आ रहा है। उन्होंने एक झटके में अपने सगे भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर कर दिया, जिसे उनका उत्तराधिकारी माना जाता था। इस बात पर जितने मुंह उतनी बातें हो रही है। कुछ लोगों की राय है कि वो अपनी हैसियत से ज्यादा बड़ा बन रहे थे तो कुछ का कहना है कि उनकी काबिलियत में काफी कमी थी। दूसरी ओर पार्टी के ही लोगों का कहना है कि बीएसपी के कई नेता मायावती की छाया से बाहर निकलने के लिए पार्टी को अलविता कह चुके हैं। बार-बार हार मिलने पर उन्होंने सिर्फ अपने राजनीतिक विरोधियों को ही नहीं, बल्कि जाटों, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और मुसलमानों को भी इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दुखी मन से कहा था कि अपने लोग दूर हो रहे हैं। उनसे छूट कर ज्यादातर लोग भारतीय जनता पार्टी में चले गए हैं। वहीं एक ऐसी सोशल इंजीनियरिंग शुरू हुई जिसकी शुरुआत 1989 में राम मंदिर की नींव रखने वाले एक दलित ने की थी। देखा जाए तो आज कोई भी दलित नेता उस तरह से राजनीतिक पटल पर नहीं है जैसे कभी मायावती या कांशीराम हुआ करते थे। दूसरी पार्टियों में, चाहे वो कितने भी महत्वपूर्ण क्यों न हों, वो सिर्फ एक छोटे से पुर्जे की तरह हैं। कुछ जानकारों के मुताबिक, अलग-अलग पार्टियों और नेताओं के साथ प्रयोग करना भी दलितों के बढ़ते आत्मविश्वास को झकझोर कर रख दिया है। अब उन्हें सिर्फ लोकतंत्र की दुहाई देकर पार्टी के साथ जोडना मुश्किल हो गया है। जबकि तेजी से बढ़ रही दूसरी पार्टियां दलित प्रतिनिधित्व और उनके वोट को लेकर काफी सकारात्मक हैं। ऐसे लोगों को उम्मीद है कि एक न एक दिन दलित-बहुजन राजनेताओं की नई पीढ़ी से एक नई मायावती का उदय होगा, जो दलित राजनीति को आगे ले जाने में सक्षम होगी।

कभी दहशत का दूसरा नाम थी दस्यु सुंदरी कुसुमा नाइन

मनोज कुमार अग्रवाल

चार दशक पहले चंबल के बीहड़ों में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में दहशत का पर्याय बनी डकैत कुसुमा नाइन इलाज के दौरान दम तोड़ गई। वह इटावा जेल में हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रही थी। 70 के दशक में कुसुमा का यूपी से लेकर एमपी तक के बीहड़ों में आतंक था। उस पर हत्या समेत दर्जनों केस दर्ज थे। 61 वर्षीय कुसुमा को कभी सबसे खूंखार 'दस्यु सुंदरी' माना जाता था।कभी जातीय उन्माद के चलते निर्दोषों का खून बहाकर बदला लेने वाली जर्जर शरीर के साथ चिर निद्रा में सदा के लिए सो गयी।

दरअसल, बहमई कांड में डाकू फूलन देवी ने 22 राजपूतों की सामूहिक हत्या की थी। जिसके चलते 1984 में कुसुमा ने बाद में 14 मल्लाहों को मौत नींद की सुला दिया था। उनके घरों को भी आग के हवाले कर दिया था। कुसुमा के निधन के बाद नरसंहार वाले औरैया के गांव अस्ता में जश्न का माहौल है।

जिस पति केदार नाई का साथ छोड़ कर डकैत माधव मल्लाह के साथ कुसुमा भाग कर बीहड़ में कूदी थी आखिर अंतिम समय में उसी पति केदार नाई ने उसे मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार कर संसार से विदा किया। मूल रूप से जनपद के महेवा ब्लाक के टिकरी मुस्तकिल की रहने वाली कुसम का शव उसकी ससुराल कुठौंद ब्लाक के कुरौली में रविवार 2 मार्च की शाम को लाया गया था। रात अधिक होने से सोमवार सुबह शव यात्रा निकली और गांव के बाहर उसका अंतिम संस्कार किया गया।

बता दें कि कुसुमा नाइन पर दो दर्जन से अधिक मुकदमा दर्ज थे। इसमें कई मुकदमों में गवाहों और साक्ष्य न मिलने से वह उनमें बरी हो गई। बाद में कानपुर के सेवानिवृत्त एडीजी की अपहरण कर हत्या के मामले में वह ऐसा फंसी की उसे आजीवन कारावास की सजा हुई, इसी सजा के चलते इटावा जेल में कैद थी।

पचनद के जंगलों की कुख्यात डकैत कुसुमा नाइन पर हत्या समेत 24 से अधिक मामले दर्ज थे। देश में जितनी महिला डकैत थीं, उनमें कुसमा सबसे खूंखार मानी जाती थी। सिरसाकलार थाना क्षेत्र के टिकरी गांव निवासी डरू नाई की पुत्री कुसुमा नाइन का जन्म 1964 में हुआ था।

पिता गांव के प्रधान थे। चाचा गांव में सरकारी राशन के कोटे की दुकान चलाते थे। इकलौती संतान होने के चलते लाड़ प्यार से पल रही थी। 13 साल की उम्र में उसे पड़ोसी माधव मल्लाह से प्रेम हो गया। वह उसके साथ चली गई। करीब दो साल तक उसका कोई पता नहीं चला।इसके बाद उसने पिता को चिट्ठी लिखी कि वह दिल्ली के मंगोलपुरी में माधव के साथ है। तब पिता दिल्ली पुलिस के साथ पहुंचे और उसे घर ले आए। पिता ने उसकी शादी कुरौली गांव निवासी केदार नाई के साथ कर दी। माधव कुसुमा से प्रेम करता था।

इस के बाद माधव मल्लाह पर डकैती का केस लगा और कुसुमा के पिता ने उसकी शादी केदार नाई से कर दी। बता दें कि माधव मल्लाह चंबल के कुख्यात डकैत का साथी था। शादी की खबर पाने के कुछ माह बाद माधव गैंग के साथ कुसुमा के ससुराल पहुंचा और उसे अगवा कर लिया। माधव, उसी विक्रम मल्लाह का साथी था; जिसके साथ फूलन देवी का नाम जुड़ता था, विक्रम मल्लाह की गैंग में रहने के दौरान ही उसे फूलन के जानी दुश्मन लालाराम को मारने का काम दिया गया। लेकिन फूलन से अनबन के कारण बाद में कुसुमा नाइन, लालाराम के साथ ही जुड़ जाती है। फिर विक्रम मल्लाह को ही मरवा देती है। इसी कुसुमा नाइन और लालाराम ने बाद में सीमा परिहार का अपहरण किया था, जो कि कुख्यात डकैत के रूप में उभरकर सामने आई थी। साल 1981 में फूलन देवी बेहमई कांड को अंजाम दिया था।

चुर्खी थाना क्षेत्र के एक गांव में 1982 में लालाराम और कुसुमा का गैंग रुका था। पिथऊपुर के पीछे इस गांव में डकैत अक्सर रहा करते थे। इसकी जानकारी तत्कालीन चुर्खी थानाध्यक्ष केलीराम को हुई, तो वह दबिश देने गांव पहुंच गए। उस समय कुसुमा शीशा लेकर मांग में सिंदूर भर रहीं थी। जैसे ही उसे शीशे में पुलिस दिखी तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी थी। इस घटना में थानाध्यक्ष केलीराम और सिपाही भूरेलाल की मौत हो गई थी। विभिन्न थानों की फोर्स के साथ एसपी जब तक पहुंचे लालाराम, कुसुमा बीहड़ों की ओर भाग गए थे। कुसुमा पुलिस की दो थ्री नाट थ्री राइफल लूट ले गई थी।

अपनी जातीय प्रतिशोध की आग में जलने के कारण ही उसने संतोष और राजबहादुर नामक दो मल्लाहों की आंखें निकाल कर बेरहमी की नई इबारत लिख दी थी। पिछले 20 साल से इटावा जेल में उम्रकैद की सजा काट रही कुसमा टीबी रोग से ग्रसित थी। उसके क्रूरता के किस्से आज भी लोगों के जेहन में हैं।

कुसुमा नाइन ने 2004 में मध्य प्रदेश के भिंड में आत्मसमर्पण किया था। तभी से वह जेल में बंद थी। इस बीच उसे कई बीमारियों ने जकड़ लिया। उम्र का भी असर रहने लगा। इन सबके बीच बीते दिनों लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज के दौरान कुसुमा का निधन हो गया।

बेहमई कांड के बाद फूलन ने सरेंडर कर दिया था। इसके बाद बीहड़ में कुसुमा नाइन का दबदबा तो बढ़ा ही बल्कि लूट, डकैती और हत्या की दर्जनों घटनाओं को अंजाम भी दिया। वह अपनी क्रूरता के लिए भी कुख्यात थी। जिसमें वह किसी को जिंदा जला देती थी तो किसी की आंखें निकाल लेती थी। साल 1984 में कुसुमा का नाम सुर्खियों में तब आया, जब उसने बेहमई कांड की तर्ज पर 15 मल्लाहों को एक साथ गोली मार दी थी।इसी घटना के बाद उसकी लालाराम से भी अनबन हो गई और वह रामाश्रय तिवारी उर्फ फक्कड़ बाबा से जुड़ गई। उस पर एक रिटायर्ड एडीजी समेत कई पुलिसवालों की हत्या का भी आरोप था। कई सालों बाद उसका बीहड़ों से मन उचट गया। साल 2004 में कुसुमा और फक्कड़ ने अपनी पूरी गैंग के साथ पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। तब से कुसुमा जेल में थी और उम्रकैद की सजा काट रही थी ।

कुसुमा की कहानी आधी सदी पहले के उस भारत की सामाजिक व्यवस्था डकैतों के समानांतर प्रभुत्व और उसमे अवयस्क लडकियों के योन शोषण और गिरोह के सरगनाओं की रखैल बना कर गिरोह की कमान संभालने जातीय उन्माद के चलते सामूहिक नरसंहार करने के दौर का हवाला देती है। जिस कालखंड में शोले रील नही रीयल स्टोरी हुआ करती थी।

बेरोजगारों को छलनी करती 'रीट' की अपमानजनक रीत

हरीश शिवनानी

बीते फरवरी का अंतिम सप्ताह देश के सबसे बड़े प्रदेश के लाखों युवा बेरोजगारों के लिए एक बार फिर मानसिक रूप से छलनी करने वाला साबित हुआ। उनके साथ यह पहली बार नहीं हुआ, लेकिन यह पहली बार हुआ है कि अब इस बारे में न सिर्फ़ आपत्ति जताई जा रही है बल्कि विरोध के स्वर भी मुखर हो उठे हैं। संदर्भ है राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी 'रीट' का। राजस्थान के स्कूलों में शिक्षक भर्ती की पात्रता के लिए आयोजित होने वाली इस परीक्षा में हर वर्ष लाखों युवा बैठते हैं। इस वर्ष यह परीक्षा 27-28 फरवरी को 41 जिलों के 1731 केंद्रों पर हुई। जिसमें 24,29,882 परीक्षार्थी शामिल हुए। वैसे तो 'रीट' पिछले कई वर्षों से विभिन वज़हों से चर्चा या विवाद का विषय रही है। इनमें 'पेपर लीक' प्रकरण की चर्चा तो देश भर में रही थी। फरवरी 2017 में 'रीट' का पेपर लीक होने के कारण परीक्ष रद्द करनी पड़ी थी। बाद में जून में पुनः परीक्षा हुई। पेपर लीक मामले में कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। इस घटना के बाद परीक्षा के दिन राज्य में नेटबंदी की जाने लगी, इसके बावजूद 2021 में गंगापुर सिटी से परीक्षा के पेपर फिर लीक हो गए। उस कांड के तार राजधानी के शिक्षा संकुल से भी जुड़े थे और इसमें सरकारी कर्मचारी,अधिकारी तक शामिल थे, जिससे स्कूल-लेक्चरर से लेकर हैड कॉन्स्टेबल भी जुड़े पाए गए। वर्ष 2022 में भी एक बड़े नेता ने स्क्रीन शॉट्स के ज़रिए इस परीक्षा के पेपर लीक होने के आरोप लगाए तो 2023 में जोधपुर से 37 ऐसे लोगों को गिरफ़्तार किया गया जो 'रीट' के पेपर लीक करने की कोशिश में थे।

जहाँ पेपर लीक जैसी घटनाएं महीनों से परीक्षा की तैयारी करने वाले लाखों निर्दोष युवाओं को निराश, हताश करने के साथ ही उन्हें असहनीय पीड़ा पहुंचाने वाली थीं, वहीं इन घटनाओं के बाद परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के साथ व्यवस्था और नियम-कायदों के नाम पर जो व्यवहार किया जाने लगा, वो कोढ़ में खाज या जले पर नमक छिड़कने से कम नहीं है। कुछ आपराधिक मानसिकता वाले तत्वों के कारण परीक्षा केंद्रों पर नियम-कायदों और व्यवस्था-अनुशासन के नाम पर पहले से मानसिक तनाव से गुज़र रहे युवको-युवतियों को असहज करने वाला व्यवहार अपमानजनक और शर्मनाक है। हालांकि बोर्ड पहले ही परीक्षार्थियों को ड्रेस कोड आदि के बारे में सूचित कर देता है। नकल रोकने और पारदर्शिता के नाम पर लागू किए गए कड़े-नियम-कायदों का पालन करके आने के बावजूद परीक्षार्थी युवक-युवतियों के साथ के इस बार जो व्यवहार किया, वो उनकी गरिमा,आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाला ही नहीं, बल्कि उनकी धार्मिक-सांस्कृतिक भावनाओं को भी ठेस पहुंचाने वाला भी था। मसलन, 28 फरवरी को डूंगरपुर में दो युवक परीक्षार्थियों के जनेऊ उतरवा दिए गए, कइयों की कलाई से कलावे उतरवा लिये तो अलवर में एक युवती परीक्षार्थी के कुर्ते के बटनों पर कैंची चला दी गई। कई विवाहित युवतियों के मंगलसूत्र पर भी आपत्ति की गई तो अनेक युवतियों के बालों में लगी 'हेयर क्लिप' भी उतरवा दे गई। हैरान करने वाली बात यह है कि उदयपुर के एक केंद्र में जब दो युवतियों की 'नोज़-पिन' (लौंग,कील) नहीं उतरी तो उनके नाक पर पारदर्शी टेप चिपका दी गई और उसके बाद ही उन्हें परीक्षा देने के लिए अंदर जाने दिया गया।

ऐसे में उन युवक-युवतियों के मानसिक संताप का अनुमान लगाना कठिन नहीं है। अंदाज़ा लगाइए कि पहले ही परीक्षा के तनाव से गुज़र रहे इन युवाओं ने कितनी शर्मिंदगी महसूस की होगी। महत्वपूर्ण यह है कि ये सारे प्रतीक चिन्ह सनातन धर्म-संस्कृति के अटूट हिस्से मने जाते हैं।

स्वाभाविक रूप से परीक्षा केंद्रों पर युवाओं से हुए इस व्यवहार के बाद आपत्तियां दर्ज करवाने और विरोध के स्वर मुखर होने के बाद एक महिला शिक्षक को निलंबित करने और एक हैड कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर करने जैसी कार्रवाई भले ही की गई लेकिन अनेक सवाल अब भी मौजूं हैं कि अदद एक नौकरी का सपना लेकर आने वाले युवाओं के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जाता है ?

नकल रोकने के तमाम आधुनिक साधन-उपाय होने के बावजूद के साथ ये रवैय्या व्यवस्था की कई खामियों को उजागर करता है। परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थी के चेहरे की पहचान तकनीक का इस्तेमाल करने, प्रवेश-पत्र पर लगी फोटो का बारकोड के जरिए अभ्यर्थी से मिलान करने, फिंगर प्रिंट लेने के अलावा परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी से निगरानी के बावजूद युवाओं के साथ ऐसे व्यवहार का कोई तार्किक आधार नहीं है।

यह मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि परीक्षा देने आए विद्यार्थी-अभ्यर्थी स्वाभाविक रूप से पहले से ही मानसिक तनाव में होते ही हैं, उस पर अगर परीक्षा नौकरी के लिए हो तो इस तनाव का बोझ बढ़ ही जाता है, ऐसे में जब उनके साथ कड़ी पाबंदियों के साथ कड़ा व्यवहार होता हो तो इसका नकारात्मक असर सीधा उसकी परीक्षा पर पड़ता है।

सार्थक भागीदारी के बिना कैसे हल होंगे आधी दुनिया के मसले

प्रियंका सौरभ

हमारे देश में महिलाएँ जनसंख्या का लगभग 48% हिस्सा हैं, फिर भी वे लोकसभा सीटों के 15% से भी कम पर कब्जा करती हैं। इस महत्त्वपूर्ण अल्प प्रतिनिधित्व के परिणामस्वरूप कार्यस्थल सुरक्षा, अवैतनिक देखभाल ज़िम्मेदारियाँ और आर्थिक अधिकार जैसे महिला मुद्दों की अनदेखी होती है। इस तरह का बहिष्कार पितृसत्तात्मक मानदंडों को बनाए रखता है। फिर भी, ऐसे भेदभाव को दूर करने, कानूनी सुरक्षा बढ़ाने और संवैधानिक अधिकारों की पुष्टि करने में न्यायिक कार्यवाही महत्त्वपूर्ण रही है, हालाँकि गहरी जड़ें जमाए हुए पूर्वाग्रहों को मिटाने में उनकी सफलता अभी भी चर्चा का विषय है। महिला प्रतिनिधित्व की कमी से मातृ अधिकारों का हनन होता है, जिसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल पर भेदभाव होता है और पर्याप्त सहायता की कमी होती है। मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम 2017 सवेतन अवकाश प्रदान करता है, लेकिन निजी क्षेत्र में इसका कार्यान्वयन कम है, जो महिलाओं को कार्यबल में शामिल होने से हतोत्साहित करता है। निर्णय लेने की प्रक्रिया से महिलाओं को बाहर रखने से महिला सशक्तिकरण की कड़ी कमजोर होती है।

इसके पीछे की वजहें हैं लैंगिक पूर्वाग्रह और भेदभाव, कार्यस्थल संस्कृति, सामाजिक और पारिवारिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी न होने से महिलाओं को दरकिनार किया जाता है। इससे दायरा सीमित हो जाता है और इस सीमित दायरे में आने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय के मुताबिक, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी ना केवल उनका अधिकार है, बल्कि यह सार्वजनिक निर्णयों में उनके हितों का सम्मान करने की अनिवार्य शर्त भी है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा था कि लोकतंत्र का स्तर मूल रूप से महिलाओं के सशक्तीकरण पर निर्भर करता है। इस असमानता को कम करने के लिए शिक्षा के ज़रिए महिलाओं को सशक्त बनाना, उत्पीड़न से मुक्त और सुरक्षित वातावरण बनाना, लड़कियों को जीवन कौशल सिखाना, हिंसा को ख़त्म करना पहली आवश्यकता है।

वर्तमान नीतियाँ लचीली कार्य व्यवस्था प्रदान नहीं करती हैं, परिणामस्वरूप महिलाओं के लिए अपने पेशेवर और घरेलू जीवन को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कई कार्यस्थल पॉश अधिनियम 2013 का अनुपालन नहीं करते हैं, क्योंकि पुरुष-प्रधान नेतृत्व अक्सर महिलाओं की सुरक्षा की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता को अनदेखा करता है। इसके अतिरिक्त, नीतियाँ महिला उद्यमियों को समान ऋण और व्यावसायिक प्रोत्साहन प्राप्त करने में पर्याप्त रूप से सहायता नहीं करती हैं, जो उनके आर्थिक सशक्तीकरण को सीमित करती हैं। हालांकि न्यायालयों ने मातृ सुरक्षा को मज़बूत करके लिंग-संवेदनशील कार्यस्थलों को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई है। 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने दो महिला न्यायाधीशों को बहाल किया, इस बात पर ज़ोर देते हुए कि गर्भावस्था से सम्बंधित बर्खास्तगी दंडनीय और अवैध दोनों है, जिससे कार्यस्थल समानता को बढ़ावा मिलता है। न्यायिक निर्णयों ने महिलाओं के लिए कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए भेदभावपूर्ण धार्मिक प्रथाओं को भी उलट दिया है। उदाहरण के लिए, 2017 में शायरा बानो मामले ने ट्रिपल तलाक को अपराध घोषित कर दिया, जिससे मुस्लिम महिलाओं के वैवाहिक अधिकार सुरक्षित हो गए।

संचारतंत्र और विश्वबंधुत्व

डॉ. नीरज भारद्वाज

हम पिछले कुछ वर्षों के इतिहास का अवलोकन करें तो पायेगें कि दुनिया की प्रगति आपसी समझौतों अर्थात बंधुत्व की कार्यक्षमता तथा प्रभाव पर निर्भर रही है। लगभग सौ साल पहले तो एक देश दूसरे देश को गुलाम बनाने में लगा हुआ था। अपनी बातें दूसरे देशों पर थोपी जा रही थी। संधि और समझौते शर्तों पर हो रहे थे। इतिहास के पन्नों से हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि वर्साय की संधि ने तो दूसरे विश्व युद्ध की नींव रखी। समय की गति के साथ देश स्वतंत्र होते रहे और दुरियाँ सिमटती चली गई। सूचना व संचार तंत्र के विस्तार से एक दूसरे पर निर्भरता बढ़ती चली गई। आज राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर सभी देश समझौतों के रूप में विश्वबंधुत्व का सन्देश दे रहे हैं। विश्वबंधुत्व के चलते विचारों की दुरियाँ मिटने की संभावना बढ़ी है। साथ ही शिक्षा, व्यापार, उत्पादन, रोजगार और कार्यक्षमताओं को भी बढ़ावा मिला है।

मनुष्य का बृहत्तम पुंज समाज की विशिष्ट भौगोलिक सीमा, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक विरासत के घेरे में रहने वाला है या ये कहें कि इसके दायरे में रहता है। हर एक काल खंड में यह देखा भी गया है। व्यक्ति परिवार, समूह, वर्ग, समुदाय, राज्य, देश आदि अनेक छोटी-बड़ी इकाइयों से जुड़ा होता है, जिसके तहत वह संस्कृति और सभ्यता के एकसूत्र में बंधा होता है। कोई भी समाज जटिल संबधों से पूर्ण होता है, उसकी अपनी मान-मर्यादा, रीति-रिवाज आदि बहुत कुछ होता है। इन्हीं गुणों और विशेषताओं के चलते एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति का, एक समुदाय से दूसरे समुदाय का सम्बन्ध और आपसी बंधुत्व होता है। यही नहीं, समाज को अतीत की एक समृद्ध विरासत भी वहन करनी पड़ती है। इसलिए उसे प्रायः नए-पुराने संघर्ष से भी गुजरना पड़ता है। पीढ़ियों में परिवर्तन आता है, उनकी सोच, मानसिकता, कार्यशैली में भी अंतर होता है। इस प्रकार वही समाज सुखी है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति परस्पर सम्मान, समाजवाद, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भावना रखता है। सही मायनों में सामाजिक एकीकरण ही बंधुत्व है। भारतवर्ष की आत्मा गांवों हैं और गांव बंधुत्व के सबसे बड़ें उदाहरण है। हालांकि तथाकथित बुद्धिजीवियों ने गांवों में जाति-पाति, ऊंच-नीच आदि को लेकर उल्टा-सीधा लिखा है लेकिन उसका ज्यादा प्रभाव नहीं है। वर्ष 2025 के महाकुंभ ने हमारे बंधुत्व को विश्व के सामने रखा है और हमने विश्ववंधुत्व का संदेश दिया है। संगम के तट पर वैश्विक संगम हो गया। शांति और बंधुत्व का इससे बड़ा उदाहरण कोई हो नहीं सकता। संचार विश्वबंधुत्व का महत्वूपर्ण माध्यम है और विश्व में सभी प्रकार की आवश्यकताओं व स्थितियों में संचार की अपनी भूमिका होती है। मानव का सामाजिक विकास तभी संभव है जब वह मौखिक, परम्परागत, मुद्रित और विद्युतीय संचार माध्यमों द्वारा सांस्कृतिक मूल्यों और व्यवहारों को देखता एवं सीखता है और उसे अपना लेता है। मौखिक एवं लिखित संचार से बालक परिवार, पड़ोस, विद्यालय तथा अन्य संस्थाओं से जुड़ता है। समाचारपत्र-पत्रिकाओं, रेडियो, टी. वी. और इंटरनेट के सहारे मानव का समाज विस्तृत होता है, वह पूरे विश्व की क्रियाओं और बंधुत्व की बातों में सहभागी होता है। वास्तव में विश्वबंधुत्व और सहमति का वातावरण उपस्थित कर संचार माध्यमों ने देश-विदेश के सामाजिक परिदृश्य को बदला है।

भारत में नहीं दिखेगा 14 मार्च का चंद्र ग्रहण

नहीं रहेगा ग्रहण का सूतक, पूरे दिन कर सकेंगे धर्म-कर्म और पूजा-पाठ

2025 का पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च को हो रहा है। ये ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। इस कारण देश में ग्रहण का सूतक भी नहीं रहेगा। जिन जगहों पर ग्रहण दिखाई देता है, वहां-वहां चंद्र ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले सूतक शुरू हो जाता है।

चंद्र ग्रहण के सूतक के समय में पूजा-पाठ नहीं किए जाते हैं, मंदिर बंद रहते हैं। ग्रहण खत्म होने के बाद सूतक खत्म होता है। मंदिरों का शुद्धिकरण होता है और फिर पूजा-पाठ आदि धर्म-कर्म किए जाते हैं, लेकिन 14 मार्च का ग्रहण भारत में नहीं दिखने से यहां सूतक भी नहीं रहेगा, इस वजह से पूरे दिन धर्म-कर्म और पूजा-पाठ आदि शुभ काम किए जा सकेंगे।

चंद्र ग्रहण से जुड़ी मान्यताएं

धर्म और विज्ञान के नजरिए से चंद्र ग्रहण से जुड़ी मान्यताएं अलग-अलग हैं। धर्म की मान्यता राहु से जुड़ी है और विज्ञान के मुताबिक पृथ्वी, सूर्य और चंद्र की एक विशेष स्थिति के कारण ग्रहण होता है। जानिए ये दोनों मान्यताएं...

वैज्ञानिक फैक्ट - पृथ्वी अपने उपग्रह चंद्र के साथ सूर्य का चक्कर लगाती है। चंद्र पृथ्वी का चक्कर लगाते हुए पृथ्वी के साथ चलता है। जब ये तीनों ग्रह एक सीधी लाइन में आ जाते हैं, पृथ्वी चंद्र और सूर्य के बीच में आ जाती है, तब चंद्र ग्रहण होता है। चंद्र ग्रहण पूर्णिमा पर ही होता है।

धार्मिक मान्यता - चंद्र ग्रहण से जुड़ी मान्यता राहु से जुड़ी है। जब राहु सूर्य या चंद्र को ग्रसता है यानी निगलता है, तब ग्रहण होता है। इस संबंध में प्रचलित कथा के मुताबिक पुराने समय में देवताओं और दानवों ने एक साथ मिलकर समुद्र मंथन किया था। मंथन के अंत में अमृत निकला। देवता और दानव दोनों ही अमृत पीकर अमर होना चाहते थे। उस समय भगवान विष्णु ने देवताओं को अमृत पान कराने के लिए मोहिनी अवतार लिया था।

मोहिनी देवताओं को अमृत पिला रही थी। उसी समय राहु देवताओं के बीच भेष बदलकर बैठ गया और उसने भी अमृत पी लिया। सूर्य-चंद्र ने राहु को पहचान लिया था और विष्णु जी को राहु की सच्चाई बता दी। भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से राहु का सिर धड़ से अलग कर दिया।

राहु अमृत पी चुका था, इस वजह से वह मरा नहीं। राहु के दो हिस्से हो गए। एक हिस्सा राहु और दूसरा हिस्सा केतु के नाम से जाना जाता है।

राहु की शिकायत सूर्य-चंद्र ने की थी, इस वजह से राहु इन दोनों को दुश्मन मानता है और समय-समय पर इन दोनों ग्रहों को ग्रसता है, जिसे ग्रहण कहते हैं।

फाल्गुन पूर्णिमा पर कौन-कौन से शुभ काम करें

फाल्गुन पूर्णिमा 13 और 14 मार्च को दो दिन रहेगी। 14 की सुबह करीब 10.30 बजे पूर्णिमा तिथि शुरू होगी और 14 मार्च की सुबह करीब 11.35 बजे तक रहेगी। इस वजह से 14 मार्च की सुबह फाल्गुन पूर्णिमा से जुड़े शुभ काम किए जा सकेंगे। इस दिन नदी स्नान कर सकते हैं। जरूरतमंद लोगों को दान-पुण्य करें। अपने इष्टदेव की पूजा करें।

युधिष्ठिर राजा बनने के बाद भी क्यों दुखी थे?

श्रीकृष्ण की युधिष्ठिर को सीख- पुराने दुख भूलकर असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए

महाभारत का युद्ध खत्म हो गया था। पांडवों ने कौरवों का पराजित कर दिया था, दुर्योधन की मृत्यु हो चुकी थी। सब कुछ ठीक होने के बाद युधिष्ठिर राजा बनने वाले थे। पांडवों के जीवन में जब सारी बातें व्यवस्थित हो गईं, तब एक दिन श्रीकृष्ण ने सोचा कि अब यहां मेरी जरूरत नहीं है, यहां सब ठीक हो गया है, इसलिए मुझे द्वारका लौट जाना चाहिए।

श्रीकृष्ण ने ये बात पांडवों से कही तो सभी दुखी हो गए। पांडवों की माता कुंती ने श्रीकृष्ण को रोकने की बहुत कोशिशें कीं, लेकिन श्रीकृष्ण ने कुंती को समझा दिया कि उनका जाना जरूरी है। इसके बाद जब वे आगे बढ़े तो युधिष्ठिर ने श्रीकृष्ण को रोका और कहा कि हमारी माता तो आपसे रुकने के लिए कह ही रही है और मैं भी आपसे प्रार्थना कर रहा हूं कि आप न जाएं। मैं अभी भी बहुत परेशान हूं। श्रीकृष्ण ने कहा कि राजन अब क्या परेशानी है। तुम अभी इतना बड़ा युद्ध जीते हो, राजा बन गए हो, अब तो सब ठीक हो गया है।युधिष्ठिर ने कहा कि मुझे ये सब कुछ अच्छा नहीं लग रहा है। अपने कुटुम्ब के लोगों को मारपर ये राजपाठ मिला है। मैंने कभी सोचा नहीं था कि ये सफलता इतना दुख देगी।

श्रीकृष्ण ने मुस्कान के साथ कहा कि राजा बनना तो हमेशा से ही मुश्किल होता है। इस युद्ध में आपको धर्म बचाना था और इसके बाद आपको ही ये राजगादी मिलना थी। हमें एक बात ध्यान रखनी चाहिए कि हर सफलता के पीछे एक असफलता छिपी होती है। उस असफलता और दुख के बारे में सोच-विचार करके उससे सीख लो और अपने अच्छे भविष्य के लिए वर्तमान में अच्छे काम करो।

तुम्हें ऐसा लग रहा है कि युद्ध में तुम्हारे परिवार के मारे गए तो युद्ध में तो ऐसा ही होता है। समझदार व्यक्ति वही है जो सफलता के पीछे छिपे दुख को समझता है और उससे सीख लेकर आगे बढ़ता है।

श्रीकृष्ण युधिष्ठिर को ये बातें और अच्छे से समझाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने कहा कि हमें भीष्म पितामह के पास चलना चाहिए, वे तुम्हें राज धर्म के बारे में और अच्छी तरह समझा सकते हैं। इसके बाद श्रीकृष्ण और सभी पांडव भीष्म के पास पहुंचे और भीष्म ने पांडवों को राजधर्म की शिक्षा दी।

प्रसंग की सीख

हमें जब भी सफलता मिलती है तो उसका उत्सव मनाना चाहिए, लेकिन सफलता के साथ आने वाली नई बाधाओं के लिए तैयार हो जाना चाहिए। पुरानी समस्याओं से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

होलाष्टक में इन मंत्रों के जप से मिलती है सिद्धि

होली से पूर्व फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक की शुरुआत हो जाती है। होलाष्टक 8 दिनों का वह समय होता है जब हिंदू धर्म में शादी, गृह-प्रवेश, मुंडन आदि जैसे शुभ कार्यों को करनी की मनाही होता है। ज्योतिष के विद्वानों के अनुसार, होली से 8 दिन पहले से अलग-अलग ग्रह उग्र रूप में होते हैं। इसलिए शुभ मांगलिक कार्य इस दौरान नहीं किए जाते। हालांकि तंत्र-मंत्र साधना के लिए यह समय बेहद अनुकूल माना जाता है। इन दिनों में मंत्रों का जप करने से सिद्धि प्राप्त हो सकती है। आइए ऐसे में जान लेते हैं कि होलाष्टक के दौरान किन मंत्रों का जप करना शुभ फलदायी हो सकता है।

होलाष्टक में करें इन मंत्रों का जप

होलाष्टक के दौरान महामृत्युंजय मंत्र का जप करना बेहद शुभ माना जाता है। महामृत्युंजय मंत्र का जप करने से आपको भय और रोग से मुक्ति मिलती है। होलाष्टक में इस मंत्र का जप यदि आप आठ दिनों तक करते हैं तो कई सिद्धियां भी आपको प्राप्त हो सकती हैं।

मंत्र- ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

'ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्र प्रचोदयात', ये रुद्र गायत्री मंत्र है। इस मंत्र का जप होलाष्टक के दौरान करने से पाप से आपको मुक्ति मिलती है। आपका और आपके परिवार का कल्याण होता है। भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने के लिए होलाष्टक के दौरान आप 'ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात।।' मंत्र का जप कर सकते हैं। इस मंत्र का होलाष्टक के आठ दिनों में जप करने से आपकी सभी परेशानियां दूर होती हैं। साथ ही जीवन में आपको धन-धान्य की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही इस मंत्र का जप करने से आपको बौद्धिक बल और आध्यात्मिक शक्ति भी मिलती है।

अगर आप चाहते हैं कि आपके जीवन में धन की कभी कमी न हो तो होलाष्टक के दौरान माता लक्ष्मी के मंत्र, 'ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मी नमः।।' मंत्र का प्रतिदिन आपको जप करना चाहिए।

होलाष्टक के दौरान आप माता दुर्गा के मंत्र 'या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः' का यदि आप प्रतिदिन जप करते हैं तो आपको कई सिद्धियां प्राप्त हो सकती हैं। इस मंत्र का जप करने से आपकी विवेक बुद्धि जागती है और आपको आलौकिक अनुभव हो सकते हैं।

सेहत को लेकर सतर्क रहें मूलांक 5 वाले

आज फाल्गुन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि और रविवार का दिन है। तृतीया तिथि आज रात 9 बजकर 3 मिनट तक रहेगी। आज दोपहर 12 बजकर 39 मिनट तक शुभ योग रहेगा, उसके बाद शुक्ल योग लग जायेगा।साथ ही आज सुबह 9 बजे तक उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रहेगा, उसके बाद रेवती नक्षत्र लग जायेगा।

इसके अलावा आज सुबह 6 बजकर 6 मिनट पर शुक्र मीन राशि में वक्री हो चुके हैं। आइए जानते हैं आचार्य इंदु प्रकाश से जन्म तारीख के आधार पर 1 से लेकर 9 तक सभी मूलांक वालों के लिए कैसा रहेगा आज का दिन।

मूलांक 1- आपको सफलता हासिल करने के लिए मेहनत करनी पड़ेगी आज अपनी सेहत का भी ध्यान रखें।

मूलांक 2- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल है लेकिन कार्यक्षेत्र में बेवजह किसी से न उलझें।

मूलांक 3- बैंकिंग से जुड़े लोगों को मेहनत से अच्छे परिणाम मिलने के योग हैं, अच्छी खबर भी मिलेगी।

मूलांक 4- नौकरी बदलने के लिए समय अच्छा है नई नौकरी के साथ वेतन वृद्धि भी होगी।

मूलांक 5- आज आप अपनी सेहत संबंधी समस्याओं पर विशेष ध्यान दें, किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करें।

मूलांक 6- मनोरंजन के व्यवसाय से जुड़े लोगों को आज अच्छी खबर मिलेगी, जिससे उनका उत्साह बढ़ेगा।

मूलांक 7- आपकी रुचि सामाज सेवा के कार्यों में बढ़ेगी आज आप किसी उत्सव में शामिल होंगे।

मूलांक 8- विवाहित लोगों के लिए आज का दिन फेवरेबल है कहीं घूमने जा सकते हैं।

मूलांक 9- आपके व्यवसायिक जीवन में आज धैर्य से काम ले सब ठीक हो जाएगा।

ऐसे जान सकते हैं अपना मूलांक

उदाहरण के तौर पर यदि आपकी जन्म तारीख 02, 11, 20 और 29 है तो इस तरह आपका मूलांक 2 बनेगा। मूलांक निकालने का तरीका, यदि जन्म की डेट 11 तारीख है तो इसे 1+1 करने पर 2 आएगा।

इस दिशा में भूलकर भी न रखें झाड़ू घर में आती है दरिद्रता

फेंगशुई में घर की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए साफ-सफाई रखना बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि घर में गंदगी होने से नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जिससे व्यक्ति को जीवन में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। घर में गृह-क्लेश की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा फेंगशुई में घर में झाड़ू को रखने के कुछ विशेष नियम बताए गए हैं। मान्यता है कि झाड़ू को कभी पैर से नहीं लगाना चाहिए। इसके अलावा झाड़ू को उचित दिशा में और उचित तरीके से रखना भी जरूरी माना गया है। आइए जानते हैं फेंगशुई में झाड़ू रखने के नियम...

झाड़ू रखने के नियम

फेंगशुई के अनुसार, झाड़ू को खुले स्थान पर नहीं छोड़ना चाहिए। इस तरह से झाड़ू रखना अपशकुन माना गया है।

मान्यता है कि डायनिंग हॉल में झाड़ू नहीं रखना चाहिए। कहा जाता है कि डायनिंग हॉल में झाड़ू रखना अनाज और धन का साफ हो जाने का प्रतीक है।

इसके अलावा रात्रि या सायंकाल में झाड़ू लगाने से बचना चाहिए। मान्यता है कि इससे घर की संपन्नता चली जाती है।

फेंगशुई के अनुसार, घर के बाहर या छत पर झाड़ू नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा किचन या ईशान कोण में झाड़ू रखने की मनाही होती है।

फेंगशुई के अनुसार, घर में झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखें। इसे ऐसी जगह रखें, जहां से घर में किसी सदस्य को सामने झाड़ू दिखाई न दें। मान्यता है कि किसी को भी झाड़ू से मारकर घर से नहीं भगाना चाहिए। झाड़ू को घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा या पश्चिम दिशा में रखना उचित माना गया है।

कहा जाता है कि झाड़ू को कभी भी खड़ी नहीं रखना चाहिए। इसे जमीन पर लिटाकर रखना चाहिए। मान्यता है घर में खड़ी झाड़ू रखने से दरिद्रता का वास होता है।

होलिका दहन पर क्यों जलाए जाते हैं गोबर के बल्ले?

होलिका दहन पर गोबर के बल्ले जलाने की परंपरा है।
गोबर का धुआं नकारात्मक शक्तियों को दूर करता है।
गोबर के बल्ले जलाने से घर की समस्याएं खत्म होती हैं।

होलिका दहन केवल बुराई के अंत का प्रतीक नहीं है, बल्कि इसमें छिपे हैं ऐसे रहस्य, जिन्हें जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। क्या आपने कभी सोचा है कि होली पर गोबर के बल्ले (बड़कुले) क्यों जलाए जाते हैं? महिलाएं परिवार की नजर क्यों उतारती हैं? और आखिर क्यों गाय के गोबर का ही उपयोग किया जाता है? इन सवालों का जवाब ज्योतिष शास्त्र में छिपा है और इसका सीधा असर आपके जीवन पर पड़ सकता है।

होली पर गोबर के बल्ले जलाने की रहस्यमयी परंपरा

विंध्य क्षेत्र समेत पूरे भारत में होली की रात गोबर से बनी बल्लियों की माला होलिका पर चढ़ाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसे न सिर्फ धार्मिक मान्यता मिली हुई है, बल्कि इसके ज्योतिषीय लाभ भी गहरे हैं। महिलाओं द्वारा होलिका दहन से पहले इस माला को अर्पित किया जाता है और परिवार के सदस्यों की नजर उतारी जाती है।

नजर दोष और नकारात्मक शक्तियों का होता है नाश

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, गाय का गोबर शुभता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। जब इसे जलाया जाता है तो निकलने वाला धुआं घर से नकारात्मक शक्तियों को दूर करता है। यही कारण है कि यज्ञ और हवन में भी गाय के गोबर का उपयोग किया जाता है।

घर की परेशानियां होती हैं खत्म

माना जाता है कि होली पर जलाए गए गोबर के बल्ले घर की हर समस्या का समाधान करते हैं। परंपरा के अनुसार, छोटे-छोटे गोबर के उपले (गुलरियां) बनाकर उन्हें सूखाया जाता है और फिर एक रस्सी में पिरोकर माला बनाई जाती है। होलिका दहन के समय इसे जलाने से परिवार की बाधाएं दूर होती हैं और सुख-समृद्धि बढ़ती है।

गाय के गोबर का ही क्यों होता है उपयोग?

हिंदू धर्म में गाय को पूजनीय माना जाता है, क्योंकि इसमें 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास बताया गया है। यही कारण है कि गाय के गोबर से बने उपले जलाने से घर का वातावरण शुद्ध बना रहता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

क्या यह सिर्फ परंपरा है या इसके पीछे विज्ञान भी है?

अगर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो गाय के गोबर से निकलने वाले तत्व वातावरण को शुद्ध करने का कार्य करते हैं। इससे हवा में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और विषैले तत्व समाप्त हो जाते हैं। यही कारण है कि सदियों से इसे धार्मिक अनुष्ठानों में उपयोग किया जाता है।

तुलसी के पास उगने लगे दूर्वा

समझ लें घर में होने वाला है कुछ ऐसा कि बदल जाएगा भाग्य

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। तुलसी का ना सिर्फ वैज्ञानिक बल्कि धार्मिक महत्व भी बहुत अधिक माना जाता है। कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति मां तुलसी की सेवा करता है, उनके घर में कभी भी धन और समृद्धि की कमी नहीं होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में तुलसी की स्थिति ही घर का वातावरण बताती है और साथ ही परिवार के सदस्यों के लिए शुभ-अशुभ संकेत भी दे देती है।

बता दें कि घर में लगे तुलसी के पौधे में होने वाले बदलाव कई संकेत देते हैं जिसका प्रभाव परिवारिक जीवन और व्यक्तिगत जीवन पर भी पड़ता है। इसके साथ ही अगर तुलसी के पौधे में अचानक से दूर्वा उग जाए तो भी इसके मायने होते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दूर्वा का भी कई अधिक महत्व माना गया है। जिस प्रकार तुलसी पूजनीय है उसी प्रकार दूर्वा का भी खास महत्व है। श्रीगणेश को दूर्वा चढ़ाई जाती है। ऐसे में तुलसी के पौधे के चारों ओर अचानक दूर्वा का उगना कुछ खास संकेत देता है। तो आइए जानते हैं पंडित रमाकांत मिश्रा से कि तुलसी के पास दूर्वा का उगना किस बात का संकेत देता है।

तुलसी के पास दूर्वा का उगना किस बात का संकेत?

शुभ समाचार मिलने के संकेत

अगर आपके घर में तुलसी के पौधे के आस-पास आचनक दूर्वा उगने लगे तो समझ लें कि जल्द आपको कोई ना कोई शुभ समाचार मिलने वाले हैं। क्योंकि दूर्वा का उगना बहुत ही शुभ माना जाता है। दूर्वा का तुलसी के पास उगना जीवन में सकारात्मक संकेत मिलने का संकेत भी होता है।

परिवार की सुख-समृद्धि का संकेत

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दूर्वा गणेश जी को प्रिय मानी जाती है और गणेश जी को बरकत, सुख व समृद्धि का कारक माना जाता है। ऐसे में अगर आपके घर में दूर्वा घास का तुलसी के पौधे के पास उगना कई मायनों में सुख-समृद्धि के आने का संकेत भी माना जाता है। इसके साथ ही यह भी समझ लें की घर में जल्द खुशहाली आने वाली है।

घर की बला टलने का संकेत

अगर तुलसी के पौधे के पास अचानक दूर्वा उगने लगे तो यह भी समझा जा सकता है कि आपके पारिवारिक जीवन में जल्द खुशियां दस्तक देने वाली हैं। इस दूर्वा के प्रभाव से जीवन में घर में आने वाली हर बला टल गई और आब आने वाले हर कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे।

आर्थिक स्थिति में सुधार

तुलसी के पौधे के पास लगी दूर्वा से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। इसके अलावा यह भी संकेत मिलता है कि आपको जल्द ही कोई बहुत अच्छा ऑफर मिल सकता है, जिससे आपके करियर में प्रगति के मार्ग दिखेंगे।

नकारात्मक ऊर्जा का अंत

जब घर में लगे तुलसी के पौधे के पास दूर्वा उगने लगे तो समझ जाएं कि घर की सारी नकारात्मक उर्जा खत्म होने वाली है और सकारात्मक उर्जा का प्रवेश होगा। साथ ही साथ जल्द आपके घर में धन भी आने वाला है।

घर पर बेहोश मिलीं गायिका कल्पना राघवेंद्र दरवाजा तोड़कर निकाला गया बाहर

तेलुगु की बेहतरीन गायक कल्पना राघवेंद्र तेलंगाना के रंगारेड्डी में अपने घर पर बेहोशी की हालत में पड़ी मिलीं। 44 साल की गायिका को आनन फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत अभी स्थिर है और उनका इलाज चल रहा है। अफसरों के मुताबिक पुलिस स्टेशन को अपार्टमेंट कमेटी की तरफ से शाम 5 बजे एक कॉल आया। जब वह कल्पना के घर पर आए तो उनके घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। किचन की खिड़की से देखने पर पता चला कि गायिका अपने बेड पर बेहोश पड़ी हैं।

एंबुलेंस से अस्पताल में कराया गया भर्ती

पुलिस और चिकित्सा कर्मियों ने एम्बुलेंस के जरिए कल्पना को होलिस्टिक अस्पताल में भर्ती कराया। शाम 6 बजे के करीब उनके पति भी अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों के मुताबिक गायिका की हालत अभी ठीक है। उनका बराबर इलाज चल रहा है और दवाएं दी जा रही हैं। इस बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं मिली है।

गायिका की सिक्योरिटी के मुताबिक

गायिका की सिक्योरिटी के मुताबिक उनका घर दो दिनों से खुला नहीं था। इसके बाद एसोसिएशन के सदस्यों को खबर दी गई थी।। रेजिडेंट्स एसोसिएशन ने कल्पना के बारे मे पुलिस को जानकारी दी।

कल्पना राघवेंद्र का काम

कल्पना राघवेंद्र ने भारतीय संगीत इंडस्ट्री को कई सालों से कई भाषाओं में बहुत सारे बेहतरीन गाने दिए हैं। साउथ म्यूजिक इंडस्ट्री में उनका बड़ा नाम है। उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्लेबैक सिंगर के लिए 'तमिलनाडु स्टेट फिल्म अवॉर्ड' से नवाजा जा चुका है। कल्पना ने पांच साल की उम्र से ही गाना गाना शुरू किया था। उन्होंने 1500 से ज्यादा गाने गाए हैं। कल्पना गायिका होने के साथ म्यूजिक कंपोजर हैं और गाने भी लिखती हैं। कल्पना राघवेंद्र के पिता टी.एस. राघवेंद्र भी एक प्लेबैक सिंगर थे।

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा किसकी नेटवर्थ है सबसे ज्यादा? कौन लेता है मोटी रकम

पिछले कुछ दिनों से सबसे ज्यादा चर्चा में रहे सेलिब्रिटी कपल्स में से एक हैं तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा। इन दोनों को अक्सर सार्वजनिक रूप से एक साथ देखा जाता रहा है। दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग और केमिस्ट्री भी देखने को मिलती रही है। हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दोनों ने सोशल मीडिया से एक दूसरे की तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। हालांकि, दोनों की ओर से इस मामले पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सोशल मीडिया पर दोनों की कमाई और नेट वर्थ को लेकर भी चर्चा होती रही है। दोनों के नेट वर्थ में काफी बड़ा अंतर है। आइए जानते हैं तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा में किसकी नेट वर्थ सबसे ज्यादा है।

तमन्ना भाटिया का करियर

दक्षिण भारतीय फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने 85 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। तमन्ना ने साल 2005 में हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से अपने करियर की शुरुआत की थी। उसी साल उन्होंने तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। इसके बाद साल 2006 में उन्होंने फिल्म 'केडी' के साथ तमिल सिनेमा में कदम रखा। साउथ सिनेमा के बाद तमन्ना ने बॉलीवुड में भी अच्छा नाम कमाया। पिछले कुछ सालों में अभिनेत्री ने कई हिट फिल्में दी हैं।

तमन्ना भाटिया की नेट वर्थ

तमन्ना भाटिया के नेट वर्थ की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तमन्ना भाटिया की नेट वर्थ 120 करोड़ रुपये है। अभिनेत्री एक फिल्म के लिए चार से पांच करोड़ रुपये की फीस लेती हैं। रिपोर्ट्स का कहना है कि बाहुबली 2 के लिए तमन्ना ने पांच करोड़ रुपये की मोटी रकम ली थी ।

अभिनेत्री एक लग्जरी लाइफ जीती हैं।

विजय वर्मा का करियर

विजय वर्मा एक्टर बनने का सपना लेकर घर से भागकर मुंबई पहुंचे थे। हालांकि, उनके लिए यह सफर इतना आसान नहीं था। वह हैदराबाद के एक मारवाड़ी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। अपने शुरुआती दौर में अभिनेता ने बहुत सारी मुश्किलों का सामना किया। विजय वर्मा ने शॉर्ट फिल्म 'शोर' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। फिल्म 'चटगांव' से उन्होंने बड़े पर्दे पर कदम रखा। हालांकि, उन्हें असली पहचान अमिताभ बच्चन की फिल्म 'पिंक' से मिली। इसके बाद उन्होंने 'मिर्जापुर' सीरीज से काफी शोहरत हासिल की।

विजय वर्मा की नेट वर्थ

विजय वर्मा के नेटवर्थ की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता की नेट वर्थ 20 करोड़ रुपये है। वह एक फिल्म के लिए 85 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ तक चार्ज करते हैं।

'बेवजह परिवारवाद के शिकार हुए अभिषेक बच्चन' नेपोटिज्म पर पहली बार बिग बी ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन अपने बेटे अभिषेक बच्चन की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। बिग बी अक्सर ही अभिषेक के काम और उनकी एक्टिंग स्किल की तारीफ करते रहते हैं। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाले बिग बी ने अब सोशल साइट एक्स पर एक यूजर की पोस्ट पर कमेंट किया और अभिषेक को नेपोटिज्म को लेकर फैली नकारात्मकता का शिकार बताया है।

बिग बी ने की अभिषेक के काम की तारीफ

दरअसल, एक्स पर एक पोस्ट में एक यूजर ने लिखा, 'अभिषेक बच्चन बेवजह परिवारवाद की नकारात्मकता का शिकार हुए हैं, जबकि उनके करियर में अच्छी फिल्मों की संख्या काफी ज्यादा है।' इसी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बिग बी ने लिखा, 'मुझे भी ऐसा ही लगता है और सिर्फ इसलिए नहीं, क्योंकि मैं उनका पिता हूं।' एक और पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए महानायक ने अभिषेक बच्चन की आने वाली फिल्म 'बी हैप्पी' में उनके काम की तारीफ की है। बिग बी ने लिखा, 'अभिषेक आप कमाल हैं। आप हर फिल्म के किरदार के साथ जिस तरह से तालमेल बिठाते हैं और किरदार में बदलाव लाते हैं, वो शानदार है।'

इससे पहले अमिताभ ने अभिषेक की फिल्म 'आई वांट टू टॉक' में भी उनके काम की तारीफ की थी। उस दौरान बिग बी ने फिल्म को लेकर एक नोट में लिखा था, 'कुछ फिल्में आपका मनोरंजन करती हैं, कुछ फिल्में आपको उससे जुड़ने के लिए आमंत्रित करती हैं, 'आई वांट टू टॉक' बस यही करती है। अभिषेक, आप अभिषेक नहीं हैं, आप फिल्म के अर्जुन सेन हैं। लोग जो कुछ भी कह रहे हैं, वो कहने दो।'

पिता-बेटी के रिश्ते को दर्शाएगी फिल्म

अभिषेक की आगामी फिल्म 'बी हैप्पी' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। डांस पर आधारित ये फिल्म कॉमेडी, ड्रामा, सपने और जुनून के भावों से भरपूर है। फिल्म एक अकेले पिता और बेटी के बीच प्यार, ख्याल और भावुक रिश्ते को दर्शाती है। फिल्म एक बेटी के अपने करियर को लेकर समर्पण और जुनून को दिखाती है। कैसे एक पिता अपनी बच्ची के सपनों को पूरा कराने के लिए उसका भरपूर साथ देता है। फिल्म में अभिषेक बच्चन के साथ नोरा फतेही भी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। यह फिल्म 14 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

पैर की चोट से उबरने के बाद रश्मिका मंदाना ने शुरू की 'थामा' की शूटिंग, आयुष्मान खुराना भी सेट पर आये नजर

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'थामा' की शूटिंग जनवरी 2025 तक जोर-शोर से चल रही थी। हालांकि, रश्मिका के पैर में चोट लगने के कारण दिल्ली शेड्यूल को रोक दिया गया। फिल्म निर्माता आदित्य सरपोतदार ने डेढ़ महीने के ब्रेक के बाद पिछले हफ्ते वैम्पायर कॉमेडी फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू की। उम्मीद थी कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी फरवरी में फिल्म की शूटिंग में शामिल होंगे। हालांकि, चीजों को फिर से तैयार किया गया है।

आयुष्मान-रश्मिका ने शुरू की शूटिंग

रिपोर्ट्स के अनुसार, आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना इस समय मुंबई में रियल लोकेशन पर शूटिंग कर रहे हैं। मिड डे के अनुसार वे अपने को-स्टार परेश रावल के साथ 'थामा' की शूटिंग कर रहे हैं। 27 मार्च को कास्ट और क्रू शूटिंग के लिए फिल्म सिटी में शिफ्ट हो जाएंगे। दिल्ली के घरों और गलियों को दर्शाते सेट बनाए गए हैं।

फिल्म की शूटिंग का अगला शेड्यूल

दिल्ली के लिए निर्धारित दृश्यों को यहां फिल्माया जाएगा। नवाजुद्दीन तब फिल्म की शूटिंग में शामिल होंगे। निर्देशक दिवाली पर फिल्म को रिलीज करना चाहते हैं। अप्रैल के अंत तक मुंबई में फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद, मई तक टीम ऊटी के लिए रवाना हो जाएगी। वे नीलगिरी के जंगल में आवश्यक हिस्से की शूटिंग करेंगे और मई के अंत तक प्रोजेक्ट को पूरा कर लेंगे।

फिल्म की कहानी

'थामा' दो समयसीमाओं में सेट है, लेकिन ताजा चर्चा यह है कि फिल्म में एक प्रेम कहानी है। कथित तौर पर यह वैम्पायर कॉमेडी फिल्म की कहानी में एकतरफा प्यार दिखाया जाएगा। हालांकि यह फिल्म वर्तमान दिल्ली में आधारित है, जहां आयुष्मान एक इतिहासकार हैं, लेकिन इसकी कहानी फ्लैशबैक से भरपूर है, जो दर्शकों को प्राचीन शहर विजयनगर में ले जाती है, जहां प्रेम कहानी शुरू होती है।'

कब रिलीज होगी फिल्म

'थामा' दिवाली 2025 पर रिलीज होगी। निर्माताओं ने 2024 में वैम्पायर कॉमेडी के बारे में आधिकारिक घोषणा की थी। घोषणा वीडियो साझा करते हुए, मैडॉक फिल्म्स ने लिखा था, 'दिनेश विजन की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स को एक प्रेम कहानी की आवश्यकता थी... दुर्भाग्य से यह एक खूनी कहानी है।' दिनेश विजन और अमर कौशिक ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है। वहीं, निरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फलारा ने फिल्म की कहानी लिखी है।

कभी वेटर और सिक्योरिटी गार्ड था 'बाहुबली' फेम यह एक्टर

चकाचौंध भरी फिल्मी दुनिया में ऊंचे मकाम पर पहुंचने के लिए कई कलाकारों ने बहुत मेहनत की है। 'बाहुबली' फिल्म में भल्लालदेव के पिता का किरदान निभाने वाले नास्सर उन कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत संघर्ष किया है। उन्होंने अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष के दिनों में वेटर और सिक्योरिटी गॉर्ड तक की नौकरी की। नास्सर ने न सिर्फ साउथ की फिल्मों में अपना नाम कमाया है बल्कि उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी खूब काम किया है। अपने फिल्मी करियर में नास्सर ने 700 से ज्यादा फिल्में की हैं। आज नास्सर के जन्मदिन के मौके पर आपको बताते हैं उनके दिलचस्प किस्से।

वेटर और सिक्योरिटी गॉर्ड की नौकरी की

नायक से ज्यादा खलनायक के लिए मशहूर नास्सर आज अपना 67वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत 1985 में आई तेलुगू फिल्म 'कल्याण अगथिगल' से की थी। वह फिल्मों में काम करने के शौकीन थे। फिल्मों में छोटे रोल पाकर भी वह खुश रहते थे। शुरूआत में उन्हें फिल्मों में उतना काम नहीं मिलता था कि उनका खर्च चल सके, इसलिए उन्होंने कभी वेटर तो कभी सिक्योरिटी गार्ड तक की नौकरी की थी। तमाम दिक्कतों के बावजूद फिल्मों से उनका लगाव रहा और वह कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ते गए। आज वह एक कामयाब अभिनेता के तौर पर जाने जाते हैं।

गरीबी और नाक को लेकर मारे गए ताने

नास्सर आज एक बड़ा नाम है लेकिन एक वक्त था, जब उन्हें उनकी नाक और गरीबी की वजह से ताने मारे गए। द हिंदू की एक रिपोर्ट के मुताबिक नास्सर ने बताया कि वह मुस्लिम थे और गरीब थे इसलिए उन्हें खूब ताने सुनने को मिले। उन्होंने बताया कि लोगों को लगता था कि उनका सिर बड़ा है और उनकी नाक तोते जैसी है। उन्होंने बताया कि 'लोग कहते थे कि ये हीरो तो नहीं बल्कि फिल्मों में विलेन बहुत अच्छा बनेगा।'

हिंदी फिल्मों में भी निभाया दमदार किरदार

नास्सर को सबसे ज्यादा पहचान 'बाहुबली' फिल्म से मिली। इसमें उन्होंने भल्लालदेव के पिता 'बिज्जलदेव' का किरदार अदा किया। उनकी सबसे ज्यादा मशहूर फिल्मों में 'इरुवर', 'वीरम' और 'थलाइवा' हैं। उन्होंने हिंदी की मशहूर फिल्मों में अच्छा काम किया है। उनकी हिंदी की फिल्मों में 'रोजा', 'खुशी', 'चाची 420', 'अंगरक्षक', 'रावड़ी राठौर' और 'रमैया वस्तावैया' हैं।

नास्सर के बारे में खास

नास्सर का असली नाम होम्मद हनीफ है। वह 5 मार्च 1958 को पैदा हुए। वह अभिनेता, निर्देशक, प्रोड्यूसर, गायक और राजनीतिज्ञ भी हैं। उन्होंने तेलुगू, तमिल और मलयालम फिल्मों में खूब काम किया है। उन्होंने बंगाली, कन्नड़ और अंग्रेजी के अलावा हिंदी फिल्मों में भी खूब काम किया है। नास्सर को बेहतरीन काम के लिए पांच बार 'तमिलनाडु स्टेट फिल्म अवॉर्ड' मिल चुका है।

नयनतारा ने छोड़ी 'लेडी सुपरस्टार' की उपाधि अभिनेत्री ने वजह का भी किया खुलासा

साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री नयनतारा को साउथ की 'लेडी सुपरस्टार' भी कहा जाता है। वहीं, अब अभिनेत्री ने इस उपाधि पर बात की और अपने फैंस को उन्हें 'लेडी सुपरस्टार' न कहने की सलाह दी। दरअसल, नयनतारा ने कहा कि उपलब्धियां और सम्मान अमूल्य हैं, लेकिन वे कभी-कभी ऐसी छवि बना देते हैं, जो कलाकारों को उनके काम से दूर कर देती है। नयनतारा ने 'लेडी सुपरस्टार' की उपाधि छोड़ने की घोषणा की, जो उन्हें दी गई थी।

अभिनेत्री ने कहा- मैं सिर्फ नयनतारा हूं

'श्री राम राज्यम', 'अनामिका', 'चंद्रमुखी', 'गजनी' और 'जवान' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर नयनतारा ने मंगलवार को प्रशंसकों, मीडिया और फिल्मी दुनिया के लोगों के लिए एक बयान में यह घोषणा की। बयान में उन्होंने लिखा, 'आप में से कई लोगों ने मुझे 'लेडी सुपरस्टार' कहकर पुकारा है। यह उपाधि आपके असीम स्नेह के कारण मिली है। मुझे इस तरह के मूल्यवान खिताब से सम्मानित करने के लिए मैं आप सभी की बहुत आभारी हूं।

हालांकि, मैं आप सभी से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि आप मुझे 'नयनतारा' कहें।

अभिनेत्री ने किया वजह का खुलासा

उन्होंने आगे लिखा, 'ऐसा इसलिए है, क्योंकि मुझे लगता है कि यह नाम मेरे दिल के सबसे करीब है। यह दर्शाता है कि मैं न केवल एक कलाकार के रूप में, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में कौन हूं। उपाधियां और प्रशंसाएं अमूल्य हैं, लेकिन वे कभी-कभी एक ऐसी छवि बना सकती हैं, जो हमें हमारे काम, हमारी कला और आपके साथ, दर्शकों के साथ हमारे बिना शर्त के बंधन से अलग कर देती हैं।'

फैंस का अटूट समर्थन चाहती हैं नयनतारा

नयनतारा ने कहा कि प्रेम की भाषा लोगों को सभी सीमाओं से परे जोड़े रखती है। उन्होंने कहा, 'हालांकि हम सभी को भविष्य का नहीं पता, लेकिन मुझे बहुत खुशी है कि आपका अटूट समर्थन निरंतर बना रहेगा और आपका मनोरंजन करने के लिए मेरी कड़ी मेहनत भी जारी रहेगी। सिनेमा ही हमें एकजुट रखता है और हमें इसे एक साथ मनाते रहना चाहिए। प्यार, सम्मान और आभार के साथ, नयनतारा।' पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'नयनतारा हमेशा और केवल नयनतारा ही रहेंगी।'

इन आदतों से करें अपने दिन की शुरुआत बॉडी से लेकर माइंड तक सब रहेगा हेल्दी

कहा जाता है कि अगर दिन की शुरुआत बेहतर तरीके से हो तो पूरा दिन काफी बढिया से गुजरता है। आपने भी इसको महसूस किया होगा कि अगर आपके दिन की शुरुआत आलस भरा होता है तो पूरा दिन ही आलस जैसा गुजरता है। कई बार खराब आदतों के कारण ऐसा होता है। ऐसे में आप भी अपने दिन की शुरुआत बेहतर तरीके से करना चाहते हैं तो आप इन पांच आदतों को अपने दैनिक जीवन में फॉलो कर सकते हैं।

सुबह-सुबह जल्दी उठें

अगर आप भी एक हेल्दी लाइफस्टाइल और स्वस्थ को बेहतर बनाना चाहते हैं तो जल्दी उठने की आदत डालें। सुबह जल्दी उठने के बाद वॉक पर जा सकते हैं। इसके बाद आप धूप भी ले सकते हैं। इससे आपकी बॉडी हेल्दी बनेगी और शरीर में विटामिन डी की कमी भी नहीं होगी। धूप हड्डियों और इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है।

गुनगुना पानी पीने की डालें आदत

आप सुबह-सुबह गुनगुना पानी पी सकते हैं। सुबह उठकर गुनगुना पानी पीना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को बाहर निकालता है और मेटाबॉलिज्म को कम करता है। सुबह-सुबह गुनगुना पानी पीने से पाचन भी बेहतर होती है। आप गुनगुने पानी के साथ नींबू को भी मिला सकते हैं।

मेडिटेशन और योग से करें दिन की शुरुआत

आप अपने दिन की शुरुआत मेडिटेशन और योग से भी कर सकते हैं। यह दिमाग को शांत करेगा, जिससे आप पूरे दिन अपने काम को समय से कर पाएंगे। मेडिटेशन और योगा करने से स्ट्रेस कम होता है और पूरे दिन बॉडी में एनर्जी बनी रहती है।

हेल्दी ब्रेकफास्ट से माइंड रहेगा एक्टिव

सुबह के समय हेल्दी ब्रेकफास्ट लेना काफी अहम होता है। यह शरीर को एनर्जी देने के साथ-साथ दिमाग को भी काफी एक्टिव करता है। आप अपने सुबह के नाश्ते में प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स जैसे चीजों को शामिल कर सकते हैं।

पूरे दिन की करें प्लानिंग

पूरे दिन फोकस्ड रहने के लिए आप अपने पूरे दिन की प्लानिंग सुबह के समय में ही कर लें। इसके बाद आप एक-एक काम को पूरा करें। इससे आप स्ट्रेस और बर्डन फ्री रहेंगे।

डायबिटीज और गठिया रोगी आज से ही शुरू कर दें ये आसान सा काम, मिलेंगे फायदे

हम में से ज्यादातर लोगों के दिन की शुरुआत चाय या कॉफी के साथ होती है, पर क्या जो चाय हम सुबह-सुबह पीते हैं उससे सेहत को लाभ होता है? अगर आपके मन में भी ये सवाल बना रहता है तो बिना देर किए आपको चाय के उन विकल्पों की तरफ स्विच करना चाहिए जिससे सेहत को अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। अब सवाल उठता है कि फिर कौन सी चाय पिएं?

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, दूध और चीनी वाली पारंपरिक चाय की जगह अगर आप हर्बल टी पीने की आदत बनाते हैं तो ये कहीं अधिक लाभकारी हो सकता है। ग्रीन-टी हो या अदरक और हल्दी वाली चाय ये सभी औषधीय गुणों से भरपूर होती है जिससे सेहत को कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं।

कई अध्ययनों में सहजन की पत्तियों से तैयार चाय पीने को भी बहुत फायदेमंद बताया गया है।

तमाम गुणों से भरपूर है सहजन

सहजन को आयुर्वेद में एक चमत्कारी औषधि के रूप में जाना जाता है। इसके पत्तों, फूलों, फलों और छाल का उपयोग कई स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता है। प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने से लेकर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने, सूजन को कम करने और हड्डियों को स्वस्थ रखने तक में सहजन अपने विशेष स्वास्थ्य प्रभावों के लिए जाना जाता है।

इसमें आवश्यक विटामिन ए, सी, के और बी कॉम्प्लेक्स और

आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम खनिज होते हैं, जिनकी हमारे शरीर को नियमित रूप से जरूरत होती है। सहजन की पत्तियों से बनी चाय का सेवन आपको कई बीमारियों से बचाए

रखने में भी मददगार हो सकती है।

क्या कहती हैं आहार विशेषज्ञ?

इस चाय के लिए एक गिलास पानी में सहजन की 5-6 पत्तिया डालकर 10 मिनट तक उबालें। इसमें शहद और नींबू भी मिलाकर पिया जा सकता है।

आहार विशेषज्ञ पायल शर्मा कहती हैं, सहजन की चाय का सुबह खाली पेट सेवन करना फायदेमंद रहता है, लेकिन इसके अधिक सेवन से पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती है, इसलिए अगर आप किसी दवा का सेवन कर रहे हैं तो इसका सेवन न करें। अगर आपको पहले से कोई क्रोनिक बीमारी है तो भी डॉक्टर की सलाह लेने के बाद ही इसका सेवन किया जाना चाहिए।

डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद

आहार विशेषज्ञ बताते हैं, सहजन की चाय में एंटीडायबिटिक गुण होते हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। ये इन्सुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाकर शरीर में शुगर की मात्रा को संतुलित करने में सहायक है। सहजन की पत्तियों में विटामिन सी, एंटीऑक्सिडेंट और कई अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करता है।

डायबिटीज रोगियों में इम्युनिटी की समस्या अधिक देखी जाती है, ऐसे में ये चाय मधुमेह के शिकार लोगों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है।

आर्थराइटिस में भी मिलता है आराम

सहजन में शरीर को डिटॉक्स करने वाले गुण पाए जाते हैं, जो शरीर से गंदगी को बाहर करके पेट की समस्याओं, जैसे- कब्ज, अपच और एसिडिटी को दूर करते हैं। इस चाय से पाचन तंत्र भी मजबूत बनता है। सहजन की पत्तियों में कैल्शियम और फॉस्फोरस भरपूर मात्रा में होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाकर ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाव करते हैं।

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे एकतरफा प्यार? इन संकेतों से कर लें पहचान

हर कोई चाहता है कि उसकी जिंदगी में एक ऐसा इंसान हो जो उससे खूब प्यार करें। हालांकि, हर कोई इतना लकी कहां होता है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो किसी से प्यार तो करते हैं, लेकिन उन्हें यह समझ नहीं आता है कि उनका प्यार एकतरफा है या फिर दो-तरफा।

क्या आप भी करते हैं एकतरफा प्यार ?

एकतरफा प्यार काफी तकलीफों से भरा होता है। इसमें सामने वाले व्यक्ति से प्यार नहीं मिलता है। अगर आप भी किसी से प्यार करते हैं और नहीं समझ पा रहे हैं कि आपका प्यार एकतरफा है या फिर दो तरफा तो हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं, जिससे आप आसानी से इस बारे में पता कर सकते हैं।

एकतरफा प्यार का पता कैसे लगाएं?

अगर आप भी किसी से प्यार करते हैं और आप ही हर बार किसी भी चीज को लेकर पहल करते हैं, यहां तक की बातचीत करने की भी तो यह एकतरफा प्यार का संकेत हो सकता है। आप जिससे भी प्यार करते हैं और उनसे मिलने की इच्छा जताते हैं और सामने वाला व्यक्ति इसमें दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है तो आपका प्यार एकतरफा हो सकता है।

क्या आप जिससे प्यार करते हैं वह आपके बातों को गौर से सुनता है? अगर इसका जवाब नहीं है तो आपका प्यार दो तरफा न होकर एकतरफा हो सकता है। अगर सामने वाला व्यक्ति आपके बातों को हर बार नजरअंदाज कर रहा है और हर बार आपको दरकिनार कर रहा है तो आपका प्यार एकतरफा हो सकता है।

आप जिससे प्यार करते हैं और कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं और सामने वाला व्यक्ति सीधे मना कर देता है या फिर बार-बार बहाना बनाता है तो इससे साफ पता चलता है कि सामने वाला व्यक्ति आप में इंट्रेस्टेड नहीं है। यह भी एकतरफा प्यार का संकेत हो सकता है।

एकतरफा प्यार से कैसे निपटें?

अगर आपके भी लग रहा है कि आप जिससे भी प्यार करते हैं वह सिर्फ एकतरफा प्यार है तो यह काफी तकलीफदेह होता है। ऐसे में आपको इस रिश्ते से निकल जाना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। इससे निपटने के लिए आप सबसे पहले अपने से प्यार करना सीखें और फिर किसी बेहतर साथी की तलाश करें।

महिला दिवस पर ऑफिस में पहनकर जाएं खास तरह के गुलाबी आउटफिट

महिला दिवस एक खास मौका होता है, जब महिलाएं अपने व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को सेलिब्रेट कर सकती हैं। इस दिन को और भी खास बनाने के लिए आप गुलाबी (पिंक) रंग के आउटफिट्स को अपने ऑफिस लुक में शामिल कर सकती हैं।

गुलाबी रंग फेमिनिनिटी, ग्रेस और पॉजिटिविटी को दर्शाता है। ऐसे में इस महिला दिवस पर गुलाबी रंग के आउटफिट्स न केवल आपकी स्टाइल स्टेटमेंट को बेहतर बनाएंगे, बल्कि यह दिन को और भी खास बना देंगे। तो इस बार ऑफिस में अपने पिंक पावर लुक के साथ आत्मविश्वास से कदम बढ़ाएं और इस दिन को पूरे स्टाइल में सेलिब्रेट करें।

पेस्टल पिंक फॉर्मल सूट

दफ्तर में ज्यादातर महिलाएं सूट कैरी करना पसंद करती हैं। ऐसे में अगर आप भी ऑफिस में एक स्मार्ट और प्रोफेशनल लुक चाहती हैं, तो पेस्टल पिंक ब्लेजर के साथ मैचिंग ट्राउजर या स्कर्ट पहनें। इसे व्हाइट टॉप और न्यूड हील्स के साथ पेयर करें।

पिंक इंडो-वेस्टर्न

अगर आप इंडो-वेस्टर्न लुक चाहती हैं, तो पिंक रंग का इंडो-वेस्टर्न आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगा। इसे सिल्वर ज्वेलरी और सफेद जूती के साथ स्टाइल करें। ये लुक कम्फर्टेबल होने के साथ-साथ ऑफिस-फ्रेंडली भी रहेगा।

पिंक शर्ट और ट्राउजर

यदि आपको फॉर्मल लुक पसंद है तो ऑफिस के लिए लाइट पिंक शर्ट को व्हाइट या बेज ट्राउजर के साथ कैरी करें। ये एक मिनिमलिस्ट और क्लासी लुक देगा। इसके साथ पैरों में पंप्स या लोफर्स परफेक्ट रहेंगे।

पिंक मिडी ड्रेस

अगर आपके ऑफिस में सेमी-फॉर्मल ड्रेस कोड है, तो एक सॉफ्ट पिंक मिडी ड्रेस बेस्ट ऑप्शन रहेगा। इसे बेल्ट और स्टाइलिश ब्लॉक हील्स के साथ पेयर करें। ये आपको स्मार्ट और ग्रेसफुल लुक देगा।

मार्च के महीने में लगाएं गंधराज फूल वाला पौधा, पूरे गर्मी आएगा फूल

मार्च का महीना बागवानी के लिए सबसे बेहतर होता है। इस समय मौसम बसंत के साथ काफी सुहाना होता है। मार्च के महीने में पौधे आसानी से लग जाते हैं और इनकी ग्रोथ भी काफी अच्छी होती है। वहीं, मार्च के महीने से ही गर्मी की हल्की-हल्की शुरुआत हो जाती है।

सुगंधित फूल वाला पौधा है गंधराज

अगर आप भी अपने घर में किसी ऐसे फूल के पौधे को लगाने के बारे में सोच रहे हैं, जिसका फूल पूरे गर्मी आए तो आप गंधराज के पौधे पर विचार कर सकते हैं। यह सुगंधित फूल वाला पौधा इस मौसम में आसानी से उग जाएगा और इसको लगाना काफी आसान भी होता है। एक बार लग जाने के बाद इसको अधिक केयर करने की जरूरत नहीं होती है।

गंधराज का पौधा कैसे लगाएं?

गंधराज के पौधे को सुगंधित फूलों और शानदार खुशबू के लिए जाना जाता है। इसको आप 10 से 12 इंच के गमले में आसानी से लगा सकते हैं। वहीं, इसकी मिट्टी को बनाने के लिए आप इसमें कोकोपीट, रेत और गोबर की खाद का उपयोग कर सकते हैं। गंध राज के पौधे को अधिक धूप की जरूरत नहीं होती है। दिन में आप कम से कम तीन से चार घंटा धूप में इसको रख सकते हैं।

गंधराज के पौधे की देखभाल कैसे करें?

गंधराज के पौधे की देखभाल करना काफी आसान होता है। हालांकि, कई बार गंधराज के पौधों में फंगस और कीड़े लग जाते हैं, जिसको हटाना काफी जरूरी होता है। इसको हटाने के लिए आप नीम तेल या साबुन पानी का स्प्रे कर सकते हैं। अगर इसकी पत्तियां पीली होने लगे तो आप इसकी मिट्टी में खाद जरूर डालें।

जेब खाली, बैंक बैलेंस जीरो? इन आदतों को अभी बदलें और ऐसे शुरू करें सेविंग

क्या आपका बैंक बैलेंस हर महीने खत्म होने की कगार पर पहुंच जाता है? क्या आप बचत करना चाहते हैं, लेकिन हर बार नाकाम रहते हैं? अगर हां, तो चिंता करने की जरूरत नहीं। हो सकता है कि आपकी कुछ रोजमर्रा की आदतें ही इस परेशानी की जड़ हों। अच्छी खबर यह है कि इन आदतों में थोड़ा सा बदलाव करके आप आसानी से अपनी बचत बढ़ा सकते हैं। तो क्यों न आज ही सही दिशा में पहला कदम बढ़ाया जाए? आज की इस खबर में हम आपको रोजाना के पैसे बचत करने के कुछ टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

इन आदतों से बचें, वरना सेविंग सपना बन जाएगी

बिना बजट के खर्च करना

बिना प्लानिंग के खर्च करना ऐसा ही है जैसे बिना नक्शे के सफर पर निकलना—अंजाम? ज्यादा खर्च और कम बचत। हर महीने की शुरुआत में एक बजट बनाएं और उसे फॉलो करें।

जरूरत से ज्यादा खर्च करना

सेल और डिस्काउंट के चक्कर में कई बार हम ऐसी चीजें खरीद लेते हैं, जिनकी जरूरत ही नहीं होती। अगली बार कुछ खरीदने से पहले खुद से पूछें—₹क्या मैं इसके बिना नहीं रह सकता?₹ अगर जवाब 'हां' है, तो इसे छोड़ दें।

क्रेडिट कार्ड का ज्यादा इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग करना आसान लगता है, लेकिन यह खर्च की एक ऐसी लत बन सकती है, जिससे उबरना मुश्किल हो जाता है। ज्यादा ब्याज और ईएमआई का बोझ ना बढ़ाएं, क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल केवल जरूरत के समय करें।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज करना

एक दिन की महंगी कॉफी, ओटीटी सब्सक्रिप्शन, बार-बार ऑनलाइन शॉपिंग—ये छोटे खर्च मिलकर बड़ा नुकसान कर सकते हैं। इन खर्चों पर नजर रखें और गैर-जरूरी चीजों को छोड़ने की आदत डालें।

इन्वेस्टमेंट न करना

सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं, उसे सही जगह निवेश भी करना जरूरी है। म्यूचुअल फंड, एफडी, या एसआईपी जैसी योजनाओं में निवेश करें, ताकि आपका पैसा बढ़ता रहे।

होली पर घर आए मेहमानों के लिए बनाएं टेस्टी कद्दू की बर्फी

होली का त्योहार पूरे देश में काफी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग एक दूसरे से मिलते हैं। ऐसे में इस दिन घरों में मेहमानों का आना-जाना लगा रहता है। होली पर घर आए मेहमानों के लिए अगर आप कुछ बेहतर और यूनिक बनाने का सोच रहे हैं तो आप कद्दू की बर्फी को बना सकते हैं। कद्दू की बर्फी को दूध, खोया और चीनी के साथ तैयार किया जाता है। यह खाने में काफी टेस्टी लगता है। इस लेख में हम आपको हलवाई स्टाइल में कद्दू की बर्फी बनाने के बारे में बताएंगे।

कद्दू की बर्फी बनाने की सामग्री

500 ग्राम कद्दू
एक कप खोया
आधा कप दूध
200 ग्राम चीनी
दो चम्मच घी
ड्राई फ्रूट्स

कद्दू की बर्फी के लिए तैयार करें मिश्रण

कद्दू की बर्फी को बनाने के लिए आप सबसे पहले कद्दू को सही से काट लें और इसको कद्दूकस कर लें। अब आप एक कढ़ाई में घी को गर्म करें और इसको डालें। आप इसको सात से आठ मिनट तक इसको चलाते रहें, जिससे यह नरम हो जाए। जब यह सही से पक जाए तो इसमें खोया को डालें और चलाते रहें। कुछ समय के बाद आप इसमें चीनी को डालें और मिलाएं। अब आप इसमें इलायची को पाउडर करें और साथ में कटे हुए ड्राई फ्रूट्स को डालें। जब इन सभी का मिश्रण कढ़ाई छोड़ने लगे तब आप गैस को बंद कर दें।

कद्दू की बर्फी कैसे बनाएं?

कद्दू की बर्फी को बनाने के लिए आप इस मिश्रण को एक थाली में निकला लें और इसको समान रूप से फैलाएं। हालांकि, इस मिश्रण को थाली में डालने से पहले उसमें घी लगाना नहीं भूले। इससे मिश्रण थाली में नहीं पकड़ेगा। कुछ समय तक ठंडा होने के बाद आप अपनी पसंदीदा शेप में काट लें। आप इसको एयरटाइट कंटेनर में तीन से चार दिन तक रख सकते हैं।

घर में तवे पर आसानी से बनाएं कुलचा

छोले-कुलचे अधिकतर भारतीय लोगों को पसंद होते हैं। हालांकि, बाहर इन्हें किस तरह बनाया गया है या बनाते समय हाइजीन का ख्याल रखा गया है या नहीं ये कहना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में आप चाहें तो आज घर पर ही बाजार जैसे सॉफ्ट और टेस्टी कुलचे बनाकर खा सकते हैं।

चाहिए होंगी ये चीजें

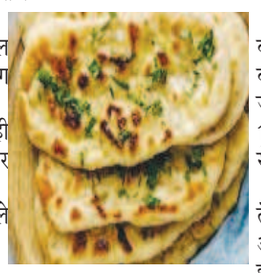

2 कप आटा
2 बड़े चम्मच तेल
1 चम्मच बेकिंग पाउडर
4 बड़े चम्मच दही
आवश्यकतानुसार पानी
1/2 कप उबले मसले हुए आलू
200 ग्राम पनीर
2 बड़े चम्मच कटी हुई धनिया पत्ती
2 बड़े चम्मच कद्दूकस किया हुआ अदरक
2 चम्मच बारीक कटी हुई हरी मिर्च
1 चम्मच भुना हुआ जीरा
1 चम्मच कुटे हुए धनिये के बीज
नमक स्वाद अनुसार
1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर और
आवश्यकतानुसार घी

कैसे बनाएं कुलचा?

इसके लिए सबसे पहले एक बड़े बाउल में आटा लें और इसमें नमक, दही, बेकिंग पाउडर और थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर सॉफ्ट डो तैयार कर लें।

अब, आटे में 2 बड़े चम्मच तेल डालें और अच्छी तरह गूंद लें।

आटे को एक घंटे के लिए ढककर रख दें और तब तक स्टफिंग तैयार कर लें।

इसके लिए एक बाउल में उबले हुए आलू में पनीर को कद्दूकर कर डालें।

अब, इसमें बारीक कटी प्याज, हरा धनिया, 2 बड़े चम्मच कद्दूकस किया हुआ अदरक, 2 चम्मच बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 चम्मच भुना हुआ जीरा, 1 चम्मच कुटे हुए धनिये के बीज, नमक और 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर डालकर हाथों की मदद से अच्छी तरह मिक्स कर लें।

अब, ढककर रखे हुए आटे से छोटी-छोटी लोई तैयार कर लें।प्रत्येक आटे की लोई में स्टफिंग भरें और सील कर दें। अब, लोई को बेलन की मदद से हल्के हाथों से बेलें।कुलचे के ऊपर ब्रश की मदद से थोड़ा पानी लगाएं और कलौंजी और कटी हुई धनिया पत्ती छिड़कें।अब, एक तवा गर्म करें और इसके ऊपर 1/4 कप पानी डाल लें।

पानी डालते ही तवे के ऊपर कुल्चा रखें और तवे को तुरंत ढक दें।कुलचे को तब तक पकने दें जब तक पानी सूख न जाए और निचला भाग सुनहरा न हो जाए।इसके बाद कुलचे के ऊपर घी लगाएं, पलटें और भूरा रंग आने तक पकाएं।

इतना करते ही आपका स्वाद में लाजवाब कुलचा बनकर तैयार हो जाएगा। आप इसे गर्म-गर्म खा सकते हैं।

ट्रंप के 'गोल्डन प्लान' पर फिरा पानी!

› भारत समेत दुनियाभर के कई अमीरों ने किया मना, कहा-नो, थैंक यू

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक नए प्लान के बारे में बताया था। इस प्लान के तहत 5 मिलियन डॉलर यानी करीब 40 करोड़ रुपये में 'गोल्ड कार्ड' वीजा मिलेगा। इस वीजा से अमेरिका में परमानेंट रेजीडेंसी और काम करने की परमिशन मिल जाएगी। लेकिन इस गोल्ड कार्ड वीजा से दुनियाभर के काफी अमीर मुंह मोड़ रहे हैं।

इस कार्ड के बारे में बताते हुए ट्रंप ने कहा था, 'अमीर लोग इस कार्ड को खरीदकर हमारे देश में आएंगे। वे धनी और सफल होंगे।' ट्रंप ने इस कार्ड की बिक्री के जरिए अमेरिका को घाटे से निकालने की भी बात कही थी। वहीं दूसरी ओर दुनिया के सबसे अमीर लोग इस कार्ड में कम रुचि दिखा रहे हैं। फोर्ब्स ने अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका के 18 अरबपतियों का इंटरव्यू लिया। इससे पता चला कि उनकी दिलचस्पी कितनी है। कितने लोगों ने दिखाई दिलचस्पी? इन 18 अरबपतियों में से 13 अरबपतियों ने कहा कि उन्हें गोल्ड कार्ड वीजा खरीदने में कोई दिलचस्पी नहीं है। तीन अरबपति इस बारे में कोई फैसला नहीं कर पा रहे थे। फोर्ब्स को दो अरबपति ऐसे मिले जिन्होंने कहा कि वे इसे खरीदने पर गंभीरता से विचार करेंगे। फोर्ब्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि कई अमीर लोग अमेरिकी नागरिकता की जरूरत ही नहीं समझते और उसे चाहते भी नहीं हैं। कुछ लोग उन देशों से जाना नहीं चाहते जहां उन्होंने अपना बिजनेस बनाया है और अपने परिवार को पाला है।

किस अरबपति ने क्या कहा?

एक कनाडाई अरबपति ने फोर्ब्स को बताया, 'अगर आप अरबपति हैं तो आपको इसकी जरूरत नहीं है।' एक यूरोपीय अरबपति ने कहा, 'मेरी राय में अमीर लोगों के लिए इस प्रोग्राम में जाने का कोई कारण नहीं है।' एक रूसी अरबपति ने कहा, 'जिसके पास बिजनेस आइडिया है, वह इसे अब बहुत सस्ते में कर सकता है, तो 5 मिलियन डॉलर क्यों खर्च करें? मुझे समझ नहीं आ रहा है कि 5 मिलियन डॉलर कौन देगा।'

भारतीय अरबपति की क्या है राय?

फोर्ब्स ने जिन अरबपतियों का इंटरव्यू लिया, उनमें 7 भारतीय भी शामिल हैं। इनमें भारत की दूसरी सबसे बड़ी लिस्टेड हॉस्पिटल चेन के चेयरमैन अभय सोई भी हैं। सभी ने कहा कि उनकी गोल्ड कार्ड में कोई दिलचस्पी नहीं है। अभय सोई ने फोर्ब्स को बताया, 'मैं भारत के अलावा किसी भी देश का नागरिक नहीं बनना चाहूंगा। खासकर इस सदी में।'

टैक्स सबसे बड़ी वजह

अमेरिका का नागरिक न बनने का सबसे बड़ा कारण टैक्स बताया जा रहा है। अमेरिका उन कुछ देशों में से एक है जो अपने नागरिकों की दुनिया भर की इनकम पर टैक्स लगाता है, चाहे वे कहीं भी रहें। फोर्ब्स के सर्वे में कई अरबपतियों के अनुसार, यह अमेरिका की नागरिकता प्राप्त करने में एक बड़ी बाधा है। हालांकि ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि गोल्ड कार्ड धारकों को अमेरिका के बाहर की इनकम पर कोई टैक्स नहीं देना होगा।

फरवरी में 1611 करोड़ यूपीआई ट्रांजैक्शन

कुल 21.96 लाख करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर हुई

सालाना आधार पर 33% बढ़ा लेनदेन

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। फरवरी 2025 में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए 1611 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। इस दौरान इस दौरान कुल 21.96 लाख करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई। ट्रांजैक्शन की संख्या में सालाना आधार पर 33% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, इसके जरिए ट्रांसफर हुई अमाउंट में 20% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी फरवरी 2024 में 1210 करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए 18.28 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ था। वहीं, इस महीने 3 मार्च तक करीब 39 लाख यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए, इसके जरिए 1050 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर गई।

जनवरी के मुकाबले फरवरी में 5% कम ट्रांजैक्शन

एक महीने पहले यानी जनवरी की तुलना में ट्रांजैक्शन की संख्या में 5% की कमी रही। जनवरी में लोगों ने 1699 करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए 23.48 लाख करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई।नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) यूपीआई को रेगुलेट करती है।

यूपीआई को एनसीपीआई ऑपरेट करता है

भारत में आरटीजेस और नेफ्टी पेमेंट सिस्टम का ऑपरेशन आरबीआई के पास है। आईएमपीएस, रुपेय, यूपीआई जैसे सिस्टम को नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ऑपरेट करती है। सरकार ने 1 जनवरी 2020 से यूपीआई ट्रांजैक्शन के लिए एक जीरो-चार्ज फ्रेमवर्क मैंडेटरी किया था।

अगर, आपके पास उसका यूपीआई आईडी (ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर या आधार नंबर) है तो आप अपने स्मार्टफोन के जरिए आसानी से पैसा भेज सकते हैं। न सिर्फ पैसा बल्कि यूटिलिटी बिल पेमेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, खरीदारी आदि के लिए नेट बैंकिंग, क्रेडिट या डेबिट कार्ड भी जरूरत नहीं होगी। ये सभी काम आप यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस सिस्टम से कर सकते हैं।

भारत में लगातार बढ़ रहे पैसे वाले, 5 साल में होगा तगड़ा इजाफा

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। भारत में अमीरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। एक रिपोर्ट बताती है कि अगले 5 साल में अमीरों की संख्या में 9 फीसदी से ज्यादा की तेजी आएगी। यह रिपोर्ट नाइट फ्रैंक ने जारी की है। इसमें भारत के अलावा दूसरे देशों के अमीरों के बारे में भी बताया है। नाइट फ्रैंक की 'द वेल्थ रिपोर्ट 2025' बुधवार को जारी हुई। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 10 मिलियन डॉलर (करीब 87 करोड़ रुपये) से ज्यादा की संपत्ति वाले अमीर लोगों की संख्या में 2028 तक 9.4 फीसदी की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। 2024 में इनकी संख्या 85,698 थी, जो 2028 तक बढ़कर 93,753 हो सकती है। यह भारत के बढ़ते धन-दौलत का संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में अरबपतियों की संख्या में भी 2024 में पिछले साल के मुकाबले 12 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है।

सेंसेक्स 740 अंक चढ़कर 73,730 के स्तर पर बंद

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन आज यानी बुधवार (5 मार्च) को सेंसेक्स 740 अंक चढ़कर 73,730 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 254 अंक की तेजी रही, ये 22,337 के स्तर पर बंद हुआ। मेटल और सरकारी बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

निफ्टी का मेटल इंडेक्स 4.04% चढ़कर बंद हुआ। सरकारी बैंक के इंडेक्स में 3%, मीडिया में 3.14%, ऑटो में 2.60% और आईटी में 2.13% की तेजी रही। रियल्टी इंडेक्स 2.32% चढ़कर बंद हुआ। हेल्थकेयर और फार्मा इंडेक्स करीब 1.5% चढ़े।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ मे	कुंभ...	05-23 बजे
चंद्र-	वृष मे	मीन....	07-02 बजे
मंगल	मिथुन मे	मेष....	08-38 बजे
बुध-	मीन मे	वृष....	10-22 बजे
गुरु-	वृष मे	मिथुन..	12-22 बजे
शुक्र-	मीन मे	कर्क....	14-35 बजे
शनि-	कुंभ मे	सिंह....	16-48 बजे
राहु-	मीन मे	कन्या...	18-54 बजे
केतु-	कन्या मे	तुला....	21-00 बजे
		वृश्चिक...	23-09 बजे
		धनु.....	01-23 बजे
		मकर....	03-28 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-34 सूर्यास्त - 18-20
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि प्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी . 10-51 तक उपरान्त अष्टमी
मास - फाल्गुन शुक्ल , गुरुवार 06 March
नक्षत्र - रोहिणी 00-05 तक उपरान्त मृगशिरा
योग - विष्कुंभ 20-28 तक उप प्रीति
करण- वणिज 10-51 तक उप विष्टी
विशेष:- भद्राकाल 10-51 से
व्रत -त्योहार - होलाष्टक कल से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:56 से 15:25 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:34 - 08:01 शुभ	अमृत	18:20 - 19:54 शुभ
रोग	08:01 - 09:30 अशुभ	चंचल	19:54 - 21:25 शुभ
उत्पात	09:30 - 10:59 अशुभ	रोग	21:25 - 22:56 अशुभ
चंचल.	10:59 - 12:27 शुभ	काल	22:56 - 00:27 अशुभ
लाभ.	12:27 - 13:56 शुभ	लाभ.	00:27 - 01:58 शुभ
अमृत	13:56 - 15:25 शुभ	उत्पात	01:58 - 03:29 अशुभ
काल.	15:25 - 16:54 अशुभ	शुभ	03:29 - 05:00 शुभ
शुभ	16:54 - 18:20 शुभ	अमृत.	05:00 - 06:34 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृत्ति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं । पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं । ,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी । आप विशेष लय में हैं । आज का दिन सार्थक होगा । मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें । आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेंगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है ।अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है । आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहें हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा । आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अमेरिकी बाजारों में बढ़ेगा भारतीय उत्पादों का निर्यात

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के चीन, मेक्सिको व कनाडा पर उच्च टैरिफ लगाने से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में निर्यात बढ़ाने में मदद मिल सकती है। ट्रंप प्रशासन ने मेक्सिको और कनाडा पर 25 फीसदी पर टैरिफ लगा दिया है। साथ ही, सभी चीनी आयातों पर शुल्क को दोगुना कर 20 फीसदी कर दिया है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत एससी रल्हन ने कहा, तीनों देशों पर टैरिफ लगाने से कृषि, इंजीनियरिंग, मशीन टूल्स, परिधान, कपड़ा, रसायन और चमड़ा जैसे क्षेत्रों में भारतीय निर्यातकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। रल्हन ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए उच्च टैरिफ चीन, मेक्सिको और कनाडा से अमेरिका को होने वाले निर्यात को प्रभावित करेंगे, क्योंकि वे अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करेंगे। इससे निर्यात के मोर्चे पर तीनों देश कम प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। यह भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ा अवसर है और इन्हें अमेरिकी बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए इनका लाभ उठाना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान जब अमेरिका ने चीन आयातित वस्तुओं पर उच्च टैरिफ लगाया था, तब भारत चौथा सबसे बड़ा लाभार्थी रहा था।

संभावना...अमेरिकी कंपनियों से आएगा निवेश

आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई का कहना है कि अमेरिका के इस फैसले से व्यापार युद्ध गहराने की आशंका बढ़ गई है। इससे भारत को अमेरिका के बाजारों में अपने निर्यात बढ़ाने और अमेरिकी कंपनियों से निवेश आकर्षित करने में मदद मिलने की उम्मीद है। चीनी उत्पादों पर उच्च टैरिफ भारत के लिए अपने विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान करता है।

सरकार ने प्लैटिनम मिश्र धातु के आयात पर लगाया प्रतिबंध

आयातकों को अब लेनी होगी डीजीएफटी से मंजूरी

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार ने बुधवार को 99 प्रतिशत से कम शुद्धता वाले प्लैटिनम मिश्र धातु पर आयात प्रतिबंध लगा दिया। सरकार की ओर से यह कदम भारी मात्रा में सोने के साथ मिश्रित इस बहुमूल्य धातु के अवैध आयात पर अंकुश लगाने के लिए उठाया गया है। ऐसे प्लैटिनम मिश्र धातुओं के आयातकों को अब इनबाउंड शिपमेंट के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) से आयात प्राधिकरण प्राप्त करना आवश्यक है।

यह निर्णय ऐसे कुछ मामलों के बाद लिया गया है, जहां सोने और प्लैटिनम के बीच टैरिफ अंतर का फायदा उठाने के लिए इस मिश्र धातु को काफी मात्रा में सोने के साथ मिश्रित करके आयात किया गया था। डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में कहा, प्लेटिनम की आयात नीति को मुक्त से संशोधित कर प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह बदलाव प्लैटिनम के भार के अनुसार 99 प्रतिशत या उससे अधिक शुद्धता वाले प्लैटिनम मिश्र धातु पर लागू नहीं होगा।

आभूषण निर्माण और औद्योगिक उपयोग के लिए प्लैटिनम की आपूर्ति सुचारू बनी रहे इसके लिए सरकार ने 99 प्रतिशत या उससे अधिक शुद्धता वाले प्लैटिनम मिश्र धातु के अप्रतिबंधित आयात की मंजूरी दे दी है। आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई ने पिछले वर्ष भारत-यूएई व्यापार समझौते की तत्काल समीक्षा की मांग की थी। समझौते में कहा गया था कि यह समझौता शून्य टैरिफ के साथ यूएई से भारत में सोने, चांदी, प्लैटिनम और हीरे के असीमित आयात की अनुमति देता है। जीटीआरआई ने कहा था कि वर्तमान में दुबई से सोने का आयात 5 प्रतिशत शुल्क पर किया जा सकता है, लेकिन यदि मिश्र धातु में 2 प्रतिशत प्लैटिनम है तो यह तीन वर्षों में शून्य हो जाएगा। जीटीआरआई ने यह भी दावा किया था कि कई आयात मूल नियमों की शर्तों को पूरा नहीं करते हैं और इसलिए, रियायतों के लिए योग्य नहीं हैं।

अक्तूबर 2024 में, भारत ने यूएई से चांदी के उत्पादों, प्लैटिनम मिश्र धातु और सूखे खजूर के आयात में उछाल पर चिंता जताई और देश से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत नियमों को दरकिनार न किया जाए। यूएई ने भारत द्वारा उठाई गई चिंताओं की जांच करने पर सहमति जताई थी।

सोना 114 रुपये बढ़कर 86546 रुपये पर पहुंचा

चांदी 492 रुपये महंगी होकर 95785 रुपये किलो बिक रही

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दामों में आज यानी 5 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 114 रुपए बढ़कर 86,546 रुपए पर पहुंच गया है। मंगलवार को सोने का दाम 86,432 रुपए पर था। 19 फरवरी को गोल्ड ने 86,733 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था।

वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 492 रुपए चढ़कर 95,785 रुपए प्रति किलो हो गई है। कल चांदी का भाव 95,293 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 88,130 रुपए है।

› **मुंबई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,980 रुपए है।

› **कोलकाता :** 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 80,650 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 87,980 रुपए है।

› **चेन्नई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,980 रुपए है।

› **भोपाल :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 80,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,430 रुपए है।

इस साल अब तक 10,384 रुपए महंगा हो चुका है सोना।

प्रॉपर्टी का हक महिलाओं को बनाएगा सशक्त! आत्मविश्वास बढ़ेगा, पैसे की बचत भी होगी

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। महिलाओं को आमतौर पर घर की मालकिन माना जाता है, लेकिन ऐसा जरूरी नहीं कि मालिकाना हक भी उन्हीं का हो। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण पांचवें चरण के मुताबिक भारत में 15 से 49 वर्ष की केवल 13 फीसद महिलाओं के पास घर का मालिकाना हक है, जबकि अन्य 29 फीसद महिलाओं के पास संयुक्त रूप से घर का स्वामित्व है। देश में केवल 8.3 फीसद महिलाएं भू-स्वामी हैं, जबकि 23.4 फीसद महिलाएं संयुक्त-रूप से भूमि पर अधिकार रखती हैं। प्रॉपर्टी के हक से जुड़ा आधी आबादी का यह आंकड़ा चिंताजनक है, जबकि महिला के नाम पर प्रॉपर्टी खरीदने से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा साथ ही पैसे की बचत होगी। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के मुताबिक महिलाओं के मुकाबले पुरुषों के पास ज्यादा संपत्ति का अधिकार है। कुल मिलाकर, 42.3 फीसद महिलाओं और 62.5 फीसद पुरुषों के पास घर का अधिकार है, जबकि 31.7 फीसद महिलाओं और 43.9 फीसद पुरुषों के पास अकेले या किसी और के साथ संयुक्त रूप से जमीन का स्वामित्व है। जमीन और घर का स्वामित्व न केवल महिलाओं को सशक्त बनाता है, बल्कि उनके लिए आय सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। यह अधिकार पारिवारिक फैसले लेने में उन्हें सार्थक आवाज देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

स्टाम्प ड्यूटी में छूट

भारत के कई राज्यों में पुरुषों की तुलना में महिला संपत्ति मालिकों के लिए स्टाम्प ड्यूटी कम है। दिल्ली में स्टाम्प ड्यूटी 6% है जबकि महिला खरीदारों के लिए यह 4% है। इसी तरह कई अन्य राज्य महिलाओं को स्टाम्प ड्यूटी में 1 से 2 फीसद तक की छूट का प्रावधान है।

10 में से 5 कर्मचारी चाहते हैं नौकरी छोड़ना : सर्वे रिपोर्ट

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। ऐसी कहावत है कि कोई भी व्यक्ति अपनी नौकरी को लेकर संतुष्ट नहीं है। लेकिन, ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है कि कर्मचारी अपनी नौकरी को ही छोड़ने को मन बना लें। लेकिन रैंडस्टैड इंडिया के वर्कमॉनिटर 2025 सर्वे के नतीजे से ऐसा ही कुछ लगता है। इसके परिणाम आज जारी हुए हैं। इस सर्वे में भारतीय कर्मचारियों की बदलती प्राथमिकताओं पर रोशनी डाली गई है। सर्वे के मुताबिक, 52% कर्मचारी ऐसी नौकरियां छोड़ने को तैयार हैं जो उन्हें काम करने का लचीलापन नहीं देतीं। रिपोर्ट में एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है। 60% कर्मचारी अपनी नौकरी छोड़ देना चाहते हैं, अगर उनके मैनेजर के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं। इस समय दुनिया भर में कार्यस्थल वर्कप्लेसेस के माहौल में बदलाव देखने को मिल रहा है। कर्मचारी अब ऐसी जगह काम करना चाहते हैं जो उनके अनुकूल हो, जहां उन्हें समानता मिले और जो भविष्य के लिए तैयार हो। भारत में भी यही ट्रेंड दिख रहा है। रैंडस्टैड वर्कमॉनिटर सर्वे 22 सालों से चला आ रहा है। यह सर्वे दिखाता है कि कैसे तकनीक के बढ़ते प्रभाव, बदलते सामाजिक मूल्यों और उद्देश्यपूर्ण काम पर जोर देने से भारत में कर्मचारियों की सोच बदल रही है।

नौकरी ढूंढने वालों की संख्या बढ़ी

इस साल के सर्वे परिणाम से पता चलता है कि नौकरी ढूंढने वालों की संख्या थोड़ी बढ़ी है। यह 57% से बढ़कर 59% हो गई है। लेकिन, कर्मचारियों की प्राथमिकताओं में बड़ा बदलाव आया है। पहले पैसा सबसे महत्वपूर्ण होता था। अब काम का लचीलापन, अपनापन और सीखने-विकसित होने के मौके ज्यादा मायने रखते हैं। सर्वे बताता है कि कर्मचारी अब सिर्फ पैसों के लिए काम नहीं करना चाहते। वे ऐसा काम चाहते हैं जो उनके अपने मूल्यों और जीवन के लक्ष्यों से मेल खाता हो। नौकरी की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान और काम और निजी जीवन में संतुलन अब ज्यादा जरूरी हो गए हैं। पैसे का महत्व अब चौथे नंबर पर आ गया है। यह दिखाता है कि लोग नौकरी को अब सिर्फ कमाई का जरिया नहीं समझते। लगभग 69% भारतीय कर्मचारी काम की जगह पर अपनापन महसूस करना चाहते हैं। दुनिया भर में यह आंकड़ा 55% है। यह बदलाव दिखाता है कि लोग अब एक ऐसी कार्य संस्कृति चाहते हैं जहां सभी को समानता मिले।

भारत माला प्रोजेक्ट, टुकड़ों में जमीन बांटकर 43 करोड़ का घोटाला

एसडीएम-पटवारी के सिंडिकेट ने बैक-डेट पर बनाए दस्तावेज, एनएचएआई को दिखाया 78 करोड़ का भुगतान

रायपुर, 5 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। भारत माला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर-विशाखापट्टनम तक बन रही (वाइजैग) इकोनॉमिक कॉरिडोर में जमीन अधिग्रहण में गड़बड़ी के मामले में शासन ने जगदलपुर निगम कमिश्नर निर्भय साहू को सस्पेंड कर दिया है। निर्भय पर कार्रवाई जांच रिपोर्ट तैयार होने के 6 महीने बाद हुई है।

निर्भय कुमार साहू सहित पांच अधिकारी-कर्मचारियों पर 43 करोड़ 18 लाख रुपए से अधिक राशि की गड़बड़ी का आरोप है। किस तरह से मुआवजा राशि के नाम पर सरकारी पैसों का बंदरबाट हुआ?

इस पूरे घोटाले में कौन-कौन शामिल था, रिपोर्ट :-

छत्तीसगढ़ के अवर सचिव को 8 अगस्त 2022 को धमतरी निवासी शिकायतकर्ता कृष्ण कुमार साहू और हेमंत देवांगन ने शिकायत की थी, कि भारत माला परियोजना के तहत रायपुर विशाखापट्नम इकोनॉमिक कॉरिडोर के लिए अधिग्रहित की गई जमीन का मुआवजा बांटने के नाम पर अधिकारियों ने पैसों का बंदरबाट किया। उनकी जमीन का खसरा बदल दिया गया। पूर्व खसरे पर उस राशि का भुगतान दिख रहा है।

एसडीएम, नायब तहसीलदार और पटवारी से इसकी शिकायत की है, लेकिन वो समाधान नहीं कर रहे हैं। इन अफसरों ने

> पूर्व अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में कमेटी गठित करके जांच कराई गई। रिपोर्ट शासन को भेज दी थी। अब जो निर्देश आ रहा है, उसका पालन किया जाएगा।
>
> **कीर्तिमान सिंह राठौर**
> अपर कलेक्टर, रायपुर

दस्तावेजों में हेर-फेर कर भू-माफियाओं की मदद से शासन के पैसों का दुरुपयोग किया है।

पीड़ितों की सूचना पर अवर सचिव ने मामले में रायपुर कलेक्टर को जांच करने के निर्देश दिए थे। अवर सचिव के निर्देश पर कमेटी बनी और जांच बैठी, तो पता चला, कि अभनपुर इलाके में पदस्थ तत्कालीन अधिकारियों ने जमीनों के खसरों में हेरफेर करके संबंधित इलाके में 29.5 करोड़ की जगह 78 करोड़ का भुगतान कर दिया।

जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को भेज दी थी। जांच अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर पहली कार्रवाई तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी निर्भय कुमार साहू पर हुई है।

मुआवजा घोटाले की जांच की जिम्मेदारी रायपुर कलेक्टर ने अपर कलेक्टर विरेंद्र बहादुर पंचभाई और निधि साहू को दी थी। इन अधिकारियों ने जांच के बाद घोटाला होने की पुष्टि की थी। घोटाले में शामिल अफसरों से शासकीय राशि को वसूला जाए, इस बात का जिक्र भी किया था। यह रिपोर्ट जुलाई 2024 को तैयार करके भेजी गई थी। जिसके आधार पर शासन ने अब कार्रवाई शुरू की है।

राजस्व विभाग के मुताबिक मुआवजा करीब 29.5 करोड़ का होता है। अभनपुर के ग्राम नायकबांधा और उरला में भू-माफियाओं ने राजस्व अधिकारियों के साथ मिलकर जमीन को छोटे टुकड़ों में काटकर 159 खसरे में बांट दिया। मुआवजा के लिए 80 नए नाम रिकॉर्ड में चढ़ा दिया गया। जिससे 559 मीटर जमीन की कीमत करीब 29.5 करोड़ से बढ़कर 78 करोड़ रुपए पहुंच गई। अभनपुर बेल्ट में 9.38 किलोमीटर के लिए 324 करोड़ मुआवजा राशि निर्धारित की गई। जिसमें से 246 करोड़ रुपए मुआवजा दिया जा चुका है। वहीं 78 करोड़ रुपए का भुगतान अभी रोक दिया गया है।

अवर सचिव के निर्देश पर बनी जांच रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख है, कि अभनपुर इलाके में पदस्थ अधिकारियों ने बैक डेट में जाकर दस्तावेजों में गड़बड़ी की और जमीन मालिक को नुकसान पहुंचाया। इसका खुलासा इस बात से अफसरों ने किया, कि अभनपुर के ग्राम नायक बांधा और उरला में चार एकड़ जमीन जो सर्वे से पहले एक परिवार के पास थी।

वो सर्वे होने के ठीक कुछ दिन पहले एक ही परिवार के 14 लोगों के नाम पर बांट दी गई। इसके बाद एक ही परिवार के सदस्यों को 70 करोड़ रुपए की मुआवजा का भुगतान कर दिया गया। जांच अधिकारियों ने तत्कालीन अफसरों की इस कार्यप्रणाली का सीधा जिक्र अपनी जांच रिपोर्ट में किया है।

रायपुर विशाखापट्णम इकोनॉमिक कॉरिडोर में हुई आर्थिक गड़बडी पर एनएचएआई के अधिकारियों ने भी आपत्ति जताई थी। एनएचएआई की आपत्ति के बाद जांच रिपोर्ट को सचिव राजस्व विभाग को भेजा गया था और मुआवजा वितरण रोका गया था।

जिला प्रशासन के अधिकारी जांच रिपोर्ट भेजकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। मुआवजा घोटाले में शासकीय राशि का बंदरबाट हुआ, उसकी रिकवरी किस तरह होगी? इस सवाल का जवाब अफसरों के पास नहीं है। अफसर पूरे मामले में मौन बैठे हैं? जूनियर अधिकारियों से केस में चर्चा करने की बात बोलकर जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी इसमें बयानबाजी करने से भी बच रहे हैं। मुआवजा घोटाले में रिव नाम के व्यक्ति की मुख्य भूमिका बताई जा रही है। इसकी शिकायत बीजेपी नेता ननकीराम कंवर ने पत्र लिखकर 28 नवंबर 2024 को पीएम मोदी से की थी। चिट्ठी में मुआवजा घोटाले में शामिल अफसरों का नाम लिखा था और प्रोजेक्ट की जानकारी भू-माफियाओं को लीक करने की बात भी लिखी थी। इसमें जिन अफसरों का नाम लिखा हुआ था, उनमें से कई अफसर अभी भी जांच के दायरे के बाहर है।

दंतेवाड़ा में विश्व प्रसिद्ध फागुन मेला शुरू

600 साल पहले शिकार से शुरू हुई परंपरा, 15 मार्च तक निभाई जाएंगी रस्में, 1000 देवी-देवता पहुंचेंगे

जगदलपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में आज 5 मार्च को कलश स्थापना के बाद प्रसिद्ध फागुन मेला की शुरुआत होगी। आज पहली पालकी निकलेगी। 15 मार्च को देवी-देवताओं की विदाई तक फागुन मेला चलेगा। हर दिन मां दंतेश्वरी की विशेष पूजा अर्चना होगी। साथ ही आखेट की विभिन्न रस्म अदा कर 600 साल पुरानी परंपरा निभाई जाएगी।

इससे पहले बसंत पंचमी के दिन दंतेश्वरी मंदिर में त्रिशूल की स्थापना की गई। फागुन मेला में शामिल होने छत्तीसगढ़ के अलावा ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे राज्यों से भी 1 हजार से ज्यादा देवी-देवता आएंगे। वहीं इस साल फागुन मेला के लिए टेंपल कमेटी ने करीब 45 लाख रुपए का बजट रखा है। किवदंतियों के मुताबिक, करीब 600 साल पहले आखेट (शिकार) प्रचलित था। जंगली जानवर किसानों की फसलें खराब कर देते थे। ग्रामीण इस समस्या के निदान के लिए राजा-महाराजा के पास गए। तब तत्कालीन राजा ने जानवरों का शिकार करना शुरू किया था। राजा जब शिकार करते, तो दैवीय शक्ति की वजह से तीर लगने के बाद भी जानवर मरते

नहीं थे। फिर राजा ने जानवरों के शिकार के लिए आराध्य देवी माता दंतेश्वरी की आराधना कर अनुमति ली थी। इसके बाद शिकार शुरू किया गया था। अनुमति लेने वाले दिन से ही फागुन मड़ई की शुरुआत हुई थी। इसके बाद धीरे-धीरे स्थानीय देवी-देवताओं को भी इस मड़ई में शामिल किया जाने लगा। दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी मंदिर के पुजारी लोकेंद्र नाथ जिया की माने तो फागुन मेला आखेट (शिकार) के लिए प्रसिद्ध है। इसमें रस्में तिथि और समय के अनुसार 10 से 11 दिनों तक चलती हैं। अब शिकार का नाट्य रूपांतरण कर परंपरा निभाई जाती है। हर साल बसंत पंचमी के दिन माता दंतेश्वरी के मंदिर में गरुड़ स्तंभ के सामने त्रिशूल स्थापित किया जाता है। यह मेला शुरू करने की सबसे पहली रस्म होती है। फिर कुछ दिन बाद फागुन महीने में देवी की पूजा समेत दूसरी रस्में शुरू होती हैं। इस बीच मेले में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र तैयार किया जाता है, जिसे देवी-देवताओं को भेजा जाता है। फागुन मेले में नवरात्रि की ही तरह माता दंतेश्वरी की 9 दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना होती है। 10वें दिन यानी होली के दिन मेला भरता है। यहां ताड़ के पत्तों से होलिका दहन करने की परंपरा भी है। मेले के अंत में देवी-देवताओं को विदाई दी जाती है। श्रीफल और नेग भी दिया जाता है। पिछले साल बस्तर के अलावा ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र बॉर्डर से भी देवी-देवता आए थे।

आईईडी ब्लास्ट में तीन जवान घायल

रांची के राज अस्पताल में चल रहा इलाज, सीआरपीएफ के सर्च ऑपरेशन अभियान के दौरान हादसा

चाईबासा, 5 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा के जंगल में नक्सलियों की ओर से लगाया गया आईईडी ब्लास्ट कर गया है। इस आईईडी ब्लास्ट में बटालियन 197 के सहायक कमांडेंट जी जे साईं, हवलदार सह रेडियो ऑपरेटर वीटी राव के अलावा कॉन्स्टेबल धर्मेंद्र घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक आईईडी ब्लास्ट की यह घटना झारखंड-ओडिशा बॉर्डर के बालिबा और बाबुडेरा जंगल में हुई है।

पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार से एक विशेष जॉइंट अभियान पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा एवं जराइकेला थाना के सीमावर्ती जंगली और पहाड़ी इलाकों में शुरू किया गया है। आज इसी के तहत सुबह 8:40 बजे छोटानागरा थाना अंतर्गत बालिबा के आसपास आईडी विस्फोट हुआ। वहीं रास्ते में गड्ढा करके स्पाइक हॉल (गड्ढे में लगा लोहे का तीर) बनाया गया था। इन दोनों की चपेट में तीन जवान आ गए। सभी सीआरपीएफ के 197 बटालियन के हैं।

घायल जवानों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची एयरलिफ्ट किया गया। उन्हें घटनास्थल से हेलिकॉप्टर के जरिए रांची एयरपोर्ट लाया गया। जिसके बाद ग्रीन कॉरिडोर बना कर सभी जवानों को रांची के राज अस्पताल लाया गया, जहां सभी का इलाज किया जा रहा है। सभी जवानों की स्थिति स्थिर है।

अस्पताल में इलाजरत जवानों को हाल पूछने डीजीपी अनुराग गुप्ता भी पहुंचे। उन्होंने जवानों का हौसला बढ़ाया। साथ ही कहा कि राज्य में नक्सली अपनी अंतिम सांसें गिन रहे हैं। जो आईईडी ब्लास्ट हुआ है वह काफी पुराना है। साथ ही कहा कि अभी यहां जवानों का इलाज चल रहा है। अगर जरूरत पड़ी तो दूसरे जगह भी उन्हें ले जाया जाएगा।

चाईबासा के जंगलों में चल रहे अभियान में सुरक्षाबलों ने एक करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा को ढूंढने के लिए मोर्चा संभाला है। सीआरपीएफ 197 बटालियन के कोबरा जवानों और बम निरोधक स्क्वॉड के साथ जंगलों में आईईडी क्लीनिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

खबर मिली थी कि नक्सलियों ने इलाके में बड़े पैमाने पर आईईडी लगाए थे। सुरक्षाबल इन आईईडी को नष्ट करने में जुटे हुए थे, तभी आज एक आईईडी में ब्लास्ट हो गया।

एंटी नक्सल अभियान के तहत नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है।

झारखंड सरकार 8 मार्च को देगी 'होली गिफ्ट'

50 लाख महिलाओं के खाते में आएंगे 5000 रुपये

रांची, 5 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में मंईयां सम्मान योजना की राशि होली से पहले मिलने की उम्मीद है। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग इसकी तैयारी में जुटा है। कई लाभार्थियों के बैंक खाते आधार से लिंक नहीं हैं। इसलिए राशन कार्ड से सत्यापन करके पैसा ट्रांसफर किया जा सकता है। जनवरी और फरवरी महीने का पैसा एक साथ दिया जाएगा। पैसा भेजने का काम 8 मार्च के बाद शुरू होगा। होली से पहले सभी को पैसा मिल जाएगा।

बता दें कि मंईयां सम्मान योजना झारखंड सरकार की एक योजना है। इस योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जाती है। इससे पहले दिसंबर 2024 में लाभार्थियों को पैसा दिया गया था। उसके बाद सरकार ने सभी जिलों से लाभार्थियों का सत्यापन करने को कहा था। इस योजना का लाभ लेने के लिए कुछ शर्तें हैं। आवेदिका झारखंड की निवासी होनी चाहिए। उसके पास मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड और आधार से लिंक बैंक खाता होना चाहिए। सरकार ने दिसंबर तक इनमें से एक शर्त में छूट दी थी। अगर लाभार्थी का बैंक खाता आधार से लिंक नहीं है, तो भी उसे दिसंबर तक का पैसा दिया गया था।

जनवरी से पैसा नहीं मिलने का मुख्य कारण यही शर्त है। अभी भी कई लाभार्थियों के बैंक खाते आधार से लिंक नहीं हैं। विभाग ने इस शर्त में मार्च तक छूट देने का प्रस्ताव भी तैयार किया था। लेकिन अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। इसलिए विभाग राशन कार्ड के आधार पर पैसा ट्रांसफर कर सकता है। राज्य में लगभग 40 लाख से ज्यादा लाभार्थियों के राशन कार्ड का सत्यापन हो चुका है। सत्यापन से पता चला है कि राशन कार्ड सही हैं और लाभार्थी झारखंड की निवासी हैं।

पैसा देने की प्रक्रिया 8 मार्च के बाद शुरू होगी। जनवरी और फरवरी, दो महीने का पैसा एक साथ दिया जाएगा। होली से पहले सभी को पैसा देने की कोशिश की जा रही है। मार्च महीने का पैसा भी जल्द दिया जाएगा। विभाग इस काम में तेजी से लगा हुआ है। दिसंबर 2024 में 56.61 लाख लाभार्थियों को पैसा दिया गया था। अब इस संख्या में कमी आ सकती है। पलामू प्रमंडल में ही लगभग दो लाख फर्जी लाभार्थी मिले हैं। पूरे राज्य में ऐसे फर्जी लाभार्थियों की संख्या पांच लाख से अधिक होने का अनुमान है।

दरअसल, सरकार की कोशिश है कि योजना का लाभ असली लाभार्थियों तक पहुंचे। इसलिए आधार और बैंक खाते को जोड़ना जरूरी बनाया गया है। लेकिन जिनके खाते लिंक नहीं हैं, उन्हें भी राशन कार्ड के आधार पर पैसा दिया जा सकता है।

रायपुर में मेयर बदलने के बाद पहला एक्शन

सालों से जमे कब्जों पर चला बुलडोजर, सड़क किनारे अवैध ठेलों को किया जब्त

रायपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर में मेयर मीनल चौबे के पदभार ग्रहण करने बाद निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने पहला एक्शन लिया है। मौदहापारा इलाके में सालों से जमे अवैध कब्जों को हटाया गया है। इस दौरान बड़ा संख्या में निगम अधिकारियों के साथ पुलिस की टीम भी मौजूद रही।

मंगलवार को जयस्तंभ चौक से फाफाडीह चौक जाने वाली सड़क के सामने अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। साथ ही सड़क में लगे ठेले-गुमटियों को भी जब्त किया गया।

मंगलवार सुबह से ही नगर निगम और पुलिस की टीम अवैध दुकानों और ठेलों को हटाने की कार्रवाई कर रही थी। जिस समय ये कार्रवाई की जा रही थी उस समय निगम अमला बुलडोजर लेकर पहुंचा था। साथ ही दुकान के बाहर सड़क पर बोर्ड और सामान फैलाकर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के सामान भी जब्त किए गए हैं।

जहां निगम ने एक्शन लिया है वह शहर की प्रमुख सड़कों में से एक है। अधिकारियों ने बताया कि सड़क किनारे दुकान लगाने और कब्जे से कारण रोजाना लंबा जाम लगता है। जिसके कारण पब्लिक को परेशानी होती है। आज कार्रवाई करते हुए दुकानदारों को भी समझाइश दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि जहां सड़कों से आगे बढ़ाकर होर्डिंग्स लगाई गई है। ऐसे दुकानदारों पर भी जब्ती की कार्रवाई की गई है। अवैध अतिक्रमण के खिलाफ ये एक्शन लगातार जारी रहेगा। सड़कों के किनारे खड़ी कंडम गाड़ियों को भी जब्त किया जा रहा है।

यातायात बाधित करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। यह टीम रोजाना यातायात बाधित होने वाले सड़कों पर पहुंचेगी और कार्रवाई करेगी।

जिस केस के लिए जेल गए भूपेश बघेल, उस मामले में कोर्ट ने किया बरी

सियासी भूचाल लाने वाला सेक्स सीडी कांड

रायपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को अश्लील सीडी कांड में सभी आरोपों से मुक्त कर दिया है। सीबीआई की विशेष अदालत ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया था। भूपेश बघेल के अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। वर्ष 2017 में सामने आई इस सीडी में कथित तौर पर तत्काली भाजपा सरकार के एक मंत्री का होना बताया गया था, हालांकि बाद में कुछ मीडिया में सीडी के फर्जी होने की भी जानकारी आई थी। बघेल के अधिवक्ता

मनीष दत्त ने बताया कि विशेष न्यायाधीश भूपेश कुमार बसंत ने भूपेश बघेल के आवेदन पर विचार किया और उन्हें राहत देते हुए कहा कि मामले में दायर आरोप पत्र में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। दत्त ने जानकारी दी कि अदालत ने कहा कि बघेल के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। इस घटनाक्रम के बाद, बघेल ने अपने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''सत्यमेव जयते।'' कांग्रेस प्रदेश कमेटी के संचार शाखा के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, ''सीबीआई अदालत ने बघेल जी को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया है, यह देखते हुए कि उनके खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है।

झारखंड के खदानों को कर देंगे बंद

हेमंत सोरेन ने 1.36 लाख करोड़ रुपए बकाया को लेकर केंद्र को फिर दी चेतावनी

गिरिडीह, 5 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गिरिडीह में झारखंड मुक्ति मोर्चा के 52वें स्थापना दिवस पर केंद्र सरकार से बकाया राशि की मांग की। सीएम हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। हेमंत सोरेन ने जेएमएम के स्थापना दिवस पर कहा कि अगर केंद्र सरकार 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया नहीं देती है, तो राज्य की खदानें बंद कर दी जाएंगी। यहां से एक छटाक भी खनिज नहीं जाने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए राशि नहीं मिली, इसलिए राज्य सरकार ने अबुआ आवास योजना शुरू की है।

प्रेमी जोड़े ने फांसी लगाई रिश्ते में ममेरे भाई-बहन

शादी में जाने निकली थी युवती युवक के गले में मिला सुसाइड नोट

गरियाबंद, 5 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में प्रेमी जोड़े ने बरगद के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। युवक के गले में सुसाइड नोट भी मिला है। रिश्ते में दोनों ममेरे भाई-बहन लगेंगे। घटना राजिम थाना इलाके के कुम्ही गांव की है।

जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान फिंगेश्वर के खुटेरी गांव निवासी टोकेश्वरी साहू और कुम्ही गांव निवासी टिकेश्वर साहू के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के बयान लिए जा रहे हैं।

लड़की के पिता पवन कुमार साहू ने बताया कि, टिकेश्वर उसकी बेटी के मामा का बेटा था। टोकेश्वरी 3 दिन पहले परिवार में होने वाली एक शादी में शामिल होने के लिए घर से निकली थी। लेकिन जब घर नहीं लौटे तो पता लगाया गया। इसी दौरान दोनों की लाश बरामद हुई।

जिससे स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद राजिम पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा कर दोनों के शव को नीचे उतारा गया। लड़के के गले से एक सुसाइड नोट मिला है।

हालांकि उसमें क्या लिखा है यह पुलिस ने सार्वजनिक नहीं किया है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

तेंदुए ने मुर्गे को खाया और कुत्ते पर किया अटैक

कांकेर में डॉक्टर-शिक्षक के घर में घुसा, 2024 में 3 बच्चों पर हमला, एक की मौत

कांकेर, 5 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में तेंदुए का आतंक है। मंगलवार की रात एक शिक्षक के घर में घुस गया। सामान के पीछे छिपकर बैठा रहा। करीब 3 घंटे बाद जंगल की तरफ भाग गया। बताया जा रहा है कि तेंदुआ 2 दिन में 3 अलग-अलग जगहों पर दिखा है। मामला कांकेर और सरोना रेंज का है।

इसके अलावा 4 मार्च की रात भी तेंदुआ मुर्गे का शिकार कर भाग गया था। इसके अलावा 3 मार्च को वेटनरी डॉक्टर के घर में घुसा। आंगन में बंधे पालतू कुत्ते पर हमला किया। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें तेंदुआ दीवार पर चढ़ते दिख रहा है। 2024 में 3 बच्चों पर भी अटैक कर चुका है, जिसमें एक की जान चली गई है।

पहला मामला 3 मार्च की रात का है। सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी नरेश सिंह के घर में तेंदुआ घुसा। उस वक्त नरेश सिंह अपने घर में सो रहे थे। तेंदुए ने घर में बंधे पालतू कुत्ते पर अटैक कर दिया, जिससे कुत्ता भौंकने लगा। आवाज सुनकर नरेश सिंह जाग गए। नरेश सिंह घर से बाहर निकले तो तेंदुआ कुत्ते पर हमला कर रहा था। इसके बाद नरेश ने डंडे लेकर तेंदुए को भगाया और कुत्ते की जान बचाई। उन्होंने कुत्ते को रेबीज का इंजेक्शन लगाया। गांव में यह तेंदुए के हमले की तीसरी घटना है। इन घटनाओं से लोगों में डर का माहौल है। दूसरा मामला दुधावा गांव है। यहां 4 मार्च यानी मंगलवार की सुबह 5 बजे तेंदुआ राजेंद्र नेताम के घर में खिड़की से घुस गया। मकान मालिक राजेंद्र नेताम तुरंत बाहर निकल गए और वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर जाल बिछाया। टीम ने कच्चे मकान की छत से खप्पर को हटाई और बांस से हलचल की। करीब ढाई घंटे की कोशिश के बाद तेंदुआ बाहर निकला। वह जाल को को फांदकर जंगल की तरफ भाग गया। इससे पहले दुधावा में इसी तेंदुए ने तीन बार हमला किया है। वहीं 4 मार्च यानी मंगलवार की रात माकड़ी में बाजार चौक पर तेंदुआ का आतंक दिखा। यहां दीवार को फांदकर तेंदुआ ऊपर घर में घुस गया। मुर्गे का शिकार कर भाग निकला। तेंदुआ दीवार पर चढ़ते सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। वीडियो में शिकार के दौरान मुर्गे की आवाज स्पष्ट सुनाई पड़ रही है। फुटेज में मुर्गे के पंख भी नीचे गिरते नजर आ रहे हैं। कांकेर रेंजर अब्दुल रहमान खान ने कहा इस बारे में जानकारी नही मिली है, फुटेज के आधार पर जांच करवाया जाएगा।

इसके अलावा 4 अगस्त 2024 को कोड़मुड़ा में तेंदुए ने एक बच्चे को मार डाला। इसके साथ ही 25 सितंबर को नयापारा में एक बच्ची पर हमला किया।

ब्राउन शुगर और जुआ के धंधे को लेकर विवाद

दो गुटों में फायरिंग व चापड़बाजी, 3 घायल, 1 को मुंह में लगी गोली

जमशेदपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। जमशेदपुर के वर्मा माइंस थाना क्षेत्र के कैरेज कॉलोनी में ब्राउन शुगर और जुए के धंधे को लेकर दो गुटों में बीती देर रात हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान 10 से 15 राउंड फायरिंग भी हुई है। इसके अतिरिक्त धारदार हथियार चपड़ से हमला भी किया गया। घर में घुसकर तोड़फोड़ भी हुई। इसमें तीन लोग घायल हो गए। पहले गुट से शाहरुख को पीठ में और उसके चचेरे भाई गुलाम गौस को गाल और कमर के पास चापड़ लगा। दोनों का इलाज एमजीएम अस्पताल में चल रहा है।

वहीं दूसरे गुट से से अफजल को मुंह में गोली लगी। उसका इलाज टीएमएच में हो रहा है। आपसी टकराव की सूचना मिलने पर पहुंची। पुलिस ने 5 खोखा, 1 पिस्तौल और लोडेड मैगजीन बरामद की है। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है।

वहीं एमजीएम अस्पताल में इलाजरत दोनों भाइयों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। देर रात घटना के बाद एमजीएम और टीएमएच में दोनों गुटों के समर्थक और परिवार के लोग पहुंच गए। कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। जानकारी के मुताबिक दोनों एक ही बस्ती के हैं। सभी बचपन के दोस्त हैं। कुछ महीने से अफजल और शाहरुख के बीच धंधे को लेकर विवाद चल रहा था। शाम को अफजल के साथी रज्जाक और शाहरुख गुट के शाहीद के बीच मारपीट हुई। इसी का बदला लेने के लिए झड़प हुई। दोनों गुटों ने पुलिस पर शिकायत के बावजूद कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है।

मारपीट में घायल शाहरुख और गुलाम ने बताया कि रात 11:00 बजे सभी घर में थे। बाहर गाली-गलौज हो रही थी। बाहर निकलने पर देखा कि अफजल, रज्जाक, रकीब, माजीद, शाहबाज और अन्य युवक गाली दे रहे थे। विरोध करने पर अफजल और उसके छोटे भाई ने हवाई फायरिंग शुरू कर दी। शाहरुख ने अफजल के हाथ से पिस्तौल छीनने की कोशिश की। पिस्टल जमीन पर गिर गई। तभी अफजल के घर की महिलाएं भी आ गई। सभी ने मिलकर चापड़ से हमला कर दिया। बीच-बचाव में गुलाम और शाहिद को भी चोट लगी। घटना के बाद भीड़ जुड़ गई। अफजल और उसके साथी भाग निकले। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए ले गई। वहीं टीएमएच में भर्ती अफजल की मां सरीफुल खातून ने बताया कि रात 10:30 बजे वह बेटे को खाना देने के लिए जगा रही थी। तभी शाहरुख, गुलाम गौस, शाहिद और उनके घर की महिलाएं चापड़ और हथियार लेकर घर में घुस गई।

अमेरिकी संसद में संबोधन के दौरान ट्रंप ने क्यों की पाकिस्तान की तारीफ?

अमेरिकी सेना पर हमले से जुड़ा है मामला

वॉशिंगटन, 5 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में संबोधन के दौरान पाकिस्तान का धन्यवाद जताया। ट्रंप ने कहा कि 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के दौरान बम विस्फोट के लिए जिम्मेदार आतंकी की गिरफ्तारी में पाकिस्तान ने अमेरिका की मदद की। इसके अलावा उन्होंने अमेरिकी सेना की वापसी को लेकर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर हमला बोला।

संयुक्त सत्र में संबोधन के दौरान ट्रंप ने कहा कि अमेरिका एक बार फिर से कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवादी ताकतों के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। बाइडन प्रशासन के तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी विनाशकारी और अक्षम थी। यह अमेरिकी इतिहास का सबसे शर्मनाक क्षण था। साढ़े तीन साल पहले आईएसआईएस के आतंकियों ने अफगानिस्तान से सेना की वापसी के दौरान बम विस्फोट करके 13 अमेरिकी सेवा सदस्यों और कई लोगों को मार डाला था।

ट्रंप ने कहा कि मुझे खुशी है कि हमने उस विस्फोट के जिम्मेदार शीर्ष आतंकी को अभी-अभी पकड़ा है। वह अमेरिकी न्याय का सामना करने के लिए यहां पर आ रहा है। मैं इस आतंकी को पकड़ने में मदद करने के लिए पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद देता हूं। यह उन 13 परिवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन है, जिन्होंने हमले में अपनों को खो दिया था। वह वास्तव में बेहद भयानक दिन था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका वाणिज्यिक, सैन्य और अमेरिकी शिपिंग उद्योग को दोबारा जीवित करेगा। इससे हम अपने रक्षा औद्योगिक आधार को बढ़ावा देंगे। हम व्हाइट हाउस में जहाज निर्माण का नया कार्यालय बनाएंगे। इस उद्योग को अमेरिका में लाने के लिए हम विशेष प्रोत्साहन देंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हमें पिछले प्रशासन से एक आर्थिक तबाही और मुद्रास्फीति का बुरा सपना विरासत में मिला है। उनकी नीतियों ने ऊर्जा की कीमतों को बढ़ा दिया। लाखों अमेरिकी लोगों की पहुंच से जीवन की आवश्यकताएं दूर कर दिया। हमने 48 वर्षों में सबसे खराब मुद्रास्फीति का सामना किया। किराने का सामान महंगा किया। बाइडन ने अंडों की कीमतें बेकाबू होने दीं। राष्ट्रपति के रूप में मैं इस क्षति को दूर करने और अमेरिका को फिर से किफायती बनाने के लिए हर दिन लड़ रहा हूं।' ट्रंप ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बचाना है। इसके अलावा हमें कामकाजी परिवार को तत्काल बड़ी राहत देना है।

ट्रंप ने कहा, 'मैंने अब तक लगभग 100 एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स पर साइन किए हैं और छह हफ्ते पहले पद संभालने के बाद 400 से ज्यादा कार्यकारी कदम उठाए हैं। हमारी 43 दिन की सरकार इतिहास की सबसे सफल सरकार है। लोगों ने मुझे इस काम के लिए चुना और मैं यह कर रहा हूं। अब जॉर्ज वाशिंगटन का कार्यकाल दूससे नंबर पर आ गया है। मेरी सरकार अब टॉप पर है।'

पोप फ्रांसिस की सेहत में हुआ सुधार

रात में अच्छी नींद ली लेकिन अभी भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं

वेटिकन, 5 मार्च (एजेंसियां)। न्यूमोनिया की समस्या से जूझ रहे पोप फ्रांसिस की हालत में थोड़ा सुधार हुआ है। पोप फ्रांसिस के ताजा स्वास्थ्य अपडेट में बताया गया है कि बीती रात वह अच्छे से सोए और बुधवार को भी उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। हालांकि अब भी उन्हें वेंटिलेशन पर रखा गया है। वेटिकन ने बताया है कि पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर है, लेकिन अभी भी खतरा टला नहीं है। 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे हैं। युवावस्था में ही उनके एक फेफड़े में समस्या हो गई थी, जिसके चलते उनकी हालत अब और गंभीर है। पोप फ्रांसिस को बाहर से ऑक्सीजन दी जा रही है। पोप को 14 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पोप फ्रांसिस बायलेटरल निमोनिया से पीड़ित हैं। इस संक्रमण में फेफड़ों के अंदर मौजूद एयर सैक्स में सूजन पैदा हो जाती है।

अमेरिकी शख्स ने भारतीय नर्स को बुरी तरह पीटा

चेहरे की हड्डियां फ्रैक्चर, आंखों की रोशनी जाने का खतरा, पुलिस से बोला आरोपी– भारतीय बुरे होते हैं

वॉशिंगटन, 5 मार्च (एजेंसियां)। फ्लोरिडा में 33 साल के एक शख्स ने भारतीय मूल की 66 साल की नर्स को बुरी तरह पीटा। हमले में नर्स के चेहरे की हर एक हड्डी टूट गई। दोनों आंखों की रोशनी जाने की भी आशंका है। जब पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची, तो उसने कहा- भारतीय बुरे होते हैं। मैंने अभी एक भारतीय डॉक्टर की बुरी तरह पिटाई की है। ये घटना 19 फरवरी की है। 27 फरवरी को कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। तब आरोपी का बयान पुलिस अफसर ने कोर्ट में बताया। कोर्ट ने उसे हेट क्राइम और सेकेंड डिग्री मर्डर का दोषी माना है।

हमलावर की पहचान स्टीफन स्कैंटलबरी के तौर पर हुई है, जो फ्लोरिडा पाम्स वेस्ट साइड अस्पताल के साइकियाट्रिक वॉर्ड में भर्ती था। लीलम्मा लाल उसी अस्पताल में नर्स हैं। हमले के कुछ देर बाद ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, हमले के बाद आरोपी फरार हो गया था। जब उसे अरेस्ट किया गया तो वह एक सड़क पर बिना शर्ट और जूतों के था। उसके शरीर पर ईकेजी मशीन के तार लगे हुए थे। पुलिस ने पिस्टल दिखाकर उसे सरेंडर कराया। चश्मदीदों के मुताबिक, आरोपी तीसरी मंजिल के एक कमरे में अपने बिस्तर पर था। लीलम्मा उसका चेकअप करने पहुंची, तो उसने अचानक बिस्तर से छलांग लगाई और लीलम्मा पर हमला कर दिया। कमरे में मौजूद एक अन्य व्यक्ति मदद बुलाने के लिए बाहर भागा। दूसरा व्यक्ति अंदर आया तो उसने देखा कि स्कैंटलबरी लीलम्मा के ऊपर था और लगातार उन्हें मुक्के मार रहा था। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला लगभग एक से दो मिनट तक चला और अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

विक्टिम की बेटी सिंडी जोसेफ ने अपनी मां की चोटों की गंभीरता को बताते हुए कहा कि उन्हें ब्रेन में बहुत ब्लीडिंग हुई है। उनके चेहरे के दाहिने हिस्से की सभी हड्डियां टूट गई थीं। वे बेहोश थीं। उनके फेफड़ों में ट्यूब डाली गई, ताकि वो सांस ले सकें। उनके चेहरे पर गहरी चोटें और आंखों में सूजन थी। मैं उन्हें पहचान भी नहीं पाई। कोर्ट में सुनवाई के दौरान आरोपी के पत्नी मेगन स्कैंटलबरी ने दावा किया कि उनका पति हमले से कुछ दिन पहले से ही भय और भ्रम की स्थिति में था। उन्होंने बताया कि आरोपी को वहम हो रहा था और वह महसूस कर रहा था कि कोई उस पर नजर रखे हुए है। यहां तक कि उसने अपनी पत्नी और पड़ोसियों पर भी इसमें शामिल होने का आरोप लगाया।

तुम युद्ध चाहते हो तो तुम्हें युद्ध मिलेगा

अमेरिका के भारी टैरिफ लगाने के एलान पर चीन की धमकी

बीजिंग, 5 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा है कि जो देश अमेरिका पर जितना टैरिफ लगाएगा, उसके बदले में अमेरिका भी 2 अप्रैल से उस देश पर उतना ही टैरिफ लगाएगा। ट्रंप के इस एलान ने कई देशों की चिंता बढ़ा दी है। चीन जो पहले ही ट्रंप के टैरिफ से जूझ रहा है, उसने अमेरिका को धमकी दे डाली है। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा है कि 'अगर अमेरिका युद्ध ही चाहता है, फिर चाहे वो टैरिफ युद्ध हो या फिर व्यापार युद्ध या किसी भी तरह का युद्ध तो हम तैयार हैं और अंत तक इस लड़ाई को लड़ेंगे।' चीन के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में अमेरिका को चेतावनी देते हुए लिखा कि फेंटानिल का फिल्मी मुद्दा बनाकर अमेरिका चीन से आने वाले सामान पर टैरिफ बढ़ा रहा है। ऐसे में अपने हितों को सुरक्षित रखना हमारा अधिकार है। अमेरिका के फेंटानिल संकट के लिए न अमेरिका और न ही कोई और जिम्मेदार है। इसके बावजूद मानवता और अमेरिका के प्रति समर्थन जताते हुए हमने इसके खिलाफ कड़े कदम उठाए। इसके बावजूद हमारी कोशिशों को मानने के बजाय अमेरिका, हम पर ही आरोप लगा रहा है और चीन को ही टैरिफ बढ़ाने के नाम पर ब्लैकमेल कर रहा है। वे हम पर उनकी मदद के लिए दबाव बना रहे हैं। इस तरह से अमेरिका की परेशानी हल नहीं होगी और इससे हमारे द्विपक्षीय संबंध और सहयोग भी कमजोर होगा।' चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 'धमकी देकर हमें डराया नहीं जा सकता। दबाव या धमकी, चीन से डील करने का सही तरीका नहीं है। जो भी चीन पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, वह गलतफहमी में है और गलत व्यक्ति से पंगा ले रहा है। अगर अमेरिका सच में फेंटानिल समस्या से निपटना चाहता है तो सही तरीका ये है कि चीन से बात करे और एक दूसरे को पूरा सम्मान दें।

तालिबान को पाकिस्तानी सेना का डर नहीं

पाकिस्तान के सीने पर चढ़कर कर रहा सैन्य चौकियों का निर्माण, मुनीर की आर्मी हैरान

काबुल, 5 मार्च (एजेंसियां)। अफगान तालिबान को पाकिस्तानी सेना का जरा भी डर नहीं है। ऐसा लगता है कि उसने पाकिस्तानी सेना से दो-दो हाथ करने की ठान ही ली है। तालिबान ने पूर्वी नंगरहार प्रांत में पाकिस्तान की आपत्तियों को खारिज करते हुए बॉर्डर पोस्ट का निर्माण जारी रखा है। अमू टीवी ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। ये निर्माण ऐसे समय में हो रहे हैं, जब पाकिस्तानी सीमा बलों के साथ तालिबान सैनिकों की लगातार झड़पें हो रही हैं। वहीं, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के लिए अहम तोरखम क्रॉसिंग को भी बंद कर रखा है। चौकियों के निर्माण को पाकिस्तान से कड़े विरोध का सामना करना पड़ा है, लेकिन तालिबान सीमावर्ती बुनियादी ढांचे का विस्तार करने और अफगानिस्तान में नई चौकियां स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान इस इलाके को अपना बताता है, लेकिन तालिबान उसके दावे को खारिज करता है। यही नहीं, तालिबान काल्पनिक डूरंड लाइन को सीमा मानने से भी इनकार करता है। तालिबान अधिकारी चौकियां स्थापित करने को सीमा को मजबूत करने और क्षेत्रीय नियंत्रण को बढ़ाने के प्रयास के रूप में देख रहे हैं। इन चौकियों के निर्माण पर पाकिस्तानी अधिकारियों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिससे दोनों पक्षों के बीच पहले से तनावपूर्ण संबंध और बिगड़ गए हैं। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद काबुल और इस्लामाबाद के संबंधों में तेजी से गिरावट आई है। तालिबान की वापसी के बाद पाकिस्तान में हिंसा में तेजी आई है। पाकिस्तान ने इसके लिए तालिबान को जिम्मेदार ठहराया है और कहा कि वह आतंकी समूह टीटीपी (पाकिस्तानी तालिबान) को अफगानिस्तान में जमीन दे रहा है। तालिबान ने इन आरोपों से इनकार किया है और पाकिस्तान में आतंकी हमलों का इस्लामाबाद का अंदरूनी मामला बताया है।

एक दिन पहले मंगलवार को ही खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू में पाकिस्तानी सेना छावनी में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें कम से कम 15 लोग मारे गए, जबकि 30 से अधिक घायल हुए हैं। आतंकियों ने विस्फोटक से भरी गाड़ी सैन्य छावनी की दीवार से भिड़ा दी थी। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसने आतंकी हमले को नाकाम कर दिया और सभी 6 आतंकवादियों को मार गिराया।

इसके पहले बीती 28 फरवरी को अफगान सीमा पर स्थित गुलाम खान में पाकिस्तानी अधिकारियों ने 14 आतंकियों को मार गिराने की बात कही थी। पाकिस्तानी मीडिया में सुरक्षा सूत्रों के हवाले आई खबरों में कहा गया कि इस कार्रवाई में तालिबान का एक कमांडर भी मारा गया था। रिपोर्ट के अनुसार, कमांडर की पहचान मुजीबुर रहमान के रूप में हुई है, जिसे मंसूर के नाम से जाना जाता है।

काबुल एयरपोर्ट रोड पर नजर रख रहा था आतंकी शरीफुल्ला

अफगानिस्तान बम धमाके में एफबीआई का बड़ा खुलासा

न्यूयॉर्क, 5 मार्च (एजेंसियां)। अगस्त 2021 में काबुल एयरपोर्ट के पास हुए बम धमाके के मामले में अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने बड़ा खुलासा किया है। आईएसएसआई के आतंकी मोहम्मद शरीफुल्ला ने एफबीआई को बताया कि धमाके से पहले वह काबुल एयरपोर्ट के पास रोड पर नजर रख रहा था। साथ ही उसने मॉस्को में एक हमले सहित कई घातक हमलों समेत आतंकी संगठन की ओर से गतिविधियां संचालित की थीं।

आईएसआईएस के सदस्य शरीफुल्ला पर दो मार्च को वर्जीनिया में दर्ज एक शिकायत में एक विदेशी आतंकी संगठन को सामग्री सहायता प्रदान करने और साजिश रचने के चलते हत्या करने का आरोप लगाया गया है। शरीफुल्ला को अफगानिस्तान बम विस्फोट में उसकी भूमिका के लिए अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा रहा है। शरीफुल्ला से दो मार्च को एफबीआई एजेंटों ने पूछताछ की थी। अब उसे पहले वर्जीनिया के पूर्वी जिले में हिरासत में लाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शरीफुल्ला ने एफबीआई एजेंटों को बताया कि उसे 2016 या उसके आसपास आईएसआईएस में भर्ती किया गया था और तब से वह आतंकी समूह का सदस्य है। उसने कई घातक हमलों के लिए संगठन की गतिविधियों का समर्थन और संचालन करना स्वीकार किया था।

शिकायत में 26 अगस्त 2021 को हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एचकेआईए) पर हुए एबी गेट हमले का विवरण दिया गया है। एबी गेट हमले के लिए मुख्य प्रवेश नियंत्रण बिंदु था। 26 अगस्त को अफगानिस्तान से निकासी प्रक्रिया के लिए हजारों नागरिक एबी गेट पर या उसके आसपास थे। एबी गेट पर एक अकेले हमलावर अब्दुल रहमान अल-लोगारी नामक आईएसआईएस सदस्य ने हमला किया था।

शरीफुल्ला ने एफबीआई को बताया कि वह 2019 से अफगानिस्तान की जेल में था। काबुल एयरपोर्ट पर हमले से कुछ सप्ताह पहले भी वह जेल से बाहर आया था। इसके बाद आईएसआईएस के एक सदस्य ने हमले में सहयोग करने के लिए उससे संपर्क किया।

अफगानिस्तान में वापसी करेगा अमेरिका

ट्रंप ने तालिबान के बगराम एयरबेस पर गड़ाई नजर

काबुल, 5 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि अमेरिकी सेनाएं अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर अपनी वापसी चाहती हैं। ट्रंप ने दावा किया कि अब चीन बगराम एयरबेस पर अपना कंट्रोल रखता है। ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि बगराम एयरबेस पर उनका इरादा बगराम एयरबेस पर फिर से अमेरिकी सेना को तैनात करने का है। उन्होंने कहा, 'हम बगराम एयरबेस पर एक छोटी सी सेना रखने जा रहे हैं ताकि चीन के बढ़ते प्रभाव को कम किया जा सके।' ट्रंप ने कहा कि हम बगराम एयरबेस पर कब्जा अफगानिस्तान की वजह से नहीं बल्कि चीन के कारण फिर से लेना चाहते हैं। वहीं तालिबान ने ट्रंप के चीन के कब्जे के दावे को खारिज किया है।

यूरेशिया टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस की चीन के परमाणु ठिकाने से मात्र 1 घंटे की दूरी है और इसी वजह से यह बेस अमेरिका के लिए रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम है। अमेरिका यहां से चीन पर निगरानी कर सकता है। ट्रंप कथित रूप से अमेरिका की अफगानिस्तान से वापसी से नाराज थे और चुनावी प्रचार के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वह बगराम एयरबेस पर फिर से कब्जा करेंगे। तालिबान ने पुरजोर तरीके से बगराम एयरबेस पर चीन के कब्जे के दावे को खारिज किया है। तालिबानी प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने इसको 'इमोशनल' बताकर खारिज कर दिया और कहा कि यह गलत सूचना पर आधारित है। उन्होंने दावा किया कि अफगानिस्तान में चीन के कोई सैनिक नहीं हैं। बगराम एयरबेस रणनीतिक रूप से बेहद अहम एयरबेस है। यह बेस अफगानिस्तान के परवान प्रांत में स्थित है जो करीब 2 दशक तक अमेरिकी सेना का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा था। ट्रंप ने इसे दुनिया के सबसे बड़े एयरबेस में से एक करार दिया था और सबसे शक्तिशाली रनवे में से एक बताया था। इस बेस को साल 1950 के दशक में शीतयुद्ध के दौरान सोवियत संघ ने बनाया था। अफगानिस्तान में साल 1979 में हमले के बाद यह बेस रूसी सेना का मुख्य ठिकाना बन गया था। सोवियत संघ के जाने के बाद अमेरिका ने साल 2001 में बगराम बेस पर कब्जा कर लिया था। अमेरिका ने दिसंबर 2001 में बगराम एयरबेस के अंदर जेल बना दिया था। इसे अफगानिस्तान की गुआंतनामो जेल कहा जाने लगा। यहां पर अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए अलकायदा के आतंकियों से बहुत ही क्रूर तरीके से पूछताछ करती थी।

इस्लामिक शरिया कानूनों की फिर से व्याख्या करेगा सऊदी अरब?

प्रिंस एमबीएस का बयान दुनियाभर में वायरल, जड़ से मिट जाएंगे कट्टरपंथी?

रियाद, 5 मार्च (एजेंसियां)। सऊदी अरब के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान आधुनिकता के आधार पर इस्लाम की व्याख्या कर रहे हैं। मोहम्मद बिन सलमान विजन-2030 पर काम कर रहे हैं, जिसमें सऊदी अरब की पहचान एक कट्टर इस्लामिक देश से एक उदारवादी और आधुनिक देश बनाना है। अपने मिशन के लिए सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस के आदेश पर बच्चों को इस्लाम के अलावा दूसरे धर्मों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है, ताकि वो सहिष्णु बने। लेकिन क्राउन प्रिंस का मुख्य मकसद सऊदी अरब के दिल से धार्मिक कट्टरता को बाहर निकालना है। मोहम्मद बिन सलमान का एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें वो कह रहे हैं कि कुरान हमेशा व्याख्या के लिए खुला है।

क्राउन प्रिंस का ये बयान इस्लामिक दुनिया में नई बहस को जन्म दे सकता है। क्योंकि इस्लामिक जानकारों, जिनमें खासतौर पर मौलाना शामिल हैं, वो कुरान की किसी भी तरह की व्याख्या के खिलाफ रहे हैं। उनका कहना है कि कुरान में जो कहा गया है वही आखिरी सत्य है और किसी को भी उसकी अपनी तरह से व्याख्या करने की इजाजत नहीं है। सऊदी क्राउन प्रिंस ने पहले भी कई ऐसे काम किए हैं, जिसमें मुसलमानों के एक वर्ग को परेशान किया है, जैसे की सऊदी अरब में मस्जिदों में लाउडस्पीकर को लेकर बनाए गये नियम। लिहाजा माना जा रहा है कि उनके इस बयान के बाद भी विवाद शुरू हो सकता है।

मोहम्मद बिन सलमान ने क्या कहा?

आपको बता दें कि मोहम्मद बिन सलमान ने साल 2023 में हदीस दस्तावेजीकरण प्रोजेक्ट का आदेश दिया था। सऊदी क्राउन प्रिंस का कहना है कि लोगों ने अपने अपने हिसाब से और अपनी समझ के हिसाब से हदीस का विश्लेषण किया है, जिसका फायदा आतंकवादी, चरमपंथी और कट्टरपंथी उठाते हैं, इसलिए इसका दस्तावेजीकरण होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि प्रचलन में हदीसों की ज्यादा संख्या होने से इसका आतंकवादियों और चरमपंथियों द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है। वीडियो में मोहम्मद बिन सलमान को कहते सुना जा सकता है कि हदीस को 100 मुतवातिर तक सीमित कर दिया गया है।

अमेरिका इज बैक, अमेरिकी संसद में डोनाल्ड ट्रंप का बहुत बड़ा ऐलान

गल्फ ऑफ मेक्सिको का बदला नाम, संयुक्त सत्र में संबोधन

वॉशिंगटन, 5 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए गल्फ ऑफ मेक्सिको का नाम बदलकर गल्फ ऑफ अमेरिका कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को अभी अमेरिका की सत्ता संभाले हुए सिर्फ 44 दिन ही हुए हैं। और उन्होंने कई सनसनीखेज फैसले किए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों ने पूरी दुनिया में हलचल मचा रखी है। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप ने जैसे ही बोलना शुरू किया, उसके कुछ ही देर बाद डेमोक्रेटिक सांसदों ने उन्हें बीच में रोक दिया, जिसके कारण स्पीकर माइक जॉनसन ने उन्हें चेतावनी दी और फिर उन्होंने हाउस सार्जेंट को आदेश दिया, कि वे राष्ट्रपति के भाषण में बाधा डालने के लिए टेक्सास के डेमोक्रेटिक सांसद अल ग्रीन को बाहर निकाल दें। जिसके बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए एलन मस्क और नव-निर्मित सरकारी दक्षता विभाग की सराहना की। अपने संबोधन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने मेक्सिको और कनाडा के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे की निंदा की है। उन्होंने कहा, हम कनाडा और मेक्सिको को सैकड़ों अरब डॉलर की सब्सिडी देते हैं। और अमेरिका अब ऐसा नहीं करेगा। व्यापार घाटे का मतलब है कि किसी देश को किसी निश्चित देश में निर्यात की तुलना में ज्यादा आयात प्राप्त होता है।

गाजा को फिर से बसाएंगे मुस्लिम देश

अरब लीग ने 53 अरब डॉलर के मेगाप्लान को दी मंजूरी, जिसे कहा जा रहा ट्रंप की योजना का जवाब

काहिरा, 5 मार्च (एजेंसियां)। गाजा पर कब्जा करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के जवाब में अरब नेताओं ने 53 अरब डॉलर का बड़ा प्लान बनाया है। मिस्र की राजधानी काहिरा में एक आपातकालीन शिखर सम्मेलन के दौरान अरब नेताओं ने योजना को मंजूरी दे दी है। गाजा के पुनर्निर्माण की योजना को मिस्र ने पेश किया था। अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल घीत ने घंटो चली इस बैठक के अंत घोषणा करते हुए कहा, मिस्र की योजना अब एक अरब योजना है। राष्ट्रपति ट्रंप के गाजा प्लान का जिक्र किए बिना उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अरब का रुख किसी भी विस्थापन को अस्वीकार करना ह, चाहे वह स्वैच्छिक हो या मजबूरी में। मिस्र ने 91 पन्नों का दस्तावेज पेश किया, जिसमें गाजा के पुनर्निर्माण का विस्तृत खाका तैयार किया गया था। इसमें हरे-भरे इलाकों और भव्य सार्वजनिक इमारतों की तस्वीरें शामिल थीं, ताकि मध्य पूर्व पर्यटन स्थल के रूप में पेश की गई अमेरिकी योजना का मुकाबला किया जा सके। गाजा के भविष्य के बारे में जिन प्रमुख सवालों का उत्तर दिया जाना चाहिए, वे हैं कि इस क्षेत्र को कौन चलाएगा और पुनर्निर्माण के लिए आवश्यकता अरबों डॉलर कौन से देश उपलब्ध कराएंगे। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने कहा कि मिस्र ने गाजा के शासन की जिम्मेदारी संभालने के लिए स्वतंत्र, पेशेवर फिलिस्तीनी टेक्नोक्रेट की एक प्रशासनिक समिति बनाने पर फिलिस्तीनियों के साथ मिलकर काम किया है। उन्होंने कहा कि समिति फिलीस्तीनी प्राधिकरण (पीए) की वापसी की तैयारी के लिए अस्थायी अवधि के लिए मानवीय सहायता की निगरानी और पट्टी के मामलों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होगी। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने कहा कि वे मिस्र के विचार का स्वागत करते हैं। साल 2005 से सत्ता में काबिज अब्बास ने यह भी कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति दें तो वह राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव कराने के लिए तैयार हैं।

इसमें इस मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया है कि हमास क्या भूमिका निभाएगा। इजरायली आउटलेट यरुशलम पोस्ट ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि यूएई ने हमास के तत्काल और पूर्ण निरस्त्रीकरण की वकालत की। सऊदी अरब के शाही दरबार के एक करीबी सूत्र ने कहा कि गाजा में हमास की निरंतर सशस्त्र मौजूदगी एक बाधा थी।

ग्रीनलैंड हमारा है, इसे खरीदा नहीं जा सकता

पीएम एगेडे का अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर पलटवार

नूक, 5 मार्च (एजेंसियां)। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बोरुप एगेडे ने बुधवार को कहा कि ग्रीनलैंड उनका है और उसे न तो लिया जा सकता है और न ही खरीदा जा सकता है। उनका यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस संदेश के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनका प्रशासन आर्कटिक द्वीप के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका इस क्षेत्र को किसी न किसी तरीके से हासिल कर ही लेगा।

उनका यह सोशल मीडिया पोस्ट तब सामने आया, जब कुछ घंटे पहल ट्रंप ने कांग्रेस को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने ग्रीनलैंड के लोगों से सीधे अपील की थी। एक हफ्ते बाद द्वीप के निवासी संसदीय चुनावों के लिए मतदान करेंगे।

ट्रंप ने कहा, हम आपके अपने भविष्य को तय करने के अधिकार का मजबूती से समर्थन करते हैं और अगर आप हमें चुनते हैं, तो हम आपका अमेरिका में स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा, 'हम आपको सुरक्षित रखेंगे। हम आपको अमीर बनाएंगे। साथ में हम ग्रीनलैंड को उन ऊंचाइयों तक ले जाएंगे, जिसकी आपने पहले कभी कल्पना नहीं की होगी। ट्रंप ने यह भी कहा कि उनकी सरकार सभी संबंधित लोगों के साथ काम कर रही है, ताकि इसे हासिल किया जा सके।'

राजस्थान को कब मिलेगा रावी-व्यास नदी का पूरा पानी? बीजेपी विधायक ने पूछा सवाल

मंत्री रावत ने दिया अधूरा जवाब

जयपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में बुधवार को रावी-व्यास नदी से राजस्थान को पूरा पानी मिलने के मुद्दे पर जोरदार चर्चा हुई। भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने प्रश्नकाल के दौरान इस विषय को उठाया और सरकार से पूछा कि राजस्थान को उसके हिस्से का पूरा पानी कब तक मिलेगा?

बीजेपी विधायक ने उठाया पानी का मुद्दा

विधायक कालीचरण सराफ ने सदन में कहा कि 1981 में राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के बीच जल समझौता हुआ था, लेकिन 2004 में पंजाब सरकार ने इसे निरस्त करने के लिए एक अधिनियम पारित कर दिया। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां 2016 में अदालत ने इस निरस्तीकरण को अवैध करार दिया और कहा कि राजस्थान अपने हिस्से के पानी का हकदार है। सराफ ने सरकार से सवाल किया कि जब डबल इंजन की सरकार सत्ता में है, तो यह राजस्थान के हक का पानी लेने का सबसे अनुकूल समय है। उन्होंने सुझाव दिया कि उच्च स्तर के नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए, जो विशेष रूप से रावी-व्यास नदी से राजस्थान के हिस्से का पानी दिलाने पर काम करें।

मंत्री सुरेश सिंह रावत ने दिया ये जवाब

इस सवाल के जवाब में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि राजस्थान को रावी-व्यास नदी का पूरा पानी दिलाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजस्थान को रावी-व्यास नदी से अतिरिक्त पानी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने भाखड़ा प्रबंध मंडल से लगातार संपर्क किया, ताकि 0.60 एमएएफ (मिलियन एकड़ फीट) पानी राजस्थान को मिले।

मंत्री रावत ने कहा कि जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जल शक्ति मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर राजस्थान के हक के पानी की मांग रखी। मंत्री ने जानकारी दी कि सुप्रीम कोर्ट में राजस्थान सरकार का पक्ष मजबूती से रखने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई है। एसीएस स्तर के नोडल अधिकारी की नियुक्ति का सुझाव अच्छा है, इस पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

मदरसा बोर्ड में घोटाले और मिड-डे मील की जांच होगी

शिक्षकों की डीपीसी जल्द, शिक्षा मंत्री का एलान

जयपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग की अनुदान मांगों को विधानसभा में ध्वनिमत से पारित कर दिया। चर्चा के दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शिक्षा के स्तर को सुधारने और अनियमितताओं की जांच को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मंत्री ने बताया- थर्ड ग्रेड शिक्षकों की डीपीसी जल्द कराई जाएगी और अप्रैल महीने से विभिन्न संवर्गों की डीपीसी कराकर विद्यालयों में रिक्त पदों को भरा जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि पिछली सरकार में हुई पदोन्नतियों में यदि अनियमितताएं पाई गईं तो उनकी जांच कराकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

री-चैकिंग की सुविधा भी मिलेगी

मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि अब परीक्षाओं में री-टोटलिंग के साथ री-चैकिंग की सुविधा भी मिलेगी। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के पेपर अब खंडवार अलग-अलग विशेषज्ञों से बनवाए जाएंगे, जिससे पेपर लीक और नकल माफिया पर अंकुश लगेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रारंभिक शिक्षा में मातृभाषा या स्थानीय भाषा में पढ़ाई को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए शब्दकोश तैयार कर लिया गया है और उसी आधार पर पाठ्यपुस्तकें बनाई जा रही हैं।

मिड-डे मील और मदरसा बोर्ड में घोटाले की जांच होगी

शिक्षा मंत्री ने पिछली सरकार के कार्यकाल में मिड-डे मील वितरण में 1,705 करोड़ रुपये के घोटाले की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि इसकी नई टीम द्वारा निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। इसी तरह मदरसा बोर्ड में यूनिफॉर्म वितरण में हुई अनियमितताओं की भी जांच होगी।

विद्यालयों का उन्नयन और सुविधाओं का विस्तार

सरकार ने आदेश जारी कर सभी स्कूलों को क्रमोन्नत करने का निर्णय लिया है। बचे हुए विद्यालयों में शौचालय निर्माण इसी वित्तीय वर्ष में पूरा किया जाएगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार ने कोई विद्यालय बंद नहीं किया, बल्कि संसाधनों का समुचित उपयोग कर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया है। लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत जन्म पर 1 लाख रुपये का संकल्प पत्र दिया जाएगा। साथ ही, सरकार सभी संभागों में बालिका सैनिक स्कूल खोलने की योजना पर भी कार्य कर रही है।

रीट परीक्षा बिना पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित

मंत्री ने बताया कि रीट परीक्षा 27-28 फरवरी, 2025 को मुख्यमंत्री के निर्देशन में निष्पक्ष रूप से कराई गई, जिसमें 13.77 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया। परीक्षा पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से आयोजित की गई। राजस्थान सरकार शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए नवाचार और पारदर्शिता के साथ नई नीतियों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस में अंतर्कलह की नई कहानी शुरू

अब जूली बनाम डोटासरा संग्राम पर विराम नहीं

जयपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस में अंतर्कलह की नई कहानी शुरू हो गई है। अशोक गहलोत और पायलट के बीच खींचतान के बाद अब प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बीच अंतर्कलह छिड़ गई है। कांग्रेस के अंतर्कलह के इस पार्ट-2 की शुरुआत तो वैसे तीन-चार माह पहले ही हो गई थी, लेकिन पिछले दिनों विधानसभा में हुए हंगामे के बाद यह परवान पर चढ़ी। दरअसल विधानसभा में बीते दिनों मंत्री अविनाश गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर टिप्पणी की। सदन में मौजूद डोटासरा ने इस मुद्दे को पकड़ा और हंगामा मच गया। नतीजतन डोटासरा के साथ छह कांग्रेस विधायकों को निलंबित कर दिया गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच इस मुद्दे को लेकर हुए विवाद की वजह से सात दिन तक सदन में विवाद रहा। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ। समझौते के तहत डोटासरा के बयान पर जूली ने सदन में घटना को लेकर माफी मांग ली। इसके चलते सभी कांग्रेस विधायकों का निलंबन रद्द कर दिया गया। हालांकि उसी दिन डोटासरा ने एयरपोर्ट पर मीडिया के सामने हाथों-हाथ स्पष्ट कर दिया कि सदन में हुई घटना को लेकर मेरा गतिरोध अभी खत्म नहीं हुआ है। इसके साथ ही जूली और डोटासरा के बीच रिश्तों में आई तल्खी भी सामने आ गई। नतीजन उस दिन से डोटासरा लगातार सदन से दूरी बनाए हुए हैं। पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार जूली के इस माफीनामे से डोटासरा नाराज बताए जा रहे हैं। इस घटना के बाद से कांग्रेस के कुछ विधायकों में भी गुटबाजी पनपना शुरू हो गई है।

इस मुद्दे को लेकर भाजपा भी कांग्रेस को घेरने में जुटी है। भाजपा इसे डोटासरा और जूली के बीच वर्चस्व की लड़ाई का रूप देने के प्रयास में सक्रिय है। सत्तापक्ष सदन में लगातार यह बोलकर कांग्रेस को घेरने में जुटा है कि डोटासरा सदन में जूली को बोलने नहीं देना चाहते। हालांकि दोनों नेता अब तक परस्पर बयानबाजी से बचते नजर आए हैं। दोनों की पिछले दिनों कांग्रेस नेता के विवाह में मुलाकात भी हुई। इस दौरान दोनों मुस्करा दिए।

डोटासरा की सदन से अनुपस्थिति को लेकर पार्टी के भीतर भी सवाल उठ रहे हैं। कुछ विधायकों का मानना है कि पार्टी की एकजुटता के लिए इन मतभेदों को जल्द सुलझाना जरूरी है। कुछ विधायक तो सदन के गतिरोध को लेकर लिए गए निर्णय की भी समीक्षा कराने में जुटे हैं। सदन में जूली के माफीनामे को कोई सही तो कुछ गलत निर्णय बता रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कोई नाराजगी नहीं। हम दोनों चाहते थे सदन चले, क्योंकि भाजपा का रवैया सदन चलाने के पक्ष में नहीं था। जनता के मुद्दे सदन में उठे, इसलिए जनहित में यह निर्णय किया। भाजपा तो संविधान की हत्या करने पर उतारू है। हमारे रिश्ते में कड़वाहट की कोई जगह नहीं। जब से हम दोनों ने काम शुरू किया है, भाजपा के हौसले पस्त हैं। भाजपा नेता अपनी कमियां छिपाने के लिए यह मामला उठाकर फूट डालो राज करो की नीति पर चल रहे हैं।

गोविंद डोटासरा से ने कहा मेरी कोई नाराजगी, गुटबाजी नहीं है। समझौते से पहले मुझसे पूछा गया था। मैंने उन्हें समझौता करने के लिए कहा था। मेरा यही मत था कि सदन चले और इंदिरा गांधी के लिए जो टिप्पणी की कई वह कार्यवाही से हटे। गलत है। सदन में कौन बोलेगा, यह नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ही तय करते हैं, तो उन्हें मैं कैसे रोक सकता हूं। मैं तो इस सत्र में एक बार बोला हूं, जूली तो रोज बोलते हैं।

भरतपुर सांसद के घर के बाहर अवैध वसूली कर रहे थे पुलिसकर्मी

संजना जाटव ने वीडियो बनाकर एसपी को भेजा

अलवर, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में भरतपुर सांसद संजना जाटव के घर के बाहर पुलिसकर्मियों द्वारा ट्रक चालकों से अवैध वसूली करने का मामला सामने आया है। भरतपुर सांसद संजना जाटव ने देर रात यह देखा तो ओवरलोड गाड़ियों से वसूली का वीडियो बना लिया और एसपी संजीव नैन को भेज दिया। साथ ही सांसद ने खेरली थाने के एक एएसआई पर ओवरलोड वाहनों, ट्रैक्टरों से अवैध वसूली करने का आरोप लगाते हुए एसपी को फोन पर शिकायत की है।

सांसद संजना जाटव ने बताया कि वे सवाईमाधोपुर के दौरे से खेरली आवास पर लौट रही थी। तभी सांसद आवास के पास खेरली पुलिस का एक एएसआई तूड़े से ओवरलोड भरे ट्रैक्टरों, ट्रकों के चालकों से अवैध वसूली कर रहा था। चालकों ने मुझे लिखित वसूली की शिकायत की। सांसद ने इसकी सूचना फोन पर एसपी को देते हुए कार्रवाई की मांग की। भरतपुर सांसद ने ओवरलोड तूड़ी से भरे वाहनों से कथित रूप से रिश्वत लेते पुलिसकर्मियों का वीडियो बनाया। वीडियो में एक ट्रक ड्राइवर पुलिस जीप के ड्राइवर को कुछ देते हुए दिखाई दे रहा है। सांसद ने रात को ही अलवर एसपी संजीव नैन को वीडियो भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

अलवर एसपी ने दिए जांच के आदेश

इधर, मामला सामने आने के बाद अलवर एसपी संजीव नैन ने जांच के आदेश दे दिए है। एसपी संजीव नैन ने कठूमर सीओ को इस पूरी घटना की जांच की जिम्मेदारी दी है। हालांकि, एसपी संजीव नैन का कहना है कि पुलिसकर्मी के अनुसार उसने किसी से फोन पर बात की थी। ड्राइवर ने खुद का मोबाइल देकर बात कराई थी। एसपी ने कहा है कि फिर भी मामले की जांच डीएसपी कठूमर को दे दी गई है। कोई भी दोषी मिलता है तो कार्रवाई की जाएगी।

पेपर लीक प्रकरण में 9 ट्रेनी एसआई बर्खास्त

अब तक 45 गिरफ्तारों में से 44 की सेवा समाप्त

जयपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। सब इंस्पेक्टर पेपर लीक मामले में सरकार ने 9 ट्रेनी सब इंस्पेक्टर और बर्खास्त कर दिए हैं। जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने इन उपनिरीक्षकों को पुलिस सेवा से पदच्युत करने के आदेश जारी किए। पेपर लीक प्रकरण में गिरफ्तार हुए 45 ट्रेनी उपनिरीक्षकों में से अब तक 44 की सेवाएं सरकार समाप्त कर चुकी है। बर्खास्त हुए कार्मिकों में गोपीराम जांगू, श्रीमती चंचल, अजय विश्नोई, दिनेश कुमार, नरेश कुमार, प्रियंका, हरखू, सुरेन्द्र कुमार और दिनेश कुमार शामिल हैं। ये सभी रेंज के अधीन विभिन्न जिलों में कार्यरत थे। गौरतलब है कि सितंबर 2021 में हुई इस परीक्षा में पेपर लीक, नकल और डमी अभ्यर्थियों से परीक्षा दिलाने का खुलासा हुआ था। पिछले वर्ष मार्च में 45 प्रशिक्षुओं को गिरफ्तार किया गया था।

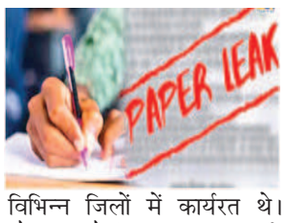

बाड़मेर-जालौर में पोस्टेड एसआई बर्खास्त

आदेश के अनुसार बाड़मेर में पोस्टेड ट्रेनी एसआई गोपीराम जांगू व चंचल बिश्नोई, जालोर में पोस्टेड अजय बिश्नोई व दिनेश कुमार बिश्नोई की बर्खास्तगी हुई। इनके अलावा सिरोही में पोस्टेड नरेश कुमार बिश्नोई, दिनेश कुमार बिश्नोई व प्रियंका बिश्नोई, जैसलमेर में पोस्टेड हरखू जाट व सुरेन्द्र कुमार बिश्नोई को भी सेवा से बर्खास्त करने का आदेश दिया है। इससे पहले 25 फरवरी को बीकानेर और कोटा में भी 5 सब इंस्पेक्टर को सेवा को बर्खास्त किया गया था। कोटा में सब इंस्पेक्टर चेतन सिंह मीणा, रेणु कुमारी और मालाराम बिश्नोई की बर्खास्तगी हुई है।

धीरज गुर्जर का बीजेपी पर हमला, कहा-केंद्र सरकार की तानाशाही नीतियों का विरोध करें कांग्रेस कार्यकर्ता

बूँदी, 5 मार्च (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव व उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी धीरज गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भाजपा सरकार की तानाशाही नीतियों का डटकर विरोध करना चाहिए। कांग्रेस सभी को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और इसमें युवाओं का भविष्य उज्जवल है। धीरज गुर्जर बूंदी सर्किट हाउस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं साधारण परिवार से संबंध रखते हैं और देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने का अवसर दिया है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य चर्मेश शर्मा ने कहा कि एनएसयूआई और युवा कांग्रेस, कांग्रेस संगठन की रीढ़ की हड्डी हैं और इन संगठनों से मजबूत नेतृत्व के गुणों का विकास होता है। उन्होंने कहा कि धीरज गुर्जर ने एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष के समय से ही साधारण परिवार के युवाओं को संगठन में आगे लाने का कार्य किया है।

कांग्रेस नेता संजय तांबोली ने कहा कि धीरज गुर्जर ने एआईसीसी सचिव के रूप में राजस्थान का नाम पूरे देश में रोशन किया है। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष निशांत नुवाल ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर युवाओं का हौसला बढ़ाने वाले नेता हैं। जहाजपुर में युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष निशांत नुवाल का ससुराल होने के कारण, धीरज गुर्जर ने उन्हें क्षेत्र के 'जंवाई' के रूप में माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

बूंदी सर्किट हाउस पहुंचने पर धीरज गुर्जर का प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य चर्मेश शर्मा और कांग्रेस नेता संजय तांबोली के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। नारेबाजी, पुष्पवर्षा और माल्यार्पण के साथ उनका अभिनंदन किया गया। एनएसयूआई छात्र नेता किशन नेखाड़ी ने धीरज गुर्जर को 21 किलो का हार पहनाकर और साफा बांधकर स्वागत किया।

चलती ट्रेनों में चोरी

सास-बहू गिरफ्तार

जयपुर, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में चलती ट्रेनों में चोरी के मामले में पुलिस ने सास-बहू को गिरफ्तार किया है। सास-बहू ट्रेन के अंदर भीड़ का फायदा उठाकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थी। पुलिस जब पीछे लगी तो गिरफ्तारी से बचने के लिए हरियाणा भाग गई। जीआरपी थाना पुलिस ने सास-बहू को हरियाणा के टोहाना से गिरफ्तार किया है। इन दोनों के पास से 5 लाख रुपए के जेवरात भी बरामद हुए हैं। आरोपी चंदरानी (54) पत्नी राजेश और काजल (25) पत्नी रोहन के फतेहाबाद जिले के टोहाना की रहने वाली हैं। जिसे सुनकर पुलिसकर्मी भी चौंक गए। अभी पुलिस यह पता लगाने में जुटी हुई है कि इन दोनों महिलाओं ने कौन-कौनसी ट्रेनों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

कांग्रेस नेता के ठिकानों पर रेड

भीलवाड़ा, 5 मार्च (एजेंसियां)। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस ने भीलवाड़ा आज सुबह रेड की है। रेड की कार्रवाई स्क्रैप कारोबारी एवं कांग्रेस नेता ओम नारायणीवाल पर की गई है। सुबह में टीम के करीब आधा दर्जन से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी कार्रवाई के लिए पहुंचे हैं। डीजीजीआई की टीम भीलवाड़ा में नारायणीवाल की घर और तीन जगहों पर कार्रवाई कर रही है। इनमें उनकी फर्म भीलवाड़ा स्क्रैप और कामधेनु सरिया के दो गोदामों पर कार्रवाई की गई है। नारायणीवाल के पास भीलवाड़ा में कामधेनु सरिया की भी डीलरशिप है। फिलहाल टीम द्वारा कोई जानकारी इस कार्रवाई के संबंध में साझा नहीं की है। आज सुबह डीजीजीआई की टीम भीलवाड़ा पहुंची और नारायणीवाल के लगभग सभी ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गई। गांधी नगर मिर्च मंडी के पास भीलवाड़ा स्क्रैप के नाम से संचालित फर्म पर कार्रवाई की सूचना के बाद दूसरे व्यापारियों में हड़कंप मच गया। टीम के अधिकारियों ने इस कार्रवाई संबंध में फिलहाल कोई भी जानकारी साझा नहीं की है और कार्रवाई जारी है। ओम नारायणीवाल ने भीलवाड़ा विधानसभा सीट से 2023 में कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ा था लेकिन जीत नहीं पाए थे। इससे पहले भी वह 2018 के विधानसभा चुनाव में भी निर्दलीय लड़े थे और दूसरे नंबर पर रहे थे। नारायणीवाल भीलवाड़ा नगर परिषद के सभापति भी रह चुके हैं।

खनन माफियाओं ने वन विभाग की टीम पर किया हमला, रेंजर समेत 6 कर्मचारी घायल

बूँदी, 5 मार्च (एजेंसियां)। जिले में इन दिनों वन क्षेत्र में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई और अवैध खनन कार्य जोरों पर है। वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा इसे रोकने का प्रयास करना उनकी जान पर खतरा बनता जा रहा है। ऐसा ही एक मामला बूंदी जिले के मायजा नाके से सामने आया है, जहां अवैध पेड़ों की कटाई और मिट्टी खनन रोकने गई वन विभाग की टीम पर 2 दर्जन से अधिक अवैध खनन करने वालों खननकर्ताओं ने हथियारों और लाठियों से हमला कर दिया, हमले में वन विभाग के रेंजर सहित 6 कर्मचारी घायल हो गए, जिनका पुलिस ने जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार करवाकर मेडिकल कराया है। कर्मचारी की रिपोर्ट पर आठ नामजद सहित 10-12 अन्य के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धारा में मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

मामले की सूचना पर रायथल पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायल वनकर्मियों के बयान लेकर हमलावरों के विरुद्ध राजकार्य में बाधा और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। राजस्थान के राजसमंद जिले में हुई रेंजर की हत्या के बाद बूंदी में हुए वन विभाग की टीम पर हमले से वन विभाग में आक्रोश ओर बढ़ता जा रहा है। डीएफओ देवेंद्र भाटी ने बताया कि बूंदी के क्षेत्रीय वन अधिकारी अपनी टीम के साथ गश्त के लिए गए थे, जहां वन क्षेत्र में अवैध रूप से काम कर रही एक जेसीबी, दो ट्रैक्टर और कुट्टी मशीन जब्त की कार्रवाई को अंजाम दिया गया. इसके बाद वनकर्मी जब्त संसाधनों को लेकर बूंदी के लिए रवाना हुए। इसी दौरान दो दर्जन खननकर्ताओं ने वनकर्मियों को घेर लिया और मारपीट करने लगे। ग्रामीणों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से वनकर्मियों पर हमला कर दिया, जिससे सभी वनकर्मियों को चोटें आई हैं।

भीलवाड़ा में भी बिजयनगर जैसा 'कैफे कांड'

सांसद दामोदर अग्रवाल ने की एसआईटी गठन की मांग

भीलवाड़ा, 5 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में बिजयनगर कैफे कांड जैसा ही एक और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र की एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाकर लगातार ब्लैकमेलिंग करने की घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, भीलवाड़ा से सांसद दामोदर अग्रवाल ने इस मामले में एसआईटी गठन की मांग की है। बता दें, पीड़िता ने 2 मार्च की रात कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करवाई। उसने बताया कि यह घटना मार्च 2024 में हुई थी। वह शहर के बड़ला चौराहे स्थित एक कैफे में गई थी, जहां एक युवक अशरफ और उसके दोस्त ने उसे जबरन नशीला पदार्थ पिलाया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया।

इसके बाद आरोपियों ने इस घटना का वीडियो बना लिया और उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इस वीडियो को आरोपियों ने अपने दोस्तों के साथ शेयर कर दिया, जिसके बाद कई अन्य युवकों ने भी ब्लैकमेल करके युवती के साथ कई महीनों तक गैंगरेप किया।

पीड़िता की शिकायत के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव ने विशेष जांच टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। कोतवाली थाना पुलिस ने 8 घंटे तक अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी और सभी 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 2 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों के पास और कितने वीडियो हैं और क्या अन्य लड़कियां भी उनके जाल में फंसी हैं।

सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का उपाय: सुधीर बाबू

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। समाज में दिन-ब-दिन बढ़ रहे साइबर अपराधों को रोकने और लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए राचकोंडा कमिश्नरेट सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए जागरूकता पैदा कर रही है और कई इनोवेटिव प्रोग्राम बना रही है। इसके एक भाग के रूप में, आज साइबर जागरूकता दिवस के अवसर पर आयुक्त सुधीर बाबू ने लोगों को इंटरनेट धोखाधड़ी और अन्य साइबर अपराधों के बारे में सचेत करने के लिए विभिन्न विषयों पर राचकोंडा आयुक्तालय द्वारा बनाए गए विशेष वीडियो जारी किए हैं। साइबर अपराधों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के विषय पर इन वीडियो को सभी सोशल मीडिया और सूचना मीडिया पर महीनों तक हर तीन से चार दिन में एक बार व्यापक रूप से प्रचारित किया जाएगा। इसके अलावा कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी क्षेत्रों और कॉलोनियों में लोगों की भागीदारी से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। म्यूल अकाउंट का उपयोग साइबर अपराधों के माध्यम से चुराए गए पैसे को छिपाने के लिए किया जाता है। म्यूल अकाउंट का उपयोग आम लोगों को अंशकालिक नौकरियों की पेशकश करके धोखा देने के लिए किया जाता है। शेयर बाजार निवेश के लिए उपयोग की जाने वाली ट्रेडिंग कंपनियों के ऐप के समान नकली ऐप बनाते हैं, नग्न वीडियो कॉल लोगों को हनी ट्रैप में फंसाने और पैसे की मांग करते हैं, क्रिप्टो मुद्रा, ऑनलाइन सट्टेबाजी उच्च मुनाफे की आशा दिखाकर और उन्हें निवेश करने के लिए मजबूर करना, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर फ्रेंड रिक्वेस्ट के माध्यम से संपर्क बनाना, जिसका व्यापक रूप से युवा महिलाओं और युवाओं द्वारा उपयोग किया जाता है, उनकी व्यक्तिगत तस्वीरों को मॉर्फ करके अश्लील तस्वीरें बनाना और उन्हें मानसिक रूप से उदास करने के लिए संबंधित लोगों को भेजना और पैसे की मांग करना, वीडियो कॉल के माध्यम से नकली पुलिस की वर्दी पहनना और निर्दोष पीड़ितों के कुछ व्यक्तिगत विवरण बताना और उन्हें डराना जैसे कि उन्होंने अपराध किया हो। लोन ऐप्स जो डिजिटल अरेस्ट के नाम पर आतंकित करते हैं और पैसे की मांग करते हैं, लोगों को कॉल और मैसेज करते हैं और कहते हैं कि वे तुरंत ऑनलाइन ऋण प्रदान करेंगे, लोगों को बिना किसी संपार्श्विक और दस्तावेजों के ऋण देते हैं और फिर उन्हें अतिरिक्त शुल्क के नाम पर उच्च ब्याज दरों के साथ परेशान करते हैं और उन्हें समाज में उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की धमकी देते हैं, लोन ऐप्स जो समाज में लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की धमकी देते हैं, और विक्रेताओं को दिखाते हैं कि वे पुराने सामान को ऑनलाइन बेचते समय ऊंची कीमत पर खरीदेंगे। रचाकोंडा कमिश्नरेट के आईटी सेल विभाग ने विभिन्न अपराधों के बारे में लोगों को सचेत करने और जागरूक करने के लिए विशेष अभियान वीडियो बनाए हैं, जैसे कि धोखाधड़ी वाले फर्जी भुगतान लिंक और ओटीपी भेजना, उन्हें ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहना और संबंधित लोगों के बैंक खाते से पैसे चुराना। इसके अलावा, साइबर अपराध पुलिस से तुरंत संपर्क करके और बिना किसी डर के किसी भी साइबर धोखाधड़ी और साइबर अपराध की रिपोर्ट करके सुरक्षा, जोखिम में कमी और शिकायत प्रक्रियाओं पर भी वीडियो बनाए गए हैं। इस अवसर पर आयुक्त ने विशेष रूप से आईटी सेल, साइबर क्राइम और सीसीआरबी के अधिकारियों की सराहना की जो साइबर अपराधों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और साइबर अपराधों को रोकने के लिए समय-समय पर नवीन कार्यक्रम बना रहे हैं। कार्यक्रम में कमिश्नर ने कहा कि आज के आधुनिक तकनीक के युग में विभिन्न आवश्यकताओं के लिए कई प्रकार के तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है, तकनीक दिन-ब-दिन नए मुकाम हासिल कर रही है और अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाले सभी अपराध अधिकतर इंटरनेट के आधार पर ही होंगे, कुछ अपराधी नवीनतम तकनीक का उपयोग कर रहे हैं जिसका उपयोग समाज के विकास और काम में आसानी के लिए किया जाना चाहिए, अपने फायदे के लिए निर्दोष पीड़ितों को विभिन्न तरीकों से धोखा देना और लूटना और निर्दोष महिलाओं को परेशान करना। अधिकारियों को उचित जागरूकता की कमी के कारण साइबर अपराधियों द्वारा शिकार किए जा रहे पीड़ितों के साथ खड़े होने, सभी प्रकार के साइबर अपराधों को रोकने के लिए विशेष उपाय करने और अधिक अभियान कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि साइबर अपराधों के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए बनाए गए वीडियो का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और साइबर अपराधों के बारे में शिकायत करने के लिए साइबर क्राइम पुलिस के टोल फ्री नंबर 1930 पर संपर्क किया जाए। कार्यक्रम में डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, साइबर क्राइम डीसीपी नागलक्ष्मी, एडिशनल डीसीपी एडमिन शिव कुमार, एसीपी आईटी सेल नरेंद्र गौड़, सीसीआरबी एसीपी रमेश और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

कुछ समुदायों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं : मधु यास्की

पार्टी के बारे में सनसनीखेज टिप्पणी से चर्चा

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मधु यास्की गौड़ ने पार्टी के बारे में सनसनीखेज टिप्पणी की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस के भीतर रेड्डी समुदाय और अन्य उच्च जातियों के नेताओं के लिए कोई परिणाम नहीं होगा, चाहे वे किसी भी तरह का अनुशासन उल्लंघन क्यों न करें। मधु यास्की गौड़ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना कांग्रेस पार्टी की अनुशासन समिति के अध्यक्ष चिन्ना रेड्डी ने खुद अपनी ही पार्टी की विधायक मेघा रेड्डी पर सार्वजनिक रूप से आरोप लगाकर पार्टी अनुशासन का उल्लंघन किया है। उन्होंने सवाल उठाया, "क्या अनुशासन समिति के अध्यक्ष के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार नहीं किया जाना चाहिए?" बुधवार को मीडिया प्रतिनिधियों के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान मधु यशकी गौड़ ने बताया कि जाति जनगणना पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बीसी नेताओं से मुलाकात की थी, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता जन रेड्डी और केशव राव को आमंत्रित किया गया था, लेकिन बीसी नेता होने के नाते उन्हें शामिल नहीं किया गया। एमएलसी तीनमार मल्लन्ना को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण कांग्रेस से निकाले जाने के जवाब में उन्होंने कहा कि मल्लन्ना रेवंत रेड्डी के करीबी सहयोगी हैं और रेड्डी को टीपीसीसी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के पद पर पहुंचाने के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कांग्रेस पार्टी के विपक्ष में रहने के दौरान मल्लन्ना ने जोरदार तरीके से कहा था कि उत्तम कुमार रेड्डी के नेतृत्व में पार्टी और भी कमजोर हो जाएगी। मधु यशकी गौड़ ने कहा कि यही कारण है कि उन्होंने रेवंत रेड्डी को टीपीसीसी अध्यक्ष की भूमिका संभालने की जोरदार वकालत की।

नीलामी की धमकी पर किसान ने की आत्महत्या की कोशिश

नलगोंडा, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि सहकारी समितियां, जिनसे किसानों की ऋण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करके उनका समर्थन करने की अपेक्षा की जाती है, अब उनकी निराशा को और बढ़ा रही हैं, क्योंकि ऐसी ही एक समिति ने वसूली लक्ष्य को पूरा करने के दबाव में आकर निर्दयतापूर्वक कार्य किया और एक किसान को बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया।

शारीरिक रूप से अक्षम किसान वेंकन्ना ने हाल ही में बैंक अधिकारियों द्वारा ऋण चुकाने की मांग के कारण आत्महत्या का प्रयास किया, जिसका दावा है कि उन्होंने पहले ही चुका दिया है। वेंकन्ना के पिता ने 27 साल पहले एडवेली प्राइमरी कोऑपरेटिव बैंक से 40,000 रुपये का ऋण लिया था। पारिवारिक संपत्तियों के बंटवारे के समय, वेंकन्ना ने दावा किया कि उन्होंने अपने पिता द्वारा अपनी चार एकड़ जमीन पर लिए गए ऋण को चुका दिया है, लेकिन वे बकाया राशि का प्रमाण पत्र प्राप्त करने में विफल रहे। अब, बैंक अधिकारी ब्याज सहित 1.68 लाख रुपये की मांग कर रहे हैं और संपत्ति को नीलाम करने की धमकी दे रहे हैं।

बैंक के उत्पीड़न से परेशान होकर वेंकन्ना ने अपनी परेशानी से बचने के लिए कीटनाशक पी लिया।

सीएम ने मात्र 15 महीनों में राज्य को पतन की ओर धकेल दिया : केटीआर

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने तेलंगाना को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है, जहां सरकार अपनी जमीनों को बेचे बिना काम नहीं कर सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हैदराबाद में बेशकीमती जमीनों को बेहद सस्ते दामों पर बेचकर 30,000 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही है। केटीआर ने कहा कि बैंकों के पास पहले से गिरवी रखी गई जमीनों की नीलामी करना सरकार की दिवालिया नीतियों का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर विधानसभा में किए गए अपने वादे से मुकरने का आरोप लगाया कि रंगारेड्डी जिले के शेरिलिंगमपल्ली मंडल के अंतर्गत गच्चीबावली में 400 एकड़ जमीन नहीं बेची जाएगी, जिससे उनका रुख गिरगिट से भी तेज हो गया। केटीआर ने मांग की कि रेवंत रेड्डी विधानसभा को धोखा देने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। उन्होंने यह भी कहा कि हाइड्रा और मुसी विध्वंस जैसी असंगत नीतियों के कारण राज्य का राजस्व कम हो गया है, जिससे सरकार को आय उत्पन्न करने के लिए सार्वजनिक भूमि बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जो रेवंत के प्रशासन की दयनीय स्थिति को दर्शाता है। केटीआर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बीआरएस शासन के दौरान, किसानों और गरीबों का समर्थन करने वाली कई कल्याणकारी योजनाओं और सिंचाई परियोजनाओं को लागू करने के लिए ऋण लिया गया था। उन्होंने 70 लाख किसानों के लिए रायथु बंधु के तहत <73,000 करोड़, ऋण माफी में <28,000 करोड़, रैतु बीमा के लिए <6,000 करोड़ और 1.11 लाख परिवारों को 5 लाख मुआवजे जैसी उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया। इसके अतिरिक्त, कृषि के लिए 24 घंटे मुफ्त बिजली, कालेश्वरम, पलामुरु-रंगारेड्डी और सीताराम सागर जैसी सिंचाई परियोजनाएं, 45,000 झीलों का जीर्णोद्धार, 45 लाख आसरा पेंशन, केसीआर किट, कल्याण लक्ष्मी, 1,000 से अधिक गुरुकुल स्कूल और 30 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए। केटीआर ने रेवंत रेड्डी की आलोचना की, जिन्होंने कभी कर्ज लेने के लिए बीआरएस की आलोचना की थी, सीएम बनने के बाद से उधार लेना ही अपना अंतिम लक्ष्य बना लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि महज 15 महीनों में कांग्रेस सरकार ने 1.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक उधार लिए हैं।

केटीआर ने सरकार को इस पैसे से तेलंगाना के लोगों के लिए किया गया एक भी अच्छा काम दिखाने की चुनौती दी। उन्होंने उन पर कर्ज माफी, रायथु बंधु और रायथु बीमा जैसी योजनाओं को खत्म करने, बिजली कटौती करने, गुरुकुलों की उपेक्षा करने, कालेश्वरम और पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजनाओं को रोकने और कृषि को संकट में डालने का आरोप लगाया।

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत का सामना न्यूजीलैंड से

कीवियों ने साउथ अफ्रीका को 50 रन से हराया * रचिन-विलियम्सन के शतक

लाहौर, 5 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जहां कीवियों का सामना भारतीय टीम से दुबई के मैदान पर 9 मार्च को होगा। बुधवार को लाहौर में न्यूजीलैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को 50 रन से हराया।

न्यूजीलैंड ने 363 रन का टारगेट चेज कर रही अफ्रीकी टीम 9 विकेट पर 312 रन ही बना सकी। कप्तान मिचेल सैंटनर ने 3 विकेट झटके। मैट हेनरी और ग्लेन फिलिप्स को 2-2 विकेट मिले।

एक-एक विकेट माइकल ब्रेसवेल और मिचेल सैंटनर को मिले। साउथ अफ्रीका से डेविड मिलर ने शतक बनाया। उन्होंने 67 बॉल पर सेंचुरी जड़ी। कप्तान टेम्बा बावुमा (56 रन) और रासी वान डर डसन (69 रन) ने अर्धशतक बनाए।

कीवियों की ओर से रचिन रवींद्र (108 रन) और केन विलियम्सन (102 रन) ने शतकीय पारियां खेलीं, जबकि डेरिल मिचेल (49 रन) और ग्लेन फिलिप्स (49 रन) फिफ्टी बनाने से चूक गए।

पावर हाउस ताइक्कांडो अकादमी के छात्रों ने जीते पदक

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पावर हाउस ताइक्कांडो अकादमी के लिए यह जश्न का पल था जब उसके युवा खिलाड़ियों ने हाल ही में संपन्न 13वीं तेलंगाना राज्य स्तरीय ओपन इंटर स्कूल ताइक्कांडो चैंपियनशिप में अपनी छाप छोड़ी। यह आयोजन 1 और 2 मार्च, 2025 को हैदराबाद के कोटला विजय भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया था। युवा खिलाड़ियों ने अपने अंदाज में प्रतिद्वंद्वियों को धूल चटाकर पांच स्वर्ण पदक, छह रजत पदक और चार कांस्य पदक जीते तथा इस चैंपियनशिप में अपनी जीत का जश्न मनाया।

इस अवसर पर पावर हाउस ताइक्कांडो अकादमी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय रेफरी अरविंद एवं सुरेश ने विजेताओं एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई दी।

भाजपा पार्षद जामबाग के राकेश जयसवाल ने हिंदी नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तलवारबाजी के खिलाड़ियों से मुलाकात की और आगामी सब जूनियर नेशनल के लिए प्रोत्साहित किया। अवसर पर कोच मगर सागर, मगर, रूपेश, नवीन, सुरेश, शीतल सिंह, भाजपा नेता मयूर, रघु, प्रवीण, रामकृष्ण, जगपति, भरत, रवि, हरिनाथ, विनोद हैं।

वीजा उल्लंघन के मामले में तीन विदेशी नागरिक निर्वासित

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ अवैध गतिविधि के बारे में एक गुप्त सूचना पर, पंजागुट्टा पुलिस ने तीन विदेशी नागरिकों को पकड़ा। आरोपी अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे और उन पर देह व्यापार में शामिल होने का संदेह था। उन सभी को प्रक्रिया के अनुसार उनके गृह देशों में निर्वासित कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक करमो मार्टिन पी, एक लाइबेरियाई नागरिक, 2019 में छात्र वीजा पर भारत आया था। उसने 2020 से 2023 तक निज़ाम कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की और बकाया होने का झूठा दावा करके अपना वीजा बढ़ाता रहा। उसे एफआरआरओ, हैदराबाद के आदेश के अनुसार सीसीएस बशीरबाग में हिरासत में लिया गया। उसे उसके देश वापस भेज दिया गया। इसी क्रम में पी. युगांडा से कबातुकु मैरी 17 दिसंबर 2024 को अपोलो अस्पताल जुबलीहिल्स में इलाज कराने के लिए मेडिकल वीजा पर भारत आई थी। सत्यापन पर पता चला कि वह कभी भी अस्पताल नहीं गई और भारत में अवैध रूप से रह रही थी और उस पर देह व्यापार में शामिल होने का संदेह था। उसे एफआरआरओ के आदेशों के अनुसार सीसीएस बशीरबाग में हिरासत में लिया गया और उसके देश भेज दिया गया। इसी तरह लाइबेरिया से कोल जॉनसन, 2022 में एवी कॉलेज में पढ़ने के लिए भारत आया था। लेकिन, सत्यापन पर पता चला कि उसने उक्त कॉलेज में कोई दाखिला नहीं लिया था और वीजा समाप्त होने के बाद भी वह भारत में रह रहा था। उस पर देह व्यापार में शामिल होने का भी संदेह था। उसे सीसीएस बशीरबाग में हिरासत केंद्र में रखा गया और निर्वासित कर दिया गया। एफआरआरओ और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर कानून के अनुसार निर्वासन की प्रक्रिया पूरी की गई।

अंतर्राष्ट्रीय धर्माचार्य का सम्मान

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मनगरी मथुरा वृन्दावन से आए अंतरराष्ट्रीय धर्मगुरू देवमुरारी बापू का गाचीबावली में डा. उमारानी बहन एवं अंजलि ने तिलक लगाकर सम्मान किया। उनको अंतरराष्ट्रीय धर्माचार्य के पद से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी गाचीबावली में सुशोभित किया गया है। चार मार्च की शाम को आयोजित कार्यक्रम में हैदराबाद से कई भक्तों ने भाग लिया। विष्णु प्रिया बहन ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस संदर्भ में कुलदीप दीदी ने धर्माचार्य को सुशोभित करते हुए अपनी खुशियों का इजहार किया। इस अवसर पर धर्माचार्य ने लोगों को संबोधित भी किया।

के.बी.आर. पार्क में गणेश भगवान की पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, विजया, संतोष अग्रवाल, संध्या रानी, भागीरथी बाई, गोपाल बलदवा, अशोक लाखोटिया, प्रवीण अग्रवाल, अशोक कुमार रुंगटा, डॉ. राधे कृष्णा, शेषैया, डॉ गुप्ता सी.जी., रामनिवास पंडित, प्रमोद कुमार सरायवाला, सुरेंद्र अग्रवाल, पी.सी. जैन, विजय तुंबी, विट्ठल दास अग्रवाल, सुरेश कुमार दीपक सरायवाला, राहुल सिंघल आदि।

दस किलो गांजे के साथ एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर एचन्यू टीम ने तुकारामगेट पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया और एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से कुल 10.30 किलोग्राम गांजा, एक हीरो स्प्लेंडर बाइक, एक वजन तौलने की मशीन, एक मोबाइल फोन आदि बरामद हुआ है। गिरफ्तार आरोपी बभूति भूषण पलाई उर्फ राजू, ओडिशा का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार आरोपी बभूति भूषण पलाई उर्फ राजू ओडिशा के गंजम जिले का मूल निवासी है। 2007 में वह अपनी आजीविका कमाने के लिए रोजगार की तलाश में हैदराबाद आया था। शुरुआत में वह निर्माण स्थलों पर एक मजदूर के रूप में काम करता था और बाद में अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए ज़ोमैटो डिलीवरी बॉय के रूप में नौकरी कर ली। आखिरकार, वह एक निर्माण स्थल पर जेसीबी क्रेन चालक बन गया।

अपने काम के दौरान, उसने देखा कि कुछ निर्माण मजदूरों को गांजा पीने की आदत थी। इससे उसे अपने मूल स्थान यानी गंजम जिले, ओडिशा से गांजा खरीदकर बेचने का विचार आया। उसने राहुल नाम के एक व्यक्ति से गांजा खरीदा, जो गंजम (फरार) से एक आपूर्तिकर्ता है और वह जरूरतमंद ग्राहकों को छोटे पाउच में और 100 ग्राम, 250 ग्राम आदि जैसे थोक में भी बेचता है और आसानी से पैसा कमाता है।

भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के साथ पकड़ा गया

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त के टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व क्षेत्र टीम ने कालापत्थर पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों के साथ मिलकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी प्रतिबंधित ई-सिगरेट बेच रहा था और कालापत्थर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत लगभग 2,52,000 रुपये मूल्य की प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम यानी ई-सिगरेट जब्त की।

अतिरिक्त उप पुलिस आयुक्त, आयुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद शहर आंडे श्रीनिवास राव ने बताया कि मोहम्मद वकारुद्दीन कालापत्थर, हैदराबाद का निवासी है।

उन्होंने बताया कि विश्वसनीय सूचना आयुक्त की टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व क्षेत्र टीम ने मोहम्मद वकारुद्दीन उर्फ मोहम्मद नाम के एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसके पास प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम के विभिन्न ब्रांड यानी ई-सिगरेट जैसे कि आई-मोमेंट 9000 पफ्स, एल्फबार 6000 पफ्स, एल्फबार 20000 पफ्स, ओलिवबार 15000 पफ्स, एल्फबार 30000 पफ्स, आईगेट 10000 पफ्स, आदि हैं।

पूछताछ करने पर पता चला कि उसने अपने दोस्त/सहपाठी लक्ष्य गोयल उर्फ स्काईलैब, निवासी हुसैनी आलम, हैदराबाद के साथ मिलकर ई-कार्ट कूरियर सेवा के माध्यम से दिल्ली निवासी राहुल नामक व्यक्ति से प्रतिबंधित ई-सिगरेट खरीदी और जरूरतमंद ग्राहकों को ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध रूप से भारी मुनाफा कमाया। यह छापेमारी एस. सैदाबाबू, पुलिस निरीक्षक, दक्षिण-पूर्व जोन टास्क फोर्स टीम की देखरेख में एसआई, एम. मधु, श्री. एस.के. कविउद्दीन, पी. साईराम, पीसी सैयद अजीज मोहम्मद और कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन हैदराबाद के कर्मचारियों के साथ-साथ कालापत्थर पुलिस स्टेशनों के कर्मचारियों द्वारा की गई।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएआर-सीआरआईडीए में वन जैव विविधता संस्थान , हैदराबाद द्वारा पांच से सात मार्च तक आईसीएआर-सीआरआईडीए में जलवायु लचीलेपन के लिए अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में टिकाऊ भूमि प्रबंधन प्रथाओं पर एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीओई - ए स ए ल ए म) , आईसीएफआरई,देहरादून द्वारा प्रायोजित किया गया है। प्रशिक्षण का उद्देश्य भूमि पुनर्स्थापन और संबद्ध क्षेत्रों में शामिल क्षेत्रीय अधिकारियों और शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित करना है।

कार्यक्रम का उद्घाटन आईसीएआर-सीआरआईडीए में किया गया। विनय कुमार, आईएफएस, निदेशक, सीओई - एसएलएम ने उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे।

उद्घाटन सत्र में ई. वेंकट रेड्डी, आईएफएस, निदेशक हैदराबाद, डॉ. एसके बल, निदेशक (प्रभारी प्रभाग प्रमुख उपस्थित थे। प्रशिक्षण में भाग लेने वालों में वन प्रभागीय और रेंज अधिकारी, एसएलयूएसआई, हैदराबाद के क्षेत्रीय अधिकारी, टीजीआईआरडी के अधिकारी, ईटी सी के संकाय, वैज्ञानिक और सहायक प्रोफेसर शामिल हुए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रोहित सभी आईसीसी फाइनल में पहुंचने वाले पहले कप्तान

हाईएस्ट सिक्स वाले बैटर भी बने, विराट के रन चेज में 8 हजार रन

दुबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में 4 विकेट से हरा दिया। दुबई स्टेडियम में स्टीव स्मिथ की फिफ्टी के चलते कंगारुओं ने 265 रन का टारगेट दिया। जवाब में विराट कोहली के 84 रन के दम पर टीम ने जीत हासिल की।

रिकॉर्ड्स का दिन रोहित शर्मा और विराट कोहली के नाम रहा। रोहित ICC के सभी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले कप्तान बने। कोहली के वनडे में 161 कैच पूरे हो गए। रोहित ICC वनडे इवेंट्स में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बैटर भी बने। विराट के वनडे में चेज करते हुए 8 हजार रन पूरे हुए।

कूपर कोनोली सबसे कम उम्र में आईसीसी वनडे टूर्नामेंट्स में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू करने वाले चौथे प्लेयर हैं। उनकी उम्र 21 साल 194 दिन है। पहले नंबर पर एंड्रयू जेसेर्स हैं, उन्होंने 1987 वर्ल्ड कप में 20 साल और 225 दिन में भारत के खिलाफ डेब्यू किया था।

भारत 2023 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के बाद से लगातार 14 वनडे में टॉस हार चुका है। बतौर कप्तान रोहित लगातार 11 टॉस गंवा चुके हैं।

आईसीसी नॉकऑउट में स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ तीसरी फिफ्टी लगाई। वे ऐसा करने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले केन विलियम्सन ने भारत और युवराज सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3-3 हाफ सेंचुरी लगाई थीं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉकऑउट मुकाबले में सबसे बड़ा रन चेज किया। टीम ने 265 रन का टारगेट हासिल किया। इससे पहले भारत ने 2011 वनडे वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल में 261 रन का टारगेट चेज किया था।

केएल राहुल ने वनडे में 3 हजार रन पूरे किए। उन्होंने इसके लिए 78 पारियां लीं।

रोहित शर्मा इंटरनेशनल क्रिकेट के पहले कप्तान हैं, जो आईसीसी के सभी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। उनके नाम आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (2023), वनडे वर्ल्ड कप (2023), टी-20 वर्ल्ड कप (2024) और चैंपियंस ट्रॉफी (2025) के फाइनल हैं।

भारत ने दुबई में बिना हारे 10 वनडे खेले हैं। टीम को 9 में जीत मिली, जबकि 1 मैच टाई रहा।

आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में विराट कोहली को सातवां प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। उनसे आगे रोहित शर्मा (8), ग्लेन मैक्ग्रा (8) और सचिन तेंदुलकर (10) ही हैं।

कोहली के वनडे में 161 कैच पूरे

विराट कोहली ने वनडे में कैच लेने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया है। विराट के अब 161 कैच हो गए। रिकॉर्ड्स में पहले नंबर पर श्रीलंका के महेला जयवर्धने हैं, जिनके 218 कैच हैं।

रोहित आईसीसी वनडे इवेंट्स में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बैटर

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ICC वनडे इवेंट्स में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बने। उनके अब 42 पारियों में 65 छक्के हो गए। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल को पीछे छोड़ा, जिनके 51 इनिंग में 64 सिक्स थे।

विराट के वनडे में चेज करते हुए 8 हजार रन पूरे

विराट कोहली ने वनडे में दूसरी इनिंग में बैटिंग करते हुए अपने 8 हजार रन पूरे किए। उनके अब 166 मैच में 8063 रन हो गए हैं। सचिन तेंदुलकर इस लिस्ट में पहले नंबर पर हैं, उनके 236 मैचों में 8720 रन हैं।

विराट आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर वाले बैटर

विराट कोहली आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने 53 मैच में 24 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। विराट ने सचिन के 23 फिफ्टी+ स्कोर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्मिथ का वनडे से संन्यास

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत से हार के बाद फैसला, कमिंस की जगह कप्तानी कर रहे थे

खेल डेस्क, 5 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भारत से मिली हार के बाद टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभालने वाले स्टीव स्मिथ ने वनडे से संन्यास ले लिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी घोषणा की है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम को भारत के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में स्मिथ टीम की कप्तानी कर रहे थे। वह टेस्ट खेलते रहेंगे और टी-20 इंटरनेशनल में वह काफी समय से टीम से बाहर चल रहे हैं।

35 साल के स्मिथ ने भारत से हार के तुरंत बाद अपने साथियों को बता दिया था कि उन्होंने अपना अंतिम वनडे मैच खेल लिया है।

स्मिथ बोले- दो वर्ल्ड कप जीतना एक शानदार उपलब्धि थी

स्मिथ ने कहा, 'यह एक शानदार सफर रहा है और मैंने इसके हर पल का लुत्फ उठाया है। बहुत सारे अद्भुत पल और शानदार यादें रही हैं। दो वर्ल्ड कप जीतना एक शानदार उपलब्धि थी और साथ ही कई शानदार टीम-साथियों ने इस सफर को साझा किया। अब लोगों के लिए 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू करने का एक शानदार अवसर है, इसलिए ऐसा लगता है कि संन्यास लेने का यह सही समय है।'

स्मिथ ने 169 वनडे खेले

स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 2010 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू किया था।

कुल 170 वनडे खेले और 5800 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 43.28 का और स्ट्राइक रेट 86.96 का रहा। वनडे में उनकी बेस्ट पारी 164 रन की है। वनडे में उन्होंने 35 अर्धशतक और 12 शतक लगाए हैं।

स्मिथ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में फॉर्म में नहीं थे। उन्होंने तीन पारियों में 48.50 की औसत से 97 रन बनाए थे। 73 रन उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही।

टेस्ट में स्मिथ ने 4 दोहरे शतक लगाए

स्मिथ टेस्ट में अपनी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने टेस्ट में कई रिकॉर्ड्स बनाए हैं। 116 टेस्ट की 206 पारियों में स्मिथ ने 56.75 की औसत से 10,271 रन बनाए हैं। 239 रन की पारी उनकी बेस्ट पारी रही है। इस दौरान उन्होंने 36 शतक और 41 अर्धशतक बनाए हैं। इनमें चार दोहरे शतक भी शामिल हैं।

स्मिथ ने 67 टी-20 मुकाबले भी खेले हैं। इसमें उन्होंने 24.86 की औसत और 125.46 के स्ट्राइक रेट से 1094 रन बनाए। टी-20 इंटरनेशनल में उन्होंने पांच अर्धशतक भी लगाए हैं।

स्मिथ ने 64 मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी की

स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 आईसीसी वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य रहे। वह 2015 में वनडे टीम के रेगुलर कप्तान बने थे और 64 मैचों में टीम की कप्तानी की। इसमें जीत का प्रतिशत 50 प्रतिशत रहा। उन्होंने हाल ही (2023-24) में घरेलू सीरीज के दौरान कप्तान के रूप में कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने में मदद की।

गौतम गंभीर ने खोला राज, क्यों पंत की जगह केएल राहुल है टीम की पहली पसंद?

दुबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम इंडिया दो विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल और ऋषभ पंत के साथ उतरी है। हालांकि अभी तक एक भी मैच की प्लेइंग इलेवन में ऋषभ पंत को खेलने का मौका नहीं मिला है। चारों मैचों में कप्तान और कोच ने केएल राहुल पर ही भरोसा जताया है। इसको लेकर फैंस के मन में भी काफी सवाल थे कि आखिर पंत को एक भी मैच में क्यों नहीं मौका दे रहे हैं। इसको लेकर अब टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ

कर दिया है कि आखिर पंत की जगह राहुल क्यों टीम इंडिया की पहली पसंद बने हुए हैं।

पंत नहीं राहुल टीम इंडिया की पहली पसंद

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने केएल राहुल को लेकर कहा कि "केएल का वन-डे क्रिकेट में औसत 50 है, यही जवाब है। मुझे इसकी परवाह नहीं है कि लोग इसके बारे में क्या कहते हैं, वे इसके बारे में कैसे बात करते हैं, क्या उनके पास कोई एजेंडा है। मेरा काम 140 करोड़ भारतीयों और ड्रेसिंग रूम में अपने खिलाड़ियों के साथ ईमानदार रहना है।"

केएल राहुल ने सेमीफाइनल में खेली शानदार पारी

सेमीफाइनल में वैसे तो विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 84 रनों की पारी खेली, लेकिन कोहली का विकेट गिरने के बाद एक समय भारतीय फैंस की धड़कने थोड़ी बढ़ गई थी। वहीं, दूसरे तरफ बल्लेबाजी कर रहे राहुल के दिमाग में कुछ ओर ही चल रहा था।

राहुल टीम इंडिया को जीताकर ही मैदान से बाहर जाना चाहते थे और उन्होंने ऐसा किया भी। सेमीफाइनल में केएल राहुल ने 34 गेंदों पर 42 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान राहुल ने 2 छक्के और 2 चौके लगाए। इसके राहुल विकेटकीपिंग भी काफी अच्छी कर रहे हैं।

भारतीय क्रिकेटर के साथ कांड हो गया

खून से हुआ लथपथ, सिर में लगे टांके

खेल डेस्क,, 5 मार्च (एजेंसियां)। सेमीफाइनल मैच में एक भारतीय क्रिकेटर के साथ कांड हो गया. दरअसल, इस मुकाबले के दौरान उसका सिर फट गया. ऐसे गेंद लगने से हुआ, जिसके बाद वो खून से लथपथ हो गया. हालत इतनी बुरी रही कि उसके सिर में टांके लगाने पड़े. ये चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले की कहानी नहीं बल्कि एचपीसीए इंटर स्टेट सीनियर डेज टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैच की घटना है. ये मुकाबला सोलन और शिमला की टीम के बीच खेला जा रहा था, जिसमें निखिल गांगटा नाम का खिलाड़ी घायल हुआ है. अब सवाल है कि निखिल गांगटा को चोट कैसे लगी? तो उसका वीडियो सामने आ चुका है. निखिल गांगटा को स्लिप में फील्डिंग करते दौरान

एक गेंद बल्लेबाज के बल्ले से लगने के बाद स्लिप में उनकी ओर जाती है. गेंद उनके पकड़ने से पहले टप्पा खाती है और सीधा उनके सिर में जा लगती है. इस घटना में उनका सिर फट जाता है और चेहरे पर सूजन आ जाती है. उनकी आंख के पास काला भी पड़ जाता है.

टीम इंडिया के चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने के बाद क्यों गुस्सा हुए गौतम गंभीर? निकाली भड़ास

दुबई, 5 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराते हुए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल का टिकट कटा लिया है. फाइनल 9 मार्च को है और वो मुकाबला भी दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाएगा. टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अपने सारे मैच दुबई में खेले हैं. ऐसे में सेमीफाइनल की जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौतम गंभीर के सामने इससे जुड़ा सवाल आया. और वो सवाल ये था कि क्या टीम इंडिया को एक ही वेन्यू पर खेलने का फायदा मिल रहा है? क्या उसे दुबई की पिच और कंडीशन का फायदा हो रहा है? और, क्या इतने सारे स्पिनर्स के साथ उतरने की भी उसकी यही वजह है? इन सवालों का जवाब देते हुए गंभीर उन पर भड़क गए, जो टूर्नामेंट के

दौरान लगातार इस तरह की बातें कर रहे हैं.

गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवालों का जवाब देते हुए कहा कि दुबई का वेन्यू उतना ही न्यूट्रल हमारे लिए भी है, जितना कि बाकी टीमों के लिए. उन्होंने कहा कि दुबई में हमें भी खेले हुए लंबा अरसा हो गया. लास्ट टाइम पता नहीं कौन सा टूर्नामेंट हम यहां खेले थे. हम ऐसा भी कुछ प्लान करके नहीं आए थे कि हमें स्पिन का जाल बुनना है. 15 के स्क्वॉड में 2 फ्रंटलाइन स्पिनर हम अगर पाकिस्तान में भी खेलते तो चुनते. क्योंकि, भारतीय उप-महाद्वीप की पिचो पर उनका रोल बढ़ जाता है.

गंभीर इतने पर ही नहीं रुके, इसके बाद उन्होंने उन तमाम आलोचकों को भी आड़े हाथ लिया,जो ये कह रहे थे कि भारत को शुरुआती एडवांटेज है. गंभीर नेे कहा की किस बात का शुरुआती फायदा. हमने तो एक भी दिन इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में प्रैक्टिस भी नहीं की. हम तो प्रैक्टिस के लिए भी ICC क्रिकेट एकेडमी जाते हैं, जहां की कंडीशन यहां से बिल्कुल अलग है. दोनों जगहों की विकेट में जमीन आसमान का अंतर है. उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को रोने की आदत होती है. उन्हें बड़ा और मैच्योर होने की जरूरत है. ऐसा कुछ भी नहीं है की हमें यहां खेलने का फायदा मिल रहा है.

भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने सारे मैच दुबई में खेले हैं. पहले मैच में उसने बांग्लादेश को हराया. फिर पाकिस्तान को रौंदा. वहीं तीसरे ग्रुप मैच में न्यूजीलैंड को हराया. फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हरा फाइनल में पहुंची. भारत ने दुबई में जीते टूर्नामेंट के सभी 4 मैचों में 1 मैच पहले बैटिंग करते हुए जीते जबकि बाकी 3 मैच रनचेज में अपने नाम किए.

पीटी उषा ने तदर्थ समिति नियुक्त करने का बचाव किया

बोलीं- बीएफआई जिम्मेदारी पूरी करने में विफल रहा

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की प्रमुख पीटी उषा ने मुक्केबाजी के लिए तदर्थ समिति नियुक्त करने के फैसला का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) पिछले एक साल में अपनी मौलिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में विफल रहा है और व्यवस्था को बहाल करने तथा उचित प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए उनका यह कदम जरूरी था।

उषा का यह बयान आईओए के उपाध्यक्ष गगन नारंग के 28 फरवरी के पत्र के जवाब में आया है। पूर्व ओलंपिक कांस्य विजेता निशानेबाज ने उन पर मनमाने आदेश जारी करने और खिलाड़ियों के कल्याण को कम करने का आरोप लगाया था। नारंग आईओए कार्यकारी परिषद के सदस्य भी हैं। आईओए के आदेश पर दिल्ली उच्च न्यायालय के स्थगन के बावजूद उषा अपनी रुख पर का दृढ़ता से कायम है।

बीएफआई द्वारा दायर याचिका पर अदालत ने आईओए से जवाब मांगते हुए नोटिस जारी किया है।

उषा ने नारंग को भेजे जवाब में कहा, नारंग आपके इस दावे में कोई सच्चाई नहीं है कि इस निर्णय या मेरी ओर से किसी कथित मनमानी कार्रवाई के कारण खिलाड़ियों को नुकसान हो रहा है। तदर्थ समिति नियुक्त करने का निर्णय मनमाना नहीं था, बल्कि व्यवस्था बहाल करने, उचित प्रशासन सुनिश्चित करने और खिलाड़ियों के विकास को प्राथमिकता देने के लिए एक आवश्यक कदम था। दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता यह है कि बीएफआई पिछले वर्ष राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने सहित अपनी मूलभूत जिम्मेदारियों को पूरा करने में विफल रहा है।

उन्होंने कहा, एशियाई खेल (2026) नजदीक आ रहे हैं, ऐसे में नई प्रतिभाओं की पहचान करने, होनहार मुक्केबाजों का चयन करने और भारत की पदक संभावनाओं को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण या अभ्यास कार्यक्रमों को लागू करने के लिए बहुत कम या कोई प्रयास नहीं किया गया है।

आईओए ने 24 फरवरी को देश में मुक्केबाजी के मामलों की देखरेख के लिए पांच सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन किया था। आईओ एक का आरोप है कि बीएफआई समय पर राष्ट्रीय महासंघ का चुनाव कराने में विफल रहा। बीएफआई ने आईओए के फैसले को अवैध करार दिया और आदेश को रद्द करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। नारंग ने यह भी दावा किया कि बीएफआई के संचालन के लिए तदर्थ समिति बनाने का उषा का फैसला आईओए की कार्यकारी समिति के परामर्श या अनुमोदन के बिना किया गया था। उन्होंने उषा से आदेश वापस लेने और विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए कार्यकारी समिति की आपातकालीन बैठक बुलाने का आग्रह किया था।

भारत के दिग्गज टीटी खिलाड़ी शरत कमल ने किया संन्यास का एलान, बताया कब खेलेंगे आखिरी मैच

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)।

भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल ने संन्यास का एलान कर दिया है। उन्होंने बुधवार को घोषणा की कि चेन्नई में इस महीने के आखिर में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट पेशेवर खिलाड़ी के रूप में उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) टूर्नामेंट 25 से 30 मार्च तक खेला जाएगा।

शरत ने संन्यास का एलान करते क्या कहा?

42 वर्ष के शरत कमल ने कहा, 'मैंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट चेन्नई में खेला था और आखिरी भी चेन्नई में ही खेलूंगा। यह पेशेवर

खिलाड़ी के तौर पर मेरा आखिरी टूर्नामेंट होगा।' पिछले साल पेरिस में पांचवां और आखिरी ओलंपिक खेलने वाले इस दिग्गज ने कहा, 'मैंने राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों में पदक जीते हैं। ओलंपिक पदक मैं नहीं जीत सका।' उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि मैं आने वाली युवा प्रतिभाओं के जरिये अपना सपना पूरा कर सकूंगा।'

2022 सीडब्ल्यू जी में जीते थे कई पदक

शरत कमल ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस के पुरुष एकल में 16 साल बाद स्वर्ण जीता था। इससे पहले उन्होंने 2006 में पुरुष एकल में स्वर्ण जीता था। शरत का यह राष्ट्रमंडल खेलों में कुल सातवां स्वर्ण पदक रहा था। बर्मिंघम में तीन स्वर्ण के अलावा शरत ने 2006 में पुरुष एकल और पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण, 2010 में पुरुष युगल में स्वर्ण और 2018 में पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण जीता था। इसके अलावा वह 2010 में दो कांस्य, 2014 और 2018 में एक-एक रजत और 2022 में एक रजत जीत चुके हैं। शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 13 पदक जीते हैं।

सीडब्ल्यू जी में भारत के तीसरे सबसे सफल एथलीट

शरत राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सबसे सफल एथलीट्स के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे ज्यादा सिर्फ जसपाल राणा (शूटिंग) और समरेश जंग (शूटिंग) ने पदक जीते हैं। जसपाल के नाम राष्ट्रमंडल खेलों में 15 पदक (9 स्वर्ण) और समरेश के नाम 14 पदक (7 स्वर्ण) हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के अलावा शरत एशियन गेम्स में दो पदक जीत चुके हैं। 2018 में जकार्ता एशियन गेम्स में मेन्स टीम और मिक्स्ड डबल्स इवेंट में शरत कमल ने कांस्य जीता था। इसके अलावा वह एशियन चैंपियनशिप्स में दो कांस्य भी जीत चुके हैं। 2021 दोहा एशियन चैंपियनशिप्स में कांस्य जीता था।

भारत दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली, 5 मार्च (एजेंसियां)। भारत दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी 29 से 31 मार्च तक यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में करेगा जिसमें कुल 16 देश भाग लेंगे। खेल मंत्रालय और योगासन भारत के सहयोग से आयोजित की जा रही इस चैंपियनशिप का उद्देश्य योगासन की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक महत्व को अपनाते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रदर्शन करना है।

एशियाई ओलंपिक परिषद, विश्व योगासन, एशियाई योगासन और योगासन इंद्रप्रस्थ द्वारा समर्थित यह कार्यक्रम योगासन को ओलंपिक में शामिल करने की दिशा में खाका तैयार करने में मदद करेगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'योग की जन्मभूमि भारत को दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त है। यह आयोजन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है। यह हमारे प्राचीन ज्ञान का उत्सव है जो आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में विकसित हो रहा है।'

उन्होंने कहा, 'हम योगासन को वैश्विक खेल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह चैंपियनशिप उस लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। हम इस आयोजन के माध्यम से योगासन की उपयोगिता खेल

के संदर्भ में समझ सकेंगे। योगासन में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जीवन को बदलने की शक्ति भी है।' एशियाई योगासन के अध्यक्ष संजय मालपानी ने चैंपियनशिप के प्रभाव पर जोर देते हुए कहा, 'योगासन चैंपियनशिप योगासन को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त खेल के रूप में स्थापित करने के हमारे मिशन में एक निर्णायक क्षण है। हम इसमें आधुनिक एथलेटिक उत्कृष्टता के साथ परंपरा के मिश्रण को देख रहे हैं।'

विश्व योगासन के महासचिव जयदीप आर्य ने कहा, 'इस चैंपियनशिप में पूरे एशिया के असाधारण खिलाड़ी एक मंच पर आयेंगे, जो इस प्राचीन अभ्यास की ताकत, लचीलापन और अनुशासन का प्रदर्शन करेंगे।' योगासन भारत के अध्यक्ष उदित शेठ ने कहा कि भारत इस प्राचीन खेल के भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्य सचिव ने एसएलबीसी सुरंग बचाव अभियान की समीक्षा की

टनल के अंदर चल रहे राहत कार्यों के बारे में जानकारी ली

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसएलबीसी सुरंग बचाव अभियान में बुधवार को आपदा प्रबंधन के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार और नागरकर्नूल जिला कलेक्टर बदावत संतोष ने राहत प्रयासों की समीक्षा के लिए शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस समीक्षा बैठक में सहायता टीमों के चल रहे कार्यों का विभागवार विश्लेषण किया गया। सीमा सड़क संगठन के कर्नल परीक्षित मेहरा ने टनल बोरिंग मशीन के मॉडल के साथ अधिकारियों को टनल के अंदर चल रहे राहत कार्यों के बारे में बताया। सुरंग बचाव अभियान में भाग लेने वाली सहायता टीमों ने कहा कि सुरंग बोरिंग मिशन के अंतिम भाग से मलबा हटा दिया गया है, बचाव अभियान में भाग लेने वाली सहायता टीमें मलबे को हटाने के लिए लगातार काम कर रही हैं, जमीन भेदक रडार द्वारा पहचाने गए सतह गड़बड़ी क्षेत्रों की तेजी से खुदाई की जा रही है, पानी भरने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है, और पानी के जेट द्वारा सुरंग बोरिंग मिशन के बाईं ओर से कीचड़ हटाने का काम जोरों पर है। बताया गया है कि वे लगातार समन्वय बनाकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बचाव अभियान में भाग लेने वाली बचाव टीमों के साथ दिल्ली से राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के प्रतिनिधियों की एक टीम और हैदराबाद से एनवी रोबोटिक्स के प्रतिनिधियों की एक टीम एसएलबीसी सुरंग दुर्घटना स्थल पर रोबोटिक सेवाओं के लिए सुरंग में गई। बताया गया कि एसडीआरएफ की टीमों द्वारा टनल बोरिंग मिशन के बायीं ओर से जल जेट द्वारा मिट्टी हटाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

उन्होंने डेमो के जरिए अधिकारियों को समझाया कि टनल में टनल बोरिंग मशीन पर जमा कीचड़ को हटाने के लिए वॉटर जेट का इस्तेमाल किया जाता है। बताया गया कि कन्वेयर बेल्ट को बहाल कर दिया गया है और कमीशनिंग का काम पूरा किया जा रहा है और बचाव अभियान में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए बचाव कार्यों में तेजी लाई गई है। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर वेंटिलेशन और प्रकाश व्यवस्था को आगे बढ़ाया गया है। अग्निशमन सेवा के महानिदेशक नागिरेड्डी, टीएसएसपीडीसीएल के सीएमडी मुशर्रफ अली, जिला एसपी वैभव गायकवाड़ रघुनाथ, कर्नल परीक्षित मेहरा, एनडीआरएफ अधिकारी प्रसन्ना, हाइड्रा, सिंगरेनी माइंस रेस्क्यू, एसडीआरएफ अधिकारी, अग्निशमन सेवा, दक्षिण मध्य रेलवे प्लाज्मा कटर, रैट माइनर्स, जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया लखनऊ के निदेशक अयोध्या प्रसाद। टपलियाल, हैदराबाद के निदेशक शैलेन्द्र कुमार, दक्षिण मध्य रेलवे मंडल के मैकेनिकल इंजीनियर मुरली और अन्य ने भाग लिया।

ऑपरेशन श्रीशैलम सुरंग के समर्थन में भारतीय सेना का अभियान जारी

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय सेना, कई एजेंसियों के साथ समन्वय में, महत्वपूर्ण बहाली कार्य को सुविधाजनक बनाने के लिए ऑपरेशन श्रीशैलम सुरंग में अपने समर्पित प्रयासों को जारी रखे हुए है। कल शाम को अन्य एजेंसियों के साथ एक नाइट शिफ्ट टीम सुरंग के लिए रवाना हुई और जल्द ही वापस आने की उम्मीद है। इस बीच, चल रहे प्रयासों में गति बनाए रखने के लिए सुबह की शिफ्ट की टीम ने आज सुबह 7:50 बजे अभियान शुरू किया। इंजीनियरिंग टास्क फोर्स (ईटीएफ) प्रमुख ऑपरेशनों में सक्रिय रूप से सहायता कर रही है, जिसमें पानी निकालना, गाद निकालना, मलबा हटाना, कन्वेयर बेल्ट लगाना, टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) को काटना और टीबीएम के पुर्जों और अन्य भारी उपकरणों को स्थानांतरित करना शामिल है। भारतीय सेना ने इन महत्वपूर्ण कार्यों में सहायता के लिए दो उत्खनन मशीनें तैनात की हैं। भारतीय सेना सभी संबंधित हितधारकों के सहयोग से इस ऑपरेशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य भर में इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाएं शुरू

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में बुधवार को इंटरमीडिएट पब्लिक एग्जामिनेशन 2025 सुचारू रूप से शुरू हो गया है।

प्रथम वर्ष की परीक्षा के लिए कुल 4,88,448 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जो द्वितीय भाषा के पेपर-I से शुरू हुआ था। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट (टीजी बीआईई) ने कहा कि प्रश्नपत्र के लिए लॉटरी के माध्यम से 'सेट बी' चुना गया। सुबह 9 बजे शुरू हुई परीक्षा दोपहर 12 बजे समाप्त होगी। परीक्षा आयोजित करने वाली टीजी बीआईई ने हॉल टिकट में निर्देश जारी किए थे कि केंद्र पर अंतिम रिपोर्टिंग समय सुबह 8.45 बजे है, लेकिन इस नियम में ढील दी गई और छात्रों को केंद्र में प्रवेश के लिए पांच मिनट का समय दिया गया।

बोर्ड ने परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए 1,532 केंद्रों की व्यवस्था की है। इस बार, केंद्र स्थान के साथ एम्बेडेड क्यूआर कोड को हॉल टिकट में एकीकृत किया गया है, जिससे छात्र आसानी से अपने संबंधित केंद्रों पर जा सकेंगे। टीजी बीआईई गुरुवार को द्वितीय भाषा पेपर-II परीक्षा आयोजित करेगा और कुल 5,08,523 द्वितीय वर्ष के छात्रों ने पंजीकरण कराया है। परीक्षा 25 मार्च को समाप्त होगी।

तापमान में गिरावट, अगले 48 घंटों तक ठंडी रहेंगी रातें

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मौसम पूर्वानुमानकर्ता टी बालाजी ने बुधवार को बताया कि गर्म मौसम से कुछ देर की राहत के बाद तेलंगाना में खासकर रात के समय तापमान में गिरावट आ सकती है। टी बालाजी ने एक्स पर लिखा कि रात से उत्तरी तेलंगाना के आदिलाबाद, आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, पेडापल्ली, निर्मल, निजामाबाद, जगीताल, भूपलपल्ली, करीमनगर जिलों में तापमान में भारी गिरावट आएगी। रात और सुबह का मौसम काफी ठंडा रहेगा। दिन गर्म रहेगा, गर्मी से राहत मिलेगी।

बालाजी के अनुसार तापमान में अचानक गिरावट का कारण 'उत्तर भारत से अचानक आने वाली ठंडी हवाएँ हैं, जिससे उत्तरी तेलंगाना में एक संक्षिप्त तीव्र शीत लहर चल सकती है। 6 और 7 मार्च के बीच सुबह का तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। दिन का तापमान 35-36 डिग्री सेल्सियस रहेगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हैदराबाद और दक्षिण टीजी को भी 5-7 मार्च के दौरान चल रही गर्मी से अच्छी राहत मिलेगी, सुबह का तापमान 14-15 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा, दिन का तापमान 35-36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। 9 मार्च के बाद फिर से गर्मी का कहर शुरू हो जाएगा।

शिक्षकों के रवैये के खिलाफ छात्रों ने स्कूल में ताला जड़कर किया प्रदर्शन

पेद्दापल्ली, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली मंडल के नित्तूर स्थित सरकारी हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने बुधवार को शिक्षक शंकरैया को निलंबित करने की मांग को लेकर स्कूल के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों ने अपने अभिभावकों के साथ मिलकर स्कूल में ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। वे चाहते थे कि अधिकारी शंकरैया को निलंबित करें, जो कथित तौर पर अन्य शिक्षकों के लिए परेशानी पैदा करके स्कूल में शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ रहे थे। नतीजतन, अन्य शिक्षक ठीक से पढ़ा नहीं पा रहे थे।

छात्रों ने आरोप लगाया कि शंकरैया अन्य शिक्षकों के खिलाफ गलत प्रचार करने के लिए छात्रों को पैसे की पेशकश कर रहे थे, और वे यह भी चाहते थे कि छात्र यह बात फैलाएं कि अन्य शिक्षक जातिगत नामों का इस्तेमाल कर उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि शिक्षक को निलंबित किया जाए।

सीडब्ल्यूसी सदस्य वामशी चंद ने एमएलसी मल्लन्ना की टिप्पणी की निंदा की

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी टीनमार मल्लन्ना द्वारा दिए गए बयान की निंदा करते हुए, जिन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर महबूबनगर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार को कमजोर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था, सीडब्ल्यूसी सदस्य वामशी चंद रेड्डी ने कहा कि ये आरोप निराधार हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है। वामशी चंद रेड्डी ने आगे आरोप लगाया कि बीआरएस ने एमएलसी कविता की जेल से रिहाई सुनिश्चित करने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन किया था, उन्होंने दावा किया कि बीआरएस ने अपनी जमानत खो दी थी और भाजपा का समर्थन किया, जिससे महबूबनगर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस की हार हुई।

बस पलटने से कई घायल

खम्मम, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कोनिजार्ला मंडल के तनिकेला के पास टीजीआरटीसी की एक इंद्रा बस पलट गई, जिससे कई लोग घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई जब सथुपल्ली डिपो की बस हैदराबाद से सथुपल्ली जा रही थी। बस में 12 यात्री सवार थे, जब यह दुर्घटना हुई क्योंकि बस चालक ने विपरीत दिशा से आ रहे वाहन से टकराने से बचने की कोशिश की। बस का शीशा टूट गया और बस को अन्य नुकसान भी पहुंचा।

पुलिस और आरटीसी अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए खम्मम के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घटना पर दुख जताया और अधिकारियों को घायलों का बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मैकेनिक वर्कशॉप में लगी आग

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित एक मैकेनिक वर्कशॉप में मंगलवार रात

आग लग गई। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, आग नामपल्ली के पटेलनगर स्थित शेड में लगी। शहर के मध्य भाग में आवासीय सह वाणिज्यिक क्षेत्र में आग लगने से कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। सूचना पर दमकल की गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाया। वर्कशॉप में ईंधन की कुछ बोतलें रखी होने के कारण आग तेजी से फैल गई। अग्निशमन अधिकारियों को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के सही कारण की जांच की जा रही है।

रंगनायक सागर में पानी की निकासी शुरू

हरीश राव के उत्तम रेड्डी और नगर निगम को लिखा था पत्र

सिद्दीपेट, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव द्वारा सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी को लिखे गए पत्र के बाद सिंचाई विभाग ने रंगनायक सागर में पानी पंप करना शुरू कर दिया है। सिंचाई अधिकारियों द्वारा अयाकट में पानी छोड़े जाने के कारण रंगनायक सागर में जल स्तर घट रहा था, इसलिए हरीश राव को उम्मीद थी कि यासांगी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पानी की कमी होगी। 21 फरवरी को उनके पत्र के बाद, सिंचाई विभाग ने एक पंप चलाकर अन्नपूर्णा जलाशय के माध्यम से मिड-मनैर से पानी उठाना शुरू कर दिया।

सिंचाई अधिकारी एक टीएमसी पानी पंप करेंगे चूंकि परियोजना में अभी 1.42 टीएमसी फीट पानी है, इसलिए इसकी कुल भंडारण क्षमता 3

टीएमसी फीट के मुकाबले कुल भंडारण 2.42 टीएमसी फीट हो जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत 50,000 एकड़ का अयाकट था। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) पर कांग्रेस के झूठ को उजागर करते हुए हरीश राव ने सवाल उठाया था कि अगर कालेश्वरम ढह गया है तो अन्नपूर्णा जलाशय और रंगनायक सागर में पानी कैसे पहुंचाया जा सकता है।

ढाका जाने वाले कतर एयरवेज के विमान की आरजीआईए में आपात लैंडिंग

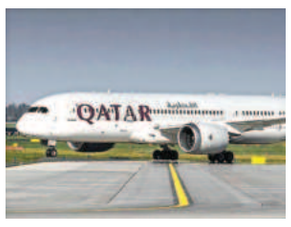

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कतर एयरवेज के एक विमान को बुधवार तड़के मेडिकल इमरजेंसी के कारण आरजीआई हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान संख्या क्यूआर 642 दोहा से ढाका, बांग्लादेश जा रही थी, जब तड़के करीब तीन बजे पायलट ने एक महिला यात्री की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं उत्पन्न होने के बाद आपातकालीन लैंडिंग की अनुमति मांगी। विमान सुबह 3.25 बजे आरजीआई एयरपोर्ट पर उतरा और महिला को एयरपोर्ट पर ही मेडिकल सुविधा में ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद विमान ने सुबह 3.42 बजे उड़ान भरी।

हरीश राव ने की कांग्रेस सरकार की आलोचना

टीजीआईआईसी भूमि नीलामी को लेकर साधा निशाना

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार पर 30,000 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन बेचने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी बीआरएस द्वारा पूछे जाने पर इन जमीनों की बिक्री पर विधानसभा और तेलंगाना के लोगों को गुमराह करने के लिए माफी मांगें।

एक बयान में हरीश राव ने याद दिलाया कि टीपीसीसी प्रमुख के रूप में रेवंत रेड्डी ने सरकारी जमीनों की बिक्री का विरोध किया था और उन्हें तेलंगाना की संपत्ति बताया था।

उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री के तौर पर वह बेशर्मी से उन्हें नीलामी के लिए रख रहे हैं। फ्लिप-फ्लॉप में रेवंत रेड्डी का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। कांग्रेस के दोहरे मापदंड को उजागर करते हुए बीआरएस विधायक ने कहा कि राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने तीन महीने पहले विधानसभा को

आश्वासन दिया था कि कोई भी सरकारी जमीन नहीं बेची जाएगी। फिर भी, उन्होंने बताया कि तथाकथित मास्टर प्लान के तहत भूमि नीलामी के लिए सलाहकार नियुक्त करने के लिए 28 फरवरी को निविदाएं जारी की गईं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांचा गाचीबोवली की 400 एकड़ जमीन, जो पहले 10,000 करोड़ रुपये में बैंकों के पास गिरवी रखी गई थी, अब बिक्री के लिए रखी जा रही है, जिसका लक्ष्य 30,000 करोड़ रुपये और जुटाना है। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार बैंकों के पास जमीन गिरवी रखती है और दूसरी तरफ उसी जमीन की नीलामी करती है। यह वित्तीय प्रबंधन में कांग्रेस के दिवालियापन को उजागर करता है। हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की उपलब्धियों और तेलंगाना के विकास का इस्तेमाल खुद को बेचने और सार्वजनिक संपत्तियों को गुप्त रूप से बेचने के लिए करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) में ही चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना की आर्थिक प्रगति की प्रशंसा की गई है, जो कांग्रेस के दिवालियापन के पहले के दावों का खंडन करता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साल दिसंबर में विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस ने तेलंगाना औद्योगिक और बुनियादी ढांचा निगम को भूमि की बिक्री और भूमि के हस्तांतरण से इनकार करके विधानसभा को गुमराह किया, और बाद में नीलामी की। यह धोखे की पराकाष्ठा है।

गर्मी आने से पहले ही पानी के लिए हाहाकार

लोगों का फूटा गुस्सा तो खाली मटके लेकर धरना प्रदर्शन किया

पानी की समस्या से परेशान नाराज महिलाओं ने खाली मटका से कलेक्टर कार्यालय के सामने विरोध जताया

कुमरमभीम आसिफाबाद 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता) गर्मी का मौसम शुरू होते ही प्रदेश में पानी की किल्लत होने से आमजन का जीना मुश्किल हो गया है। वांकिडी मंडल में एनोली ग्राम में पहले से ही पानी नही हैं। ऊपर से गर्मी ने भी अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिया हैं। जिसके कारण हर जगह पानी के लिए आए दिन प्रदर्शन हो रहे। केंद्र सरकार की योजना का लाभ भी कुमरमभीम आसिफाबाद जिला के लोगों को कहीं मिल रहा है। और कहीं अभी काम चालू भी नही हुआ है। राज्य सरकार व लापरवाह कर्मचारियों व ठेकेदारों की मनमर्जी के कारण लोगों का जीना दुष्वार हो गया है।

जिसका नजारा बुधवार को आसिफाबाद में देखने को मिला। पानी की समस्या से परेशान नाराज महिलाओं ने खाली मटका से कलेक्टर कार्यालय के सामने विरोध जताया, कहा जल्द प्रशासन करें पानी की समस्या का समाधान वर्ना होगा बड़ा आंदोलन किया जाएगा। पूरा मामला कुमरमभीम आसिफाबाद जिला क्षेत्र के वांकिडी मंडल के एनोली गाँव का है। गाँव मे पिछले कई सालों से पानी की समस्या है। जिसको प्रशासन ने आज तक सही नही किया है। 5 मार्च दोपहर बाद वांकिडी गाँव की करीब तीन दर्जन से अधिक महिला-पुरूष पानी नही आने से नाराज होकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे।

जब अधिकारी नहीं मिले तो महिलाओं का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया और खाली मटके कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया ग्रामीणों ने बताया की गांव वांकिडी में पिछले कई सालों से पानी की समस्या आ रही है। सर्दी में तो जैसे तैसे काम निकाल लिया लेकिन अब गर्मी के शुरू होते ही पानी की किल्लत ज्यादा हो गई है। और ऊपर से फसल कटाई शुरू हो गई है। जिसके चलते ना तो खेत का काम कर पाते है और ना ही घर का। बगैर पानी के अब क्या करें। प्रशासन हर बार जल्द समाधान का आस्वाशन देकर भेज देता है।

हैदराबाद में महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने सुसाइड किया

6 महीने पहले गोवा में शादी हुई थी * मां बोली- दामाद दहेज के लिए परेशान करता था

हैदराबाद, 5 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर के सुसाइड का मामला सामने आया है। 25 साल की देविका ने 2 मार्च की रात रायदुर्गम के प्रशांति हिल्स स्थित अपने घर में सीलिंग फैन से फांसी लगाकर जान दे दी।

घटना के बाद मृतक देविका की मां ने एफआईआर दर्ज करवाई। जिसमें कहा कि दामाद सतीश शादी के बाद से ही देविका को दहेज के लिए परेशान करता था। इससे तंग आकर उसने आत्महत्या कर ली।

देविका और सतीश एक ही सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करते थे। दोनों 2 साल से एक-दूसरे को जानते थे। अगस्त 2024 में दोनों की गोवा में शादी हुई थी।

मृतक की मां और परिवार के

आरोप

"रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में देविका की मां ने बताया कि दामाद ने उनके नाम पर रजिस्टर्ड घर को अपने नाम पर करवाने के लिए बेटी पर दबाव डाला। साथ ही दहेज के लिए परेशान किया।

"देविका के परिवार वालों ने मीडिया से बातचीत में कहा- दहेज को लेकर देविका का पति उसे प्रताड़ित करता था। उसे शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न सहना पड़ा। अब सहन नहीं हुआ तो उसने खुद की जान ले ली।

रात में टीवी रिमोट को लेकर लड़ाई हुई थी शुरुआती जांच के बाद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 2 मार्च की रात टीवी रिमोट को लेकर पति-पत्नी के बीच बहस हुई, जिसके बाद पति घर छोड़कर चला गया। अगली सुबह जब वह लौटा तो उसने अपनी पत्नी को मृत पाया। इसके बाद उसने ही पुलिस और परिवार को जानकारी दी कि उसकी पत्नी ने फांसी लगा ली है।

रायदुर्गम पुलिस ने पति सतीश के खिलाफ दहेज उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.